@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 11 मार्च 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 101 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

तीनों सीटें जीतने से पीडीपी को क्यों एतराज, इससे इंडिया गठबंधन को होगा लाभः फारूक

जम्मू, 10 मार्च। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस कश्मीर संभाग की तीनों लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इसे लेकर हम अपने एजेंडे पर खड़े हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में नेकां के उम्मीदवारों ने इन तीनों सीटों पर जीत हासिल की थी। नेकां की तरह पीडीपी भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। अगर इन तीनों सीटों से नेकां के उम्मीदवार जीतेंगे हैं तो इसका इंडिया गठबंधन को ही फायदा होगा। ऐसे में पीडीसी की अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती को इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए। यह बात नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारुख अब्दुल्ला ने शनिवार को जम्मू में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) में फूट के सवाल पर डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने कहा कि यह मायने नहीं रखता है। विधानसभा चुनाव आ रहे हैं। इनमें देखा जाएगा कि क्या करना है। मुझे लगाता है लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव करवाए जाएंगे। फारूक ने कहा, पीएजीडी के संबंध में महबूबा मुफ्ती से पूछा जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव तक देखा जाएगा कि नेकां पीडीपी के साथ होगी या नहीं। नेकां प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री भाजपा के नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं। वह देश के हर धर्म के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कहा कि इंडिया गठबंधन हमेशा बढ़ता रहेगा। यह भारत का भविष्य है, जो लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष भारत में विश्वास रखता है।

निष्पक्ष व्यापार के लिए साझा प्रतिबद्धता का प्रतीकः पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 मार्च। भारत और ईएफटीए ने निवेश को बढ़ावा देने और वस्तुओं एवं सेवाओं में दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रविवार को एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया। समझौते में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं में व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, व्यापार सुविधा समेत कई क्षेत्र शामिल किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता खुले, निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत और ईएफटीए के बीच हुआ व्यापारिक समझौते के दिन को खास बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल व्यापार, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं और फार्मा जैसे कई क्षेत्रों में नवाचार, अनुसंधान एवं विकास में ईएफटीए देशों का वैश्विक नेतृत्व सहयोग के नए दरवाजे खोलेगा। पीएम मोदी ने अपने लिखित संदेश में कहा कि भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर करने में शामिल वार्ताकारों और हस्ताक्षरकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री का संदेश वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ईएफटीए देशों के मंत्रियों और अधिकारियों की मौजूदगी में पढ़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, भारत की अर्थव्यवस्था ने एक लंबी

छलांग लगाई है, जो दुनिया की ग्यारहवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। हमारा अगला लक्ष्य भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की अर्थव्यवस्था बनाना है। बता दें यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। दोनों पक्षों ने अक्तूबर 2023 में बातचीत फिर से शुरू की और इसे जल्द से जल्द खत्म किया। बता दें ईएफटीए देश यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा नहीं हैं। यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना उन राज्यों के लिए एक विकल्प के रूप में की गई थी, जो यूरोपीय समुदाय में शामिल नहीं होना चाहते थे। हालांकि भारत 27 देशों के यूरोपीय संघ के साथ अलग से एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। वाईएसआर कांग्रेस ने इस रैली को सिद्धम (तैयार) नाम दिया। समर्थकों के हुजूम के बीच जगन ने कहा कि यहां की जनता महाभारत के श्रीकृष्ण की तरह है। उन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनाव को कुरुक्षेत्र में न्याय और नाइंसाफी के बीच की लड़ाई करार दिया। सीएम जगन ने दोहराया, मेरा (वाईएसआर कांग्रेस) विभिन्न दलों के साथ गठबंधन नहीं है। मैं अकेले चुनाव में जा रहा हूं। मेरे पास गरीब घरों से आने वाले कई स्टार प्रचारक हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू जैसे 10 स्टार प्रचारक या कई मीडिया हाउस नहीं हैं जो उनका समर्थन कर सकें।

चुनाव आयुक्त गोयल के इस्तीफे पर आप ने केंद्र पर साधा निशानाः अतिशी

दिल्ली, 10 मार्च। आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनावों से ठीक पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के त्यागपत्र पर सवाल खड़ा किया है। इतना ही नहीं, इस मामले में आप ने भाजपा पर आरोप लगाए हैं। आप नेता आतिशी ने कहा कि उनको भाजपा ने नियुक्त किया था और उनकी नियुक्ति का

बचाव करने के लिए केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी। अब लोकसभा चुनाव से ठीक पहले त्यागपत्र की क्या वजह है? पूरे देश का एक ही सवाल है कि केंद्र सरकार ने चुनावों में ऐसी क्या हेराफेरी करने को कह दिया, जिसे उनका अपना व्यक्ति भी न कर सका और त्यागपत्र देना ज्यादा बेहतर समझा। पार्टी मुख्यालय में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने सवाल किया कि जिस तरह अनिल मसीह से चंडीगढ़ मेयर चुनावों में चोरी करवाने की कोशिश की गई, क्या अरुण गोयल को भी ऐसा ही कुछ करने के लिए कहा जा रहा था? उनके त्यागपत्र के बारे में भाजपा पूरे देश को बताए, क्योंकि अरुण गोयल का कार्यकाल 2027 तक था। अरुण गोयल को वीआएस लेने के 24 घंटे के अंदर चुनाव आयुक्त बनाया गया था।

कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रज भूषण शरण सिंह को टिकट देगी सपा?

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 10 मार्च। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीबीआई और ईडी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ संस्थाएं हमेशा के लिए खत्म कर देनी चाहिए। सीबीआई और ईडी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि ये एजेंसियां सरकार के इशारे पर फंसाने का काम करती हैं। कहा कि 10 साल से ज्यादा हिटलर का शासन भी नहीं रहा था। मौजूदा सरकार भी जाने वाली है। उन्होंने कहा कि यूपी के लोग स्वागत भी अच्छा करते हैं और विदाई भी। अखिलेश ने नारा दिया कि भाजपा हटाओ-नौकरी पाओ, 80 हराओ-एमएसपी पाओ। अखिलेश ने कहा कि विधान परिषद प्रत्याशियों और लोकसभा प्रत्याशियों की सपा की अगली सूची जल्द जारी हो जाएगी। एक्स पर मायावती के अकेले चुनाव लड़ने संबंधी बयान पर अखिलेश ने कहा कि उनको धन्यवाद। उधर, कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रजभूषण सिंह को सपा से टिकट देने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि आप लोग (संवाददाता) कह रहे हो तो टिकट दे देंगे।

फिर यह पूछे जाने पर कि ब्रजभूषण आपके संपर्क में हैं, उन्होंने कहा कि ब्रजभूषण सिंह मेरे संपर्क में नहीं हैं। सपा अध्यक्ष ने दिल्ली की घटना पर कहा कि मैंने तस्वीर नहीं देखी, लेकिन यह सम्मान, आजादी, संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। कहा कि अल्पसंख्यकों को सभी को पसंद करना चाहिए, कमजोर के साथ सभी को खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण सड़कों में गड्ढे हो रहे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने खुलासा किया कि समाजवादी पार्टी को इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से एक बार ढाई करोड़ रुपये मिले। ऐसी ही कुछ राशि एक अन्य बार भी मिली। भाजपा को भी इस बारे में खुलासा करना चाहिए। इससे पहले, प्रदेश सपा मुख्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में भाजपा, जदयू और बसपा के कई नेताओं ने सपा का दामन थाम लिया। जनता दल यूनाइटेड के नेता एवं पूर्व विधायक सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, औरैया के पूर्व विधायक मदन गौतम, पूर्व सांसद भाल चंद्र यादव के पुत्र सुबोध यादव सपा में शामिल हुए। बीएसपी से पूर्व विधान सभा प्रत्याशी इलियास अंसारी, पूर्व मंत्री शाकिर अली के पुत्र परवेज अली, हरदोई के बसपा नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी तिलक चंद्र वर्मा, राष्ट्रीय लोक दल के वरिष्ठ नेता लतेश बिधूड़ी ने सपा ज्वाइन की। भाजपा नेता एवं वीरांगना अवंती बाई लोधी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सीताराम राजपूत, कमलेश कुमार गौतम और अजीतमल ने अपने समर्थकों समेत सपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज, अरविंद सिंह गोप, राजेंद्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, अम्बिका चौधरी, यासर शाह आदि प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

महिलाओं को महतारी वंदन योजना का मिला लाभ

जांजगीर चांपा, 10 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महतारी वंदन योजना के तहत वर्चुअल माध्यम से योजना की शुरुआत की है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में 70 लाख से अधिक महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। जिसमें जांजगीर चांपा जिले के दो लाख 91 हजार 416 महलिओं के खाते में एक हजार रूपये की पहली किस्त की राशि मिली है। जिसमें 29 करोड़ 14 लाख 26 हजार रूपये की राशि खाते में भेज दी गई है। जिसे पाकर महिलाओं के चेहरे में खुशी नजर आई। बलौदा विकासखंड में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अकलतरा पूर्व विधायक सौरभ सिंह ने महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिलेगा सरकार हर गारंटी को पूरा कर रही है। उन्होंने राशन कार्ड आयुष्मान कार्ड प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना सहित शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने नागरिकों से अपील की। भाजपा जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह चंदेल ने महतारी वंदन योजना के महत्व को बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ की विकास के लिए संकल्पित है। छत्तीसगढ़ में जन घोषणा पत्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद मोदी गारंटी को पूरा करने में जुटी हुई है लोगों को दिए गए वादे से लाभ पहुंचा रही है और अपना वादा पूरा कर रही है। इस योजना से महिलाओं का जीवन स्तर ऊपर उठाने का कार्य कर रही है।

लोकसभा चुनाव के केंद्र में केवल प्रधानमंत्री, मुद्दे भी वही तय करेंगेः सिब्बल

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 10 मार्च। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार में मंत्री रहे कपिल सिब्बल ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद सबसे बड़ा मुद्दा हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतदाताओं को वही मुद्दे प्रभावित करेंगे, जिसे पीएम मोदी चुनेंगे। सिब्बल ने कहा कि चुनाव के केंद्र में पीएम मोदी होंगे और वह देश के लोगों की भलाई के लिए क्या सोचते हैं, यही चुनावी विषय होगा। उन्होंने कहा कि देश के सामने प्रमुख और ज्वलंत मुद्दों पर तत्काल काम किए जाने की जरूरत है, जनता को यह भरोसा दिलाने के लिए विपक्षी दलों के गठबंधन- को एक संयुक्त विजन डॉक्यूमेंट पेश करना चाहिए। उन्होंने फिल्मी अंदाज में एक डायलॉग का अंश इस्तेमाल करते हुए कहा, उन्हें नहीं पता कि पिक्चर अभी बाकी है या नहीं, लेकिन फिलहाल जो पिक्चर चल रही है, वह देश के लिए ठीक नहीं है। रविवार को समाचार एजेंसी पीटीआई के साथ एक इंटरव्यू में सिब्बल ने बिहार के

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पाला बदलने पर भी बात की। उन्होंने कहा, जहां तक नीतीश का सवाल है, आज देश की राजनीति की प्रकृति में जो हो रहा है, दल बदलने का फैसला इन्हीं घटनाओं की परिणति है। सिब्बल ने विपक्षी गठबंधन- इण्डिया के राह भटकने की सवाल पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, वर्तमान सियासी माहौल में कोई किसी पर भरोसा नहीं करता। राजनीति का इतना निचले स्तर पर जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कई लोगों के दल बदलने की खबरें सामने आ चुकी हैं। नेता किन कारणों से पार्टी बदल रहे हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक ऐसी राजनीति फलती-फूलती रहेगी, निचले पायदान पर खड़े लोगों तक वास्तविक लाभ नहीं पहुंचेगा। गौरतलब है कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस में शामिल कई पार्टियां अलग हो चुकी हैं। ऐसे में विपक्षी गठबंधन में बिखराव का सीधा लाभ भाजपा नीत एनडीए को मिलने के कयास लगाए जा रहे हैं। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस में शामिल दल भाजपा को कड़ी टक्कर देने की क्षमता रखते हैं, इस बात पर भरोसा दिखाते हुए सिब्बल ने कहा कि किसी निर्वाचन क्षेत्र में विपक्ष किस तरह के उम्मीदवारों को खड़ा करता है और जनता के बीच कैसा नैरेटिव पेश किया जाता है, राजनीतिक लड़ाई इसी आधार पर लड़ी जाएगी। विपक्षी दलों के बीच सीटों का बंटवारा जल्द पूरा होने का भरोसा व्यक्त करते हुए सिब्बल ने कहा कि उन्हें एक साथ मिलकर नैरेटिव गढ़ना होगा। ऐसे मुद्दे उठाने होंगे, जिनके आधार पर वे आगामी चुनाव में सत्ताधारी पार्टी / गठबंधन के खिलाफ वोट करने के लिए राजी कर सकें। नैरेटिव पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है। सिब्बल ने जोर देकर कहा कि इण्डिया को भविष्य के लिए ऐसे दृष्टिकोण की जरूरत है जो भाजपा से बिल्कुल अलग हो।

गो फर्स्ट एयरलाइंस से जुड़ी कंपनी को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, 10 मार्च। दिल्ली हाईकोर्ट ने गो फर्स्ट एयरलाइंस से जुड़ी कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अदालत ने पूछा है कि गो फर्स्ट एयरलाइंस से जुड़ी कंपनी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल्स के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए? कंपनी पर हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना के आरोप लगे हैं। पट्टेदारों के विमानों के निरीक्षण और रखरखाव की अनुमति मामले में अदालत ने गो फर्स्ट को अहम निर्देश दिए थे। हालांकि, न्यायिक आदेश का अनुपालन नहीं हुआ। अब कंपनी को अदालत की अवमानना की कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, 12 अक्तूबर, 2023 को पारित आदेश के पालन में हो रही परेशानी की दलील स्वीकार नहीं की जा सकती। न्यायमूर्ति तारा वितास्ता गंजू ने की पीठ ने कहा कि अदालत के आदेश को लागू करने की मांग और आदेश के कार्यान्वयन की अपील करते हुए पट्टेदार ने अवमानना याचिका दायर की है। आदेश पारित होने के लगभग पांच महीने पूरे होने का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा, कानूनी कार्यवाही के इस स्तर पर पहली नजर में साफ है कि इस अदालत के आदेशों की जानबूझकर अवज्ञा की गई है। अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। सुनवाई के दौरान रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की तरफ से पेश वकील ने अदालत को बताया कि वह विमान के रखरखाव के संबंध में वापस पुरानी स्थिति में लौटने को तैयार हैं। दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अब 15 मार्च को अगली सुनवाई होगी।

कांग्रेस को एक और आघात, बंगाल में गठजोड़ का नहीं रह गया कोई महत्व

सौरभ शर्मा

कोलकाता, 10 मार्च। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपने सभी प्रत्याशी मैदान में उतार दिए। सभी प्रत्याशियों के मैदान में उतारने के साथ ममता बनर्जी ने अधिकारिक तौर पर कांग्रेस के साथ बनाई जा रही सियासी रणनीति और गठबंधन से अलग रास्ता बना लिया। सियासी गलियारों में अब चर्चा इस बात की हो रही है ममता बनर्जी के इस फैसले से कांग्रेस के साथ बड़ा खेला हो गया है। बताया यही जा रहा है कि ममता बनर्जी अभी तक कांग्रेस की ओर से टिकट के बंटवारे की राह देख रही थी। तृणमूल कांग्रेस से जुड़े नेताओं की मानें तो बार-बार रिमाइंड करने के बाद भी टिकट बंटवारे पर चर्चा नहीं हो रही थी। इसके अलावा कांग्रेस के बड़े नेता अधीर रंजन चौधरी (ऋष्ट) की ममता और टीएमसी पर की जाने वाली बयानबाजी से कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बनते रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे थे। हालांकि, कांग्रेस पार्टी को उम्मीद है कि अभी भी गठबंधन की बातचीत हो सकती है। प्रमुख विपक्षी दलों के गठबंधन समूह से अहम घटक दल टीएमसी के अलग के घटनाक्रम को सियासी नजरिए से अलग-अलग पैमानों पर आंका जा रहा है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो ममता बनर्जी की ओर से सभी

42 सीटों पर प्रत्याशियों के उतारने से कांग्रेस पर बड़ा दबाव बना है। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक राहुल कुमार कहते हैं कि ममता बनर्जी लगातार कांग्रेस से सीट बंटवारे को लेकर फैसला लेने को कहती रही। लेकिन पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्य में सीट शेयरिंग का कोई भी फार्मूला तैयार नहीं किया जा सका। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी लगातार पश्चिम बंगाल में न सिर्फ बड़ी रैलियां कर रही है, बल्कि सियासी माहौल भी बना रही है। ऐसे में पश्चिम बंगाल की सभी सीटों पर प्रत्याशियों का न होना कम से कम टीएमसी के लिए सियासी फायदे का सौदा नहीं लग रहा था। यही वजह है कि लगातार सीट शेयरिंग की बात करने के बाद भी जब कांग्रेस से सीटों पर समझौता नहीं हुआ तो ममता बनर्जी ने अपने सभी प्रत्याशी मैदान में उतार दिए। टीएमसी की एक वरिष्ठ नेता कहती हैं कि उनकी लड़ाई भाजपा से है। क्योंकि अब चुनाव बिल्कुल सिर पर है। ऐसे में प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में अपनी तैयारी के लिहाज से प्रत्याशी का होना बेहद जरूरी है। पार्टी के नेताओं के बीच यह बात लगातार उठ रही थी कि अगर कांग्रेस की ओर से सीट शेयरिंग नहीं हो रही है तो अब टीएमसी को ही प्रत्याशी घोषित कर देने चाहिए। पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 2 मार्च को एक बार फिर दोनों पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा हुई, लेकिन कोई भी बात नहीं बन सकी।

महिलाओं ने योग्यता से हर क्षेत्र में पाई उपलब्धिः तुषार मेहता

नई दिल्ली, 10 मार्च। हर क्षेत्र के साथ-साथ महिलाओं ने कानून के सभी क्षेत्रों में भी पुरुषों के समान अपना अधिकार स्थापित किया है। आज कल लैंगिक समानता पर अधिक ध्यान दिया जा

रहा है, लेकिन महिलाओं ने अपनी योग्यता से हर वह मंजिल पाने में सफलता हासिल की है जिसे अब तक उसके लिए अछूता माना जा रहा था। देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने महिला सशक्तिकरण दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बातें शनिवार को कहीं। सोसाइटी ऑफ इंडियन लॉ फर्म्स लेडीज ग्रुप (एसएलजी) द्वारा आयोजित सेलिब्रेटिंग द वीमन इन द लीगल फैटर्निटी एंड देअर रिमार्केबल जर्नी' कार्यक्रम में बोलते हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि गलत धारणा फैलाई जा रही है कि महिलाएं कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्रता-पूर्व युग में कानूनी प्रोफेशन में महिलाओं की भागीदारी में बाधाएं थीं, जिन्होंने प्रोफेशन में उनके विकास और भागीदारी में बाधा उत्पन्न की है। लेकिन अब यह बाधाएं पूरी तरह दूर हो चुकी हैं। मेहता ने कहा कि केवल योग्यता के आधार और अपनी क्षमता के आधार पर महिलाएं आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक हर तरह में समृद्ध हुई हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन लॉ फर्म्स के अध्यक्ष डॉ. ललित भसीन ने कहा कि 35त्न अधीनस्थ न्यायाधीश महिलाएं हैं और उच्च न्यायालयों के मामले में यह 13त्न है। सर्वोच्च न्यायालय में सिर्फ तीन महिला जज ही हैं। 2022 के आंकड़ों के अनुसार, कांस्टेबल स्तर पर 12त्न महिलाएं ही हैं और अधिकारी स्तर पर यह संख्या घटकर 8त्न रह गई है। जेल प्रशासन में केवल 14त्न महिलाएं हैं और वे सभी निचले स्तर पर ही अटकी हुई हैं। उच्च न्यायालयों में सात दशकों में केवल 16 महिला मुख्य न्यायाधीश ही रही हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सुधरनी चाहिए।

अनंत हेगड़े के बयान पर कांग्रेस ने भाजपा-संघ को घेरा

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 10 मार्च। लोकसभा चुनाव 2024 का एलान किसी भी समय हो सकता है। निर्वाचन आयोग तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) पर कांग्रेस पार्टी ने तीखा हमला बोला है। धीरे-धीरे चढ़ रहे सियासी पारे के बीच कर्नाटक के भाजपा नेता और छह बार के लोकसभा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कहा कि भाजपा को 400 सीचें जीतना जरूरी है, क्योंकि संविधान के कई प्रावधानों को बदलना है। उन्होंने कहा कि संसद में दो तिहाई से अधिक बहुमत हासिल करने के बाद हिंदुओं के हित में संविधान के कई प्रावधानों में संशोधन किए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान को मूल रूप से विकृत किया है, उसे हमें बदलना होगा। हेगड़े के कथित बयान के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, भाजपा सांसद का बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) के छिपे हुए इरादों का एलान है। राहुल के अलावा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सार्वजनिक रूप से भाजपा सांसद के ऐसे बयान से तानाशाही थोपने का मोदी-आरएसएस का कुटिल एजेंडा उजागर होता है। बकौल मल्लिकार्जुन खरगे, मोदी सरकार, बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुप्त रूप से तानाशाही लागू करना चाहते हैं। वे भारत के लोगों पर अपनी मनुवादी मानसिकता थोप कर अनुसूचित जाति और अनुसूचित

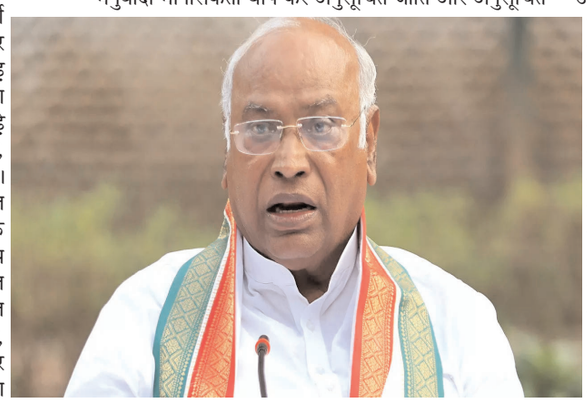

जनजाति के लोगों का अधिकार छीनना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आने वाले दिनों में चुनाव नहीं होंगे। दिखावे के लिए चुनाव कराकर संस्थानों की आजादी कम कर दी जाएगी। अभिव्यक्ति की आजादी पर बुलडोजर चलाया जाएगा। भाजपा-आरएसएस मिलकर देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के साथ-साथ विविधता में एकता को नष्ट कर देंगे। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि कांग्रेस संघ परिवार के गुप्त मकसदों को कभी सफल नहीं होने देगी। इससे पहले उन्होंने कर्नाटक की एक जनसभा में कहा कि अब की बार 400 पार ही क्यों? इस सवाल का जवाब संसद में दो तिहाई बहुमत है। बकौल हेगड़े, हमारे पास लोकसभा में दो तिहाई बहुमत है, लेकिन राज्यसभा में हमारे पास नहीं है। वहां हमारे पास पर्याप्त बहुमत नहीं है। हेगड़े ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में एनडीए को 400 से अधिक सीटें जीतने से राज्यसभा में समान बहुमत जुटाने और दो-तिहाई राज्यों में सत्ता में आने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि कर्नाटक में हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस ने तीन सीटें जीतीं, जबकि भाजपा को केवल एक सीट मिली। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम का उदाहरण देते हुए अनंत कुमार हेगड़े ने कहा कि इसे लोकसभा में और बाद में राज्यसभा में पारित किया गया। उन्होंने बताया कि लेकिन कई राज्य सरकारों ने इसे मंजूरी नहीं दी और इसलिए इसे लागू नहीं किया जा सका। अब सरकार इसे एक संशोधन के जरिए लागू करने की योजना बना रही है।

भारत से थाईलैंड के उबोन रत्चथानी शहर पहुंचे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष

इंटरनेशनल डेस्क. भगवान बुद्ध और उनके दो शिष्यों के पवित्र अवशेष, जो थाईलैंड में एक प्रदर्शनी में हैं, शनिवार को उबोन रत्चथानी शहर पहुंचे। थाईलैंड में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- भगवान बुद्ध और शिष्यों अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महा मोग्गलाना के पवित्र अवशेष थाईलैंड के उत्तर-पूर्व में एक शहर उबोन रत्चथानी पहुंचे। ये अवशेष 10 से 13 मार्च तक वाट महा वानारम में रखे रहेंगे। इससे पहले पवित्र अवशेष चियांग माई शहर में थे, जहां हजारों भक्त श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए थे। थाईलैंड में भारतीय दूतावास ने मौजूदा प्रदर्शनी के दौरान थाईलैंड के प्रधान मंत्री श्रेथा थाविसिन और उनकी सरकार के निरंतर समर्थन की सराहना की और कहा कि इससे दोनों देशों के लोगों के बीच

संबंध और गहरे होंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और थाईलैंड के बीच गहरे आध्यात्मिक संबंध की सराहना की, क्योंकि पवित्र अवशेषों को श्रद्धांजलि देने के लिए 23 फरवरी से 3 मार्च तक लगभग दस लाख श्रद्धालु बैंकॉक में एकत्र हुए थे।शुभ छठे चक्र और राजा राम दशम के 72वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में भारत और थाईलैंड के लोगों के बीच मित्रता के प्रतीक के रूप में भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महा मोग्गलाना के पवित्र अवशेष 22 फरवरी को भारतीय वायु सेना के एक विशेष विमान पर भारत से थाईलैंड पहुंचे।बता दें अवशेष थाईलैंड के चार शहरों में 25-दिवसीय प्रदर्शनी में हैं, उन्हें बैंकॉक में रहने के दौरान सनम लुआंग रॉयल पैलेस मैदान में एक विशेष रूप से निर्मित मंडप में सार्वजनिक पूजा के लिए रखा गया था। बैंकॉक और चियांग माई शहरों में प्रदर्शनी के बाद अवशेष 9-13 मार्च तक उबोन रत्चथानी में होंगे। इसके बाद 14-18 मार्च तक क्राबी में प्रदर्शनी होगी। पवित्र अवशेषों को 19 मार्च को थाईलैंड से उनके संबंधित घरों तक वापस ले जाया जाएगा, जिससे थाईलैंड में एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध प्रदर्शनी का समापन होगा।

BBC की 'खालिस्तान समर्थक सिख एंकर के खिलाफ की गई शिकायत

लंदन. प्रवासी भारतीय समुदाय के कई सदस्यों ने हाल में एशियाई नेटवर्क में शामिल हुई एक ब्रिटिश सिख प्रस्तोता के कथित ''खालिस्तान समर्थक अलगाववादी विचारों को लेकर चिंता व्यक्त की है और बीबीसी से शिकायत की है। लेखिका और शिक्षिका, जसप्रीत कौर ने इस महीने की शुरुआत में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (BBC) के 'एशियन नेटवर्क चिल में काम शुरू किया था।

सार्वजनिक प्रसारक में अपनी नई भूमिका की घोषणा करते हुए कौर ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा था, ''शांत रहने के लिए समय निकालना, चाहे आपके लिए इसका जो भी मतलब हो, बहुत महत्वपूर्ण है।कौर के इस बयान के तुरंत बाद, सोशल मीडिया पर कुछ साल पुरानी उनकी पोस्ट प्रवासी भारतीयों के बीच प्रसारित होने लगी। प्रवासी भारतीयों ने कौर के कथित अलगाववादी विचारों को लेकर चिंता व्यक्त की। बीबीसी के भारतीय मूल के नये अध्यक्ष समीर शाह को संबोधित ऐसी ही एक शिकायत में कहा गया है, ''मुझे आपके संज्ञान में यह तथ्य लाना चाहिए कि आपकी संस्था चरमपंथियों को 'प्रस्तोता के रूप में नियुक्त कर रही है। इसमें कहा गया है, ''सिख समुदाय में जसप्रीत को खालिस्तानी के रूप में जाना जाता है। वह सोशल मीडिया में अपनी पोस्ट में खुलेआम 'खालिस्तान हैशटैग करती हैं।शिकायत में कहा गया है, ''यह हैरानी की बात है कि बीबीसी ऐसे चरमपंथी विचार रखने वाले किसी व्यक्ति को काम पर रख रही है। बीबीसी ने संकेत दिया कि उसके सभी प्रस्तुतकर्ता व्यक्तिगत विचारों को सार्वजनिक रूप से साझा करने के लिए जांच के अधीन हैं और शिकायतों में जिस सोशल मीडिया पोस्ट का संदर्भ दिया जा रहा है, वह कौर के शो में प्रस्तोता बनने से कई साल पहले की है। बीबीसी के एक प्रवक्ता ने कहा, ''हम व्यक्तियों या व्यक्तिगत पोस्ट पर टिप्पणी नहीं करने जा रहे हैं।

पेम्बा द्वीप में समुद्री कछुए का मांस खाने से नौ लोगों की मौत, 78 लोग अस्पताल में भर्ती

जंजीबार द्वीपसमूह के पेम्बा द्वीप पर समुद्री कछुए का मांस खाने से आठ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई और 78 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इंटरनेशनल डेस्क. जंजीबार द्वीपसमूह के पेम्बा द्वीप पर समुद्री कछुए का मांस खाने से आठ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई और 78 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जंजीबार के लोग समुद्री कछुए का मांस बड़े चाव से खाते हैं जबकि इसकी वजह से अकसर खाद्य विषाक्तता के कारण मौत होने की घटनाएं सामने आती हैं।

देर रात महिला की मौत

मकोआनी जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. हाजी बाकरी ने बताया कि शुक्रवार देर रात जहरीला भोजन करने से एक महिला की मौत हुई। उन्होंने बताया कि समुद्री कछुए का मांस खाने से जिन बच्चों की मौत हुई, उनमें इस महिला का भी एक बच्चा शामिल था। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने कछुए का मांस मंगलवार को खाया था।

बाकरी ने 'एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि प्रयोगशाला में जांच से पुष्टि हुई है कि सभी लोगों ने समुद्री कछुए का मांस खाया था।

समुद्री कछुओं का मांस न खाएं- आपदा प्रबंधन टीम

पूर्वी अफ्रीकी देश तंजानिया के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र जंजीबार के अधिकारियों ने एक आपदा प्रबंधन टीम भेजी, जिसने लोगों से समुद्री कछुओं का मांस नहीं खाने का आग्रह किया। पेम्बा में नवंबर 2021 में कछुए का मांस खाने से तीन साल के बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई थी और तीन अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कनाडा में निज्जर की हत्या क्या कॉन्ट्रैक्ट किलिंग थी?, हत्याकांड का पूरा वीडियो आया सामने

इंटरनेशनल डेस्क. कनाडा में बीते साल खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के समय का वीडियो अब सामने आया है। वीडियो फुटेज में दो गाड़ियों में आए छह हमलावर निज्जर को घेरकर उस पर गोलियां बरसाते दिख रहे हैं। कनाडा ने निज्जर की हत्या का वीडियो साझा करते हुए कहा है कि ये एक बड़े स्तर पर प्लान ऑपरेशन लगता है। रिपोर्ट में इसे कॉन्ट्रैक्ट किलिंग बताया गया है। निज्जर को 2020 में NIA ने आतंकवादी नामित किया था। 18 जून, 2023 की शाम को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे से बाहर निकलते ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।निज्जर की हत्या का जो वीडियो सामने आया है, उसमें देखा जा सकता है कि हरदीप सिंह निज्जर एक पिकअप ट्रक जैसे वाहन से गुरुद्वारे की पार्किंग में आता है। इसके बाद वह जैसे ही बाहर निकलता है तो कारें तेजी से उसके पास आकर रुकती हैं। कार में से कुछ लोग निकलते हैं और निज्जर पर गोलियां बरसा देते हैं। वीडियो में दिखा, दो गाड़ियों में आए छह हमलावरों ने निज्जर को घेरकर गोलियां बरसा दीं।

आसिफ जरदारी बने पाकिस्तान के राष्ट्रपति, महमूद अचकजई को करारी हार का सामना करना पड़ा

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी शनिवार को देश के 14वें राष्ट्रपति चुने गए। जरदारी(68) पीपीपी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के संयुक्त उम्मीदवार थे, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी महमूद खान अचकजई सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के प्रत्याशी थे। जरदारी को 255 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी को 119 वोट मिले। जरदारी दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। इससे पहले वह 2008 से 2013 तक राष्ट्रपति रहे।

जरदारी दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने वाले पहले असैन्य व्यक्ति हैं। संविधान के प्रावधानों के अनुसार, राष्ट्रपति को नेशनल असेंबली और चार प्रांतीय विधानसभाओं के नवनिर्वाचित सदस्यों के निर्वाचक मंडल द्वारा चुना गया। सिंध विधानसभा में, जहां जरदारी की पीपीपी सत्ता में है, उन्हें सबसे अधिक वोट मिले, जबकि उन्होंने बलूचिस्तान विधानसभा में भी सभी मत प्राप्त किए। उन्होंने अचकजई को पंजाब विधानसभा में भी हराया।खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में, जहां सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल/पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की सरकार है, अचकजई को जरदारी के खिलाफ सबसे ज्यादा वोट मिले। कारोबारी से राजनीतिक नेता बने जरदारी पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पति हैं। जरदारी, मौजूदा राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी की जगह लेंगे, जिनका पांच साल का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया था।

बाइडेन ने फिर चेताया- गाजा में आम नागरिकों की रक्षा न करके ''इजराइल को नुकसान पहुंचा रहे नेतन्याहू

वॉशिंगटन. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शनिवार को कहा कि उन्हें लगता है कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में हमास के खिलाफ अपने युद्ध के तरीके से ''इजराइल की मदद करने के बजाय उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। अमेरिकी नेता ने सात अक्टूबर के हमले के बाद हमास के खिलाफ कार्रवाई के इजराइल के अधिकार के प्रति समर्थन जताया लेकिन साथ ही कहा कि नेतन्याहू को ''इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की मौत की घटनाओं पर और ध्यान देना चाहिए।

बाइडेन कई महीनों से कहते आए हैं कि इजराइल गाजा में बड़ी

संख्या में आम नागरिकों की मौत होने के कारण अंतरराष्ट्रीय सहयोग खो सकता है और अमेरिकी समाचार चैनल 'एमएसएनबीसी के जोनाथन केपहर्ट के साथ हालिया साक्षात्कार में की गई उनकी ताजा टिप्पणी दोनों नेताओं के बीच तनावपूर्ण होते संबंधों की ओर इशारा करती है।

बाइडेन ने गाजा में लोगों के बड़ी संख्या में मारे जाने पर बात की।

उन्होंने कहा, ''इजराइल जिसके लिए प्रतिबद्ध है, यह उसके विपरीत है और मुझे लगता है कि यह एक बड़ी गलती है।बाइडन ने साथ ही कहा कि वह रॉकेट हमलों से इजराइलियों की रक्षा करने वाले आयरन डोम मिसाइल अवरोधकों जैसे हथियारों की आपूर्ति को नहीं रोकेंगे।

जिनपिंग ने जरदारी को पाकिस्तान का 14वां राष्ट्रपति बनने पर दी बधाई, कहा- ''फौलाद जैसी मित्रता इतिहास की पसंद

बीजिंग. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पाकिस्तान का राष्ट्रपति चुने जाने पर आसिफ अली जरदारी को रविवार को बधाई देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच ''फौलाद जैसी मित्रता इतिहास की पसंद है और विश्व में मौजूदा बदलाव के मद्देनजर इन संबंधों का ''रणनीतिक महत्व और बढ़ गया है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी शनिवार को देश के 14वें राष्ट्रपति चुने गए और देश में दूसरी बार इस पद पर पहुंचने वाले पहले असैन्य व्यक्ति हैं। इससे पहले, वह 2008 से 2013 तक इस पद रहे थे।

जरदारी(68) पीपीपी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के संयुक्त उम्मीदवार थे। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ के अनुसार, शी ने जरदारी को भेजे अपने संदेश में कहा, ''चीन और पाकिस्तान अच्छे पड़ोसी, अच्छे दोस्त, अच्छे साझेदार और अच्छे भाई हैं। दोनों देशों की फौलाद जैसी दोस्ती इतिहास की पसंद और दोनों के लिए एक अनमोल खजाना है। उन्होंने कहा, ''दोनों देशों ने हाल के वर्षों में करीबी उच्च स्तरीय आदान-प्रदान बनाए रखा है, अपने मूल हितों और प्रमुख चिंताओं से जुड़े मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन किया है, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के निर्माण में सार्थक परिणाम प्राप्त किए हैं और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया है।

भारत ने चीन के शिनजियांग को बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह से जोड़ने वाले 60 अरब अमेरिकी डॉलर के सीपीईसी को लेकर आपत्ति जताई है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजर रहा है। शी ने अपने संदेश में कहा कि चूंकि दुनिया तेजी से हो रहे ऐसे परिवर्तनों से गुजर रही है, जो पहले कभी नहीं देखे गए, ऐसे में चीन-पाकिस्तान संबंधों का रणनीतिक महत्व और अधिक बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि वह चीन-पाकिस्तान संबंधों के विकास का बहुत सम्मान करते हैं और चीन एवं पाकिस्तान के बीच पारंपरिक दोस्ती को और मजबूत करने, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने, चीन एवं पाकिस्तान के बीच सर्वकालिक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा नए युग में साझा भविष्य के साथ और भी घनिष्ठ संबंधों वाले चीन-पाकिस्तान समुदाय के निर्माण को तेज करने की दिशा में जरदारी के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।

इंडोनेशिया में भूस्खलन और बाढ़ से तबाही, 19 लोगों की मौत व सात लापता

बाली. इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख डोनी युसरीजल ने कहा कि शुक्रवार देर रात कई टन मिट्टी, चट्टानें और उखड़े हुए पेड़ एक पहाड़ से लुढ़ककर एक नदी तक पहुंच गए।उन्होंने कहा कि इसके बाद कई तट टूट गए और पश्चिम सुमात्रा प्रांत के पेसिसिर सेलातन जिले में पहाड़ी गांवों में बाढ़ आ गई। युसरीजल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस आपदा में मरने वालों की संख्या 19 हो गई है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अचानक आई बाढ़ से कम से कम दो ग्रामीण घायल हो गए और बचावकर्मी ऐसे सात लोगों की तलाश कर रहे हैं जो कथित तौर पर अब भी लापता हैं।

बयान में कहा गया कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण 14 घर जमीदोंज हो गए, 80,000 से अधिक लोग अस्थायी सरकारी आश्रयों में चले गए, जबकि पश्चिम सुमात्रा प्रांत के नौ जिलों और शहरों में लगभग 20,000 घरों की छत तक पानी भर गया है।

जयशंकर की जापान यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने का दिया अवसर

इंटरनेशनल डेस्क. विदेश मंत्री एस जयशंकर की जापान यात्रा के जरिए द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने और विशेष रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के तरीकों का पता लगाने का मौका प्रदान किया। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई। जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा पर जापान में थे। यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।उन्होंने किशिदा को भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में हाल के घटनाक्रम के बारे में भी जानकारी दी तथा रिश्ते को और मजबूत करने के लिए उनका मार्गदर्शन मांगा।

जयशंकर ने सात मार्च को जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा के साथ 16वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता की थी। इस बैठक में राजनीतिक आदान-प्रदान सहित भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के व्यापक पहलुओं की समीक्षा की गई। व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी सहयोग; विकासात्मक समन्वय; रक्षा और

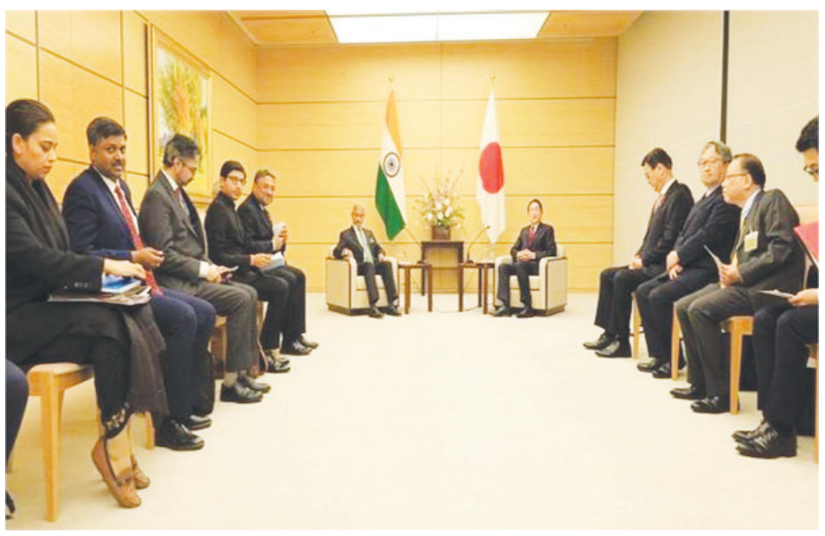

सुरक्षा सहयोग; साथ ही सांस्कृतिक और लोगों के आपसी संपर्क पर भी चर्चा हुई। उनकी चर्चा संबंधित सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण, हरित प्रौद्योगिकियों, रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी, डिजिटल भुगतान, आवाजाही व्यवस्था और भारत में जापानी भाषा को बढ़ावा देने के लिए सहयोग जैसे विषयों पर हुई। बातचीत में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपसी हित के क्षेत्रीय मुद्दों और प्रमुख वैश्विक घटनाक्रम पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''विदेश मंत्री की जापान यात्रा ने मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने और दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के तरीकों का पता लगाने का अवसर प्रदान किया।बयान में कहा गया है कि जयशंकर ने वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात की, जिनमें सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) के उपाध्यक्ष तारो असो, एलडीपी के महासचिव तोशिमित्सु मोतेगी और जापान इंडिया एसोसिएशन के अध्यक्ष योशीहिदे सुगा शामिल थे।

इन बैठकों में द्विपक्षीय साझेदारी के लिए सहयोग की मजबूत भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। बयान में कहा गया है कि यात्रा के दौरान जयशंकर ने जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से भी मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का एक पत्र सौंपा, जिसमें दिवंगत प्रधानमंत्री की मां मैडम योको आबे के निधन पर शोक व्यक्त किया गया।

जिनपिंग की सेना में फूट ! चीनी जनरल ने उठाए सवाल, मिलिट्री एक्सरसाइज को बताया फर्जी

बीजिंग. चीन के जनरल ने अपनी सेना पर सवाल उठाते हुए सेन्य अभ्यास को फर्जी बताया है। एक रिपोर्ट के अनुसार चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सेना में फूट सामने आई है जिसके बाद चीनी जनरल ने सेन्य अभ्यास पर सवाल उठा दिए हैं। चीन के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने 'जन मुक्ति सेना (PLA) की बहु-प्रचारित 'वास्तविक युद्ध अभ्यास की 'फर्जी युद्ध क्षमताओं पर ऐसे समय में आशंका जताई है, जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इसे युद्ध जीतने के लिए 'समुद्री सैन्य संघर्ष के वास्ते तैयार होने का आदेश दिया है। चीन के शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग (CMC) के उपाध्यक्ष जनरल हे वेइदोंग की यह टिप्पणी मंगलवार को PLA के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा के दौरान आई। मीडिया को उपलब्ध बैठक के विवरण से यह जानकारी मिली। सीएमसी, शी के नेतृत्व वाले तीनों सशस्त्र बलों का संपूर्ण उच्च कमान है।जनरल हे ने सेना की 'फर्जी युद्ध क्षमताओं पर कार्रवाई करने की अपील की है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि शी द्वारा हाल में की गई कार्रवाई की पृष्ठभूमि में एक शीर्ष अधिकारी की टिप्पणी, इस अभ्यास की प्रमाणिकता पर सवाल उठाती है। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट अखबार ने शनिवार को अपनी खबर में कहा कि 2012-13 में सत्ता संभालने के बाद से शी ने 'रियल टाइम युद्ध अभ्यासों और उपकरणों की गुणवत्ता पर जोर दिया था। शी ने पिछले साल रक्षा मंत्री ली शांगफु को बर्खास्त कर दिया था। उनके अलावा सेना के नौ अन्य वरिष्ठ जनरल को हटाया गया था जिनमें से कई मुख्य रॉकेट फोर्स से थे जो देश की मिसाइलों का संचालन करता है।

शी ने जब से सत्ता संभाली है, चीन की सेना सभी स्तरों पर अपने युद्ध कौशल का परीक्षण करने के लिए सेनाओं को दो समूहों में विभाजित कर एक साथ दोनों का अभ्यास करा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन में तीसरे नंबर के सैन्य अधिकारी जनरल हे का संदेश 'संक्षिप्त और अस्पष्ट है, लेकिन इसका संबंध त्रुटिपूर्ण उपकरणों की खरीद से भी हो सकता है। ताइवान, विवादित त्रुटिपूर्ण हथियारों की खरीद का जिक्र कर रहे हैं, जो सेना की युद्ध क्षमताओं को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने अखबार से कहा, ''हथियार और उपकरण तकनीकी मानकों के अनुरूप होने चाहिए।

दक्षिण चीन सागर क्षेत्र के साथ-साथ भारत से लगी सीमा पर तनाव और अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के बीच, अपनी सेना के बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण को जारी रखते हुए चीन की सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में रक्षा बजट को 7.2 प्रतिशत बढ़ाकर 232 अरब अमेरिकी डॉलर कर दिया।PLA के पूर्व उपकरण विशेषज्ञ फू कियानशाओ ने कहा कि ऐसा लगता है कि वह आंशिक रूप से

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors: Advocate Mohd. Sajid, Advocate Dr. A.P.Singh, Advocate Manish Sharma, Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सावधान! दिल्ली में बढ़ने लगा तापमान, 2 दिन बाद बारिश के लिए रहिए तैयार

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इसके चलते एक बार फिर बारिश होने की संभावना भी बन रही है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 28 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहने की संभावना है। वहीं, सोमवार से बुधवार के बीच अधिकतम तापमान 30 डिग्री रहने के आसार बने हुए हैं।

मौसम विभाग का मानना है कि बुधवार को दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी होने से गुरुवार को इसमें कुछ कमी आएगी, लेकिन शुक्रवार से एक बार फिर तापमान बढ़ने लगेगा। दिल्ली में शनिवार

को अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार आठ से 18 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। सोमवार से बुधवार तक दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं, न्यूनतम तपामान 11 से 13 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं। बुधवार शाम कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। बता दें कि, दिल्ली-एनसीआर में पिछले महीने भी कई बार बारिश का दौर देखने को मिला था। इसके चलते मौसम अब तक ठंडा बना हुआ है। वहीं, तेज हवाओं के कारण फिलहाल दिल्ली की हवा भी संतोषजनक स्थिति में बनी हुई है।

शून्य और 50 के बीच एक AQI को "अच्छा", 51 और 100 के बीच "संतोषजनक", 101 और 200 के बीच "मध्यम", 201 और 300 के बीच "खराब", 301 और 400 के बीच "बहुत खराब" और 401 और 500 के बीच "गंभीर" माना जाता है।

48 घंटे में दिल्ली के बोरवेल बंद करें, केजरीवाल सरकार का आदेश; अफसरों पर ऐक्शन भी

नई दिल्ली. दिल्ली में एक युवक के बोरवेल में गिरने की घटना के बाद अरविंद केजरीवाल सरकार ऐक्शन में है। इसी के साथ दिल्ली सरकार ने अपने एक आदेश में यह भी कहा है कि दिल्ली के सभी बोरवेल 48 घंटे के अंदर बंद किए जाएं। दिल्ली जल बोर्ड (Delhi Jal Board) के केशोपुर मंडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में बने 40-50 फुट गहरे बोरवेल में एक शख्स शनिवार की रात को गिरा है। इस शख्स को बोरवेल से सही-सलामत निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस बीच दिल्ली की मंत्री आतिशी मर्लेना ने कहा, यह मामला पुलिसिया जांच का है क्योंकि जो शख्स बोरवेल में गिरा है वो बच्चा नहीं व्यस्क है।

इसके पीछे की मंशा और आपराधिकता जांच का विषय है। दिल्ली जल बोर्ड के सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जो भी इस बोरवेल की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे उन सभी पर ऐक्शन लिया जाएगा। इसी के साथ हमने यह भी आदेश दिया है कि अगले 48 घंटे के अंदर दिल्ली के सभी खुले पड़े बोरवेल को सील किया जाए। इससे पहले दिल्ली की मंत्री आतिशी मर्लेना उस जगह पर पहुंचीं जहां 40 फीट गहरे बोरवेल में में युवक गिरा हुआ है। आतिशी ने यहां चल रहे बचाव कार्यों का जायजा लिया।

AAP की तरफ से कहा गया है कि बोरवेल एक तालाबंद बंद कमरे में था। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि यहाँ ज़बरदस्ती ताला तोड़ घुसने का प्रयास किया गया था। पुलिस इसकी जाँच करेगी। मंत्री आतिशी जी ने DJB को सख्त आदेश दिए है बंद पड़े सभी निजी-सरकारी बोरबेल को 48 घंटे के अंदर वेर्डिंग कर Seal किया जाए और जल्द रिपोर्ट सौंपी जाए। केशवपुर मंडी में दिल्ली जल बोर्ड के बोरवेल में युवक के गिरने के बाद से वहां दिल्ली फायर सर्विल, एनडीआरएफ और दिल्ली पुलिस की टीम मौजूद है। बोरवेल में गिरे शख्स को पाइप के जरिए ही बाहर निकलने का प्रयास किया जा रहा था। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अब वहां बोरवेल के पास ही एक अन्य गड्ढा किया जा रहा है। बोरवेल की गहराई 40 फीट है। ऐसा कहा जा रहा है कि युवक को बाहर निकालने में अभी वक्त लग सकता है।

फर्जी DRI अफसर ने धमकाकर कारोबारी को बुलाया, बंधक बना 2 दिन किया अननैचुरल सेक्स; लाखों रुपये भी वसूले

दिल्ली में फर्जी डीआरआई अफसरों ने कूरियर कारोबारी को बंधक बनाकर कुकर्म करने और जेल भेजने की धमकी देकर ढाई लाख रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार आरोपियों को दबोच लिया है।

नई दिल्ली. दिल्ली में फर्जी डीआरआई इंस्पेक्टर बनकर कूरियर कारोबारी को बंधक बना कुकर्म करने और जेल भेजने की धमकी देकर ढाई लाख रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर कुकर्म, अवैध वसूली, अपहरण और बंधक बनाने की धारा में केस दर्ज कर चार आरोपियों को दबोच लिया है।आरोपियों में पीड़ित का पूर्व पार्टनर भी शामिल है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित सुरेश झा (परिवर्तित नाम) पहले कोलकाता की कूरियर कंपनी के ओखला स्थित ऑफिस में 2022 में काम करता था, लेकिन तीन महीने बाद ही उसने नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद उसने जनकपुरी में खुद का ऑफिस खोल दिया था। उसने अपने पूर्व सहकर्मी प्रशांत को पहले नौकरी पर रखा और फिर पार्टनर बना दिया, लेकिन प्रशांत से झगड़ा होने पर दोनों अलग हो गए।

गिरफ्तारी की धमकी देकर बुलाया : पीड़ित ने बताया कि फरवरी में उसके फोन पर एक शख्स ने कॉल की। आरोपी ने खुद को डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) का इंस्पेक्टर तुषार सक्सेना बताया। वह प्रशांत के साथ मामला सुलझाने और 50 हजार रुपये नहीं देने पर उसे गिरफ्तार करने की धमकी देने लगा। 18 फरवरी को तुषार ने उसे 20 हजार रुपये लेकर प्रशांत के साथ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास बुलाया। जब वह पहुंचा तो वहां पर तुषार के साथ बाबूराव और अभिजीत मिले।

होटल में दो दिन तक बंधक बनाकर रखा

पीड़ित ने बताया कि बाबू राव और अभिजीत ने भी खुद को डीआरआई अधिकारी बताते हुए पहचान पत्र भी दिखाया। रुपये लेने के बाद उन्होंने उसे कार में बैठा लिया और पश्चिमी यूपी ले गए। 20 फरवरी को वापस लौटे। इसके बाद पहाड़गंज स्थित होटल के एक कमरे में उसे दो दिन तक बंधक बनाकर रखा। उसके साथ मारपीट की और कुकर्म कर वीडियो बनाया। बदमाशों ने पीड़ित से 2.30 लाख रुपये लिए और 22 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया। पीड़ित ने 24 फरवरी को पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी थी।

टीम ने चार आरोपी दबोचे : इसके बाद डीसीपी एम. हर्षवर्धन के निर्देश पर एसएचओ पहाड़गंज राजीव राणा और एसआई गुरीश बलियान की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने होटल की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस के जरिये तुषार, अभिजीत, प्रशांत और बाबू राव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि डीआरआई के बारे में लोगों को जानकारी नहीं थी, इसलिए इस नाम का इस्तेमाल कर रहे थे।

गुरुग्राम पुलिस ने एल्विश यादव को भेजा नोटिस, यूट्यूबर की पिटाई मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

गुरुग्राम. बिग बॉस ओटीटी विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव (Elvish Yadav) अब एक नई मुसीबत में फंसते दिख रहे हैं। गुरुग्राम पुलिस ने एल्विश यादव को मारपीट मामले में शनिवार को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा है। इस बीच, एल्विश ने भी सोशल मीडिया पर एक स्पष्टीकरण वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पूरी घटना सागर द्वारा प्री-प्लान थी।

वीडियो पोस्ट कर सफाई दी : एल्विश ने 'एक्स' पर 13 मिनट 49 सेकेंड लाइव वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने मारपीट के बाद अपनी सफाई दी। वीडियो में विवाद के बारे में बात की और कहा कि कहानी का दूसरा पक्ष जानना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब से मैं बिग बॉस में गया, आप एक्स पर मेरे खिलाफ उनके पोस्ट देखेंगे। 8 महीने से वह मुझे परेशान कर रहा है। एल्विश का आरोप है कि जब वह ठाकुर से मिलने गए तो उन्हें और उनके परिवार वालों को जिंदा जलाने की धमकी दी गई। इसे वह बर्दाश्त नहीं कर सके और इसलिए उन्होंने ठाकुर को कुछ अपमानजनक शब्द बोले। मामले में एल्विश और उसके साथियों के खिलाफ शुक्रवार को सेक्टर-53 पुलिस स्टेशन में में एफआईआर दर्ज की गई थी। एल्विश पर ठाकुर को जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। गुरुग्राम सेक्टर-53 थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि एल्विश को सीआरपीसी की धारा 41ए (पुलिस अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का नोटिस) के तहत पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया गया है।

मॉल में सागर को पीटा था

बता दें कि, एल्विश यादव और उनके साथियों ने शुक्रवार को यहां सेक्टर-53 इलाके में एक शॉपिंग मॉल में दिल्ली के कंटेंट क्रिएटर सागर ठाकुर को पीटा था। इसका कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। दिल्ली निवासी शिकायतकर्ता सागर ठाकुर ने पुलिस को बताया कि एल्विश यादव ने उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ने की कोशिश की और उसे जान से मारने की धमकी दी थी।

कृत्य के लिए माफी मांगी

एल्विश के मुताबिक, युवक ने उन्हें अपने दोस्त की दुकान पर मिलने के लिए बुलाया, जहां उसके पास कैमरे का पूरा सेटअप था। यह सब प्री-प्लान था। उन्हें राज्य के सीएम और गुरुग्राम पुलिस पर पूरा भरोसा है और वह जांच में हर तरह से सहयोग करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने कृत्य के लिए माफी मांगते हुए वीडियो खत्म किया।

ग्रेटर नोएडा की अवैध कॉलोनियों में भी गरजे बुलडोजर, 100 करोड़ की 1.60 लाख वर्ग मीटर जमीन हुई अतिक्रमण मुक्त

ग्रेटर नोएडा. ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तुस्याना और बिसरख में 1.60 लाख वर्ग मीटर जमीन पर बस रहीं अवैध कॉलोनियों को शनिवार को ध्वस्त कर दिया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 100 करोड़ बताई गई है। पिछले महीने भी प्राधिकरण ने अवैध रूप से काटे जा रहे प्लॉट को अपने कब्जे में लिया था।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी हिमांशु वर्मा ने बताया कि गांव तुस्याना के खसरा नंबर 987, 988 और 989 की जमीन प्राधिकरण की अधिग्रहित व कब्जा प्राप्त जमीन है। भूमाफिया इस जमीन पर कॉलोनी काट रहे थे। टीम ने करीब 50 हजार वर्ग मीटर जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया। पांच जेसीबी और दो डंपर का इस्तेमाल कर यह कार्रवाई की गई। प्राधिकरण ने बिसरख के डूब क्षेत्र में खसरा नंबर 1, 2 और 3 की लगभग 1.10 लाख वर्ग मीटर जमीन को भी अतिक्रमण से मुक्त कराकर कब्जे में ले लिया। प्राधिकरण ने परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को अपने एरिया में जमीन पर अतिक्रमण रोकने के निर्देश दिए हैं।

प्राधिकरण की लोगों से अपील

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने लोगों से भी अपील की है कि अवैध रूप से जमीन कब्जा कर अवैध कॉलोनी काटी जा रही हैं। ऐसी कॉलोनी में लोग अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं। अगर किसी कॉलोनाइजर से अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदा है तो रजिस्ट्री का प्रपत्र लेकर पुलिस से शिकायत करें। इसकी एक कॉपी प्राधिकरण को भी उपलब्ध कराएं, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्ष भिड़े

वहीं, दूसरी तरफ दनकौर के बागपुर गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है।

कुट्टू के आटे के खाने से 339 लोग बीमार, NCR के कई शहरों में मचा हड़कंप

नोएडा ग्रेटर नोएडा गुरुग्राम. महाशिवरात्रि के व्रत में कुट्टू के आटे से बने व्यंजन खाने से नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 325 और गुरुग्राम में 14 लोग बीमार हो गए। पेट दर्द और उल्टी की शिकायत पर सभी को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पीड़ितों में करीब 275 छात्र-छात्राएं ग्रेटर नोएडा के हैं। इस मामले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभान ने दो कंपनियों और एक दुकान को सील कर दिया है। गुरुग्राम में भी आटे, चीनी, गुड़ के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कुट्टू के आटे से बने व्यंजन खाने के बाद 325 लोग बीमार हो गए। व्यंजन खाने के बाद सभी को शरीर में कंपकंपी, पेट में दर्द और बेहोशी छाने लगी। तबीयत बिगड़ने पर 108 एंबुलेंस को कॉल की गई। वहीं, कई बीमार खुद के वाहन से ही अस्पताल पहुंचने लगे।

तुलगपुर स्थित आर्यन रेजीडेंसी के हॉस्टल में 150 से अधिक छात्रों ने शुक्रवार को महाशिवरात्रि का व्रत रखा था। छात्रों के मुताबिक हॉस्टल की मेस में बने कुटु के आटे की पूड़ी और आलू की सब्जी खाने में दी गई। भोजन करने के बाद छात्रों को बेचैनी होने लगी। शरीर कांपने लगा और उल्टी होने लगी। कई छात्र बेहोश हो गए। करीब सवा बजे रात को एंबुलेंस को इसकी सूचना मिली। छात्रों को हॉस्टल के सामने बने एक अस्पताल में भर्ती करवाया

गया।108 और 102 एंबुलेंस प्रभारी सौरभ शर्मा ने बताया कि हॉस्टल में एंबुलेंस भेजी गई। यहां कई लोग बेसुध थे। वहीं, कई को उल्टी और पेट में दर्द था। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा के अन्य कॉलेजों से 75, दादरी और सूरजपुर के 50, सीआरपीएफ जवान समेत नोएडा के बरौला के 50 लोग कुट्टू के आटे से बने व्यंजन खाकर बीमार हुए। सूरजपुर कस्बे और आसपास के गांव में रहने वाले लोग भी कुटु के आटे से बने व्यंजन खाने से बीमार हुए। ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। आसपास के कुछ गांवों में भी इस तरह से कुछ लोगों के बीमार होने की चर्चा है। इसके अलावा जिला अस्पताल में भी मरीजों को भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. रेनू अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल में भर्ती मरीजों की हालत अब ठीक है।

स्वस्थ होने पर कुछ मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की अभिहित अधिकारी अर्चना धीरान ने बताया कि इस मामले में लिप्त होने पर तीन संस्थानों को सील कर दिया गया है। कई स्थानों से नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाल में भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

गला घोंटा, टीशर्ट फाड़ी; बाहर फेंका....गुरुग्राम के क्लब में उत्तराखंड की युवती को बाउंसरों ने पीटा

नई दिल्ली. उत्तराखंड की एक महिला के साथ गुरुग्राम के एक क्लब में बाउंसरों ने मारपीट की। महिला ने दावा किया कि बाउंसरों ने उसका गला घोंटने की कोशिश की और उसे बिना किसी कारण के बाहर फेंक दिया। बुधवार शाम हुई पूरी घटना क्लब में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को घटना के बारे में जानकारी दी। देहरादून की मूल निवासी अदिति द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, यह घटना सिग्नेचर टावर के पास दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे के किनारे सर्विस लेन में स्थित एक क्लब में हुई, जब वह अपने दोस्तों के साथ क्लब में मौजूद थी।महिला ने बताया कि घटना आधी रात के आसपास घटित हुई जब तीन से चार बाउंसर आए, जिनमें से दो महिलाएं थीं। अदिति ने अपनी शिकायत में कहा, उन्होंने बिना किसी कारण गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और लड़ने लगे क्योंकि मैं अपना बचाव कर रही थी। इस दौरान मेघा (एक बाउंसर) ने मुझे मारना शुरू कर दिया। पुरुष बाउंसरों ने मेरा गला घोंटने की कोशिश की और हमें क्लब से बाहर फेंक दिया। इस दौरान मुझे चोटें आईं। मेरी गर्दन, छाती और चेहरा और मेरी टी-शर्ट भी फट गई। क्लब में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरा घटनाक्रम कैद हो गया। पुलिस ने सेक्टर-40 थाने में शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से उत्तराखंड निवासी युवती ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह गुरुग्राम के नाथुपुर में रहती हैं। छह मार्च की रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने दोस्तों के साथ सिग्नेचर टावर के निकट इबोला क्लब में पार्टी करने गई थी। देर रात को उनके दोस्त क्लब में सिगरेट जलाकर पीने लगे। इसी दौरान चार बाउंसर आए जिसमें दो महिला भी शामिल थी। जिन्होंने उसके दोस्तों के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी।

NAME CHANGE
I, Rupam Kumari W/o Vimlender kumar R/o H NO. 11-12 Block- A2, Budh Vihar, Delhi, have changed my name to Roopam Devi for all future purposes

NAME CHANGE
I, Rajeev Mehta S/o Kedar Nath Mehta R/o H NO 49, Sec- 21B, Faridabad, Haryana, have change name to Rajiv Mehta for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mahender Kumar Chutani S/o Lok Nath R/o 47/9 Shivpuri, Gurgaon, have changed my name to Mahender Kumar for all future Purposes

NAME CHANGE
I HARIOM S/o PAWAN KUMAR, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my name from HARIOM to HARIOM KADIAN for all future purposes

NAME CHANGE
I HARI OM S/o PAWAN KUMAR, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my name from HARIOM to HARIOM KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I BANTI W/o HARIOM KADIAN, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my name from BANTI to BANTI KUMARI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GAVARA JHOSNA D/O GARAVA NARASINGA RAO presently residing DOOR NO-6-87/A, PADMANABHANAGAR, NEAR PANCHA MUKHA TEMPLE, GOPALA PATNAM, R R V PURAM, VISHAKHAPATNAM (URBAN (AP)-530029 have changed my name from GAVARA JHOSNA to GAVARA GYANA JOSHNA for all future purposes. Vide affidavit no-IN-DL55219571358868W/IN-DL55220281010149W dated 07.03.2024 Delhi.

NAME CHANGE
I, RAHIS AHAMED S/O RIAZ AHMED residing at D-146 AVANTIKA SEC-1, ROHIINI, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to RAHIS AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE
I, AMIR KHAN S/O RAHIS AHMED residing at D-146 AVANTIKA SEC-1, ROHIINI, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to AAMIR KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I Nina S/o Jimu Shah 1043, lahaswara, Deoband, Saharanpur, Uttar Pradesh 247554 have changed my name to Karim Shah for all future puposes.

NAME CHANGE
I, JC-736096L Rank-NB SUB Name-SAJIV KUMAR S S/O K SOMAN residing at HOUSE-MAPPILATHARAYIL, PO-PULLIKKANAKKU, TOWN-KAYAMKULAM, DIST-ALAPPUZHA, KERALA-690537, have changed my minor daughter's name from SIAAH M SAJIV to SIAAH MEHREEN SAJIV for all future purposes vide affidavit dated 09/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, CHENDRO DEVI Mother of No 14650870F Rank-HAV Name-AJAY SINGH YADAV R/O VPO-PARTAPUR, TEH-NEEMRANA, DIST-ALWAR, STATE- RAJASTHAN, PIN-301704, have changed my name from CHENDRO DEVI to CHANDRO for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1954 instead of my correct date of birth as 01/01/1942 vide affidavit dated 09/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, B K PANDEY S/o NARAYANJI PANDEY R/o NEAR BHAGWATI STHAN, BHAUR, MADHUBANI, BIHAR-847231, have changed my name from B K PANDEY to BRAJESH KUMAR PANDEY for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Shahid S/O Shabban khan R/O A-195,top floor, Shaheen Bagh abul fazal enclave-ii, South delhi, delhi-110025 have change my name from Shahid to Shahid khan for all future purpose

PUBLIC NOTICE
My client Ashok kumar vats s/o late Rameshwar Dayal vats R/o A-1/35 Budh Vihar Ph-1,Delhi-86 do hereby disown/debarred his daughter in law Priyanka vats W/o late Sandeep Vats and his grandson atharv Vats from his all movable and immovable properties due to their disrespectful behaviour and severed all his relations with them if anybody deals with them in any manner in future he/she shall do so at his /her own risk cost and consequences my client shall not any manner be liable for the same.
Ashok kumar Advocate
Ch no 416 Ch block Rohini court Delhi, Mob no 9953152498

NAME CHANGE
I, RAOOS FATIMA W/O ARSHAD JAMAL residing at K-61, SECOND FLOOR, THOKAR NO-5, ABUL FAZAL ENCLAVE, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to RAOOS FATMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, REHAN AZIM S/O MOHAMMAD AZIM R/O 274, ASLAM MANZIL, FLAT NO. B-204, OKHLA VILLAGE, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025, my wife name has been shortly written as RAFAT in my passport. The actual and full name of my wife is RAFAT NAIYAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NO-17001768A Rank- HMT Name-SANDEEP KUMAR S/O DINESH SINGH residing at VILL-RAIGARH, PO-UTTRAS, TEH-PATTI, DISTT-PRATAPGARH, U.P-230405 have changed my minor daughter's name from UANNUTI SINGH to UNNATI SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 09/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, BHAWANA SINGH daughter of JC-281265L Rank-SUB, Name-BACHCHOO SINGH presently residing at SEI, BANGAR, MATHURA, UTTAR PRADESH-281406 have changed my name from BHAWANA SINGH to BHAWNA SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 09/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAMESHWAR alias CHANDER PAL SINGH S/o HARCHANDI residing at E-78, Nand Gram, Ghaziabad, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed my name and shall hereafter be known as CHANDER PAL SINGH.

NAME CHANGE
I, RAMSEWAK SHARMA father JC-781788M Rank- NB SUB Name-DHARAMENDRA KUMAR SHARMA R/O VILL-CHANDAHARA, PO-BHAGWASA, TEH-GOHAD, DISTT-BHIND, M.P-477116 have changed my name RAMSEWAK SHARMA to RAMSEVAK SHARMA for all future purposes vide Affidavit Dated 09/03/2024 before Notary Public, Delhi.

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री. सुरेंद्र यादव प्लॉट नंबर 205 क्षेत्रफल 157.7 वर्ग गज खसरा संख्या 39/18, 39/19 और 39/20 में से, ग्राम हस्तसाल, दिल्ली राज्य की राजस्व संपदा में स्थित, कॉलोनी जिसे के-5 एक्सटेंशन, भाग-1 मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता है के मालिक हैं। पंजीकृत उपहार विलेख दिनांक 08/08/2023 के माध्यम से श्री वीरेंद्र यादव पुत्र स्व. श्री रामपाल यादव द्वारा निष्पादित श्री सुरेंद्र यादव पुत्र स्व. रामपाल यादव के पक्ष में (Doc. No. 20393, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 9385, पेज नंबर 27-32, एसआर- II जनकपुरी) जो फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के साथ अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त संपत्ति को गिरवी रखना चाहता है। उक्त बंधक या अधिग्रहण पर आपत्ति या संपत्ति में किसी का दावा या अधिकार या हित है तो वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 9/3/2024
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I Salman Rizvi s/o Hamid Raza Rizvi R/o T-31 ward number 8, ghosiya Colony mehrauli, Delhi 110030 have changed my name to Mohd. Salman Rizvi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MOHAMMED FAROOK KAZI S/O GULAM RASUL KAZI R/O Ward No-25, Swami Oil Meel Ke Pass, Fatehpur, Sikar, Shekhawati, Rajasthan-332301 have changed my name and shall hereafter be known as FAROOK ALI KAZI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MEENA RANI W/o RAKESH SAINI, R/o WP-477, 2nd Floor, Wazirpur Village, Phase-I, Wazirpur, Delhi-110052, declare that name of mine has been wrongly written as MEENA SAINI, in my minor Daughter namely KHUSHI SAINI, aged 15 years in her School Record. The actual name of mine is MEENA RANI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that our clients Naresh Kumar S/o phool Chand and his wife Sunita both R/o D-3/16, Sangam Vihar, New Delhi-110080, Have served all their relations with their son namely Rohit @ Rohit Kumar and his wife Manisha they are not obedient and out of control of our clients and their other family members and thus our clients hereby debars, from all their movable and immovable properties. Anybody dealing with at his/her own risk and consequences and neither our clients nor any of their family members shall be responsible for any of his/her acts, deeds and things in any manner.
MOHD TAHIR QIDWAI ADVOCATE
CH.NO.842A, SAKET COURT, NEW DELHI-110017

गठबंधन रहेगा तो मजबूती के साथ :: दुष्यंत चौटाला

उचाना. डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने रजबाहा रोड स्थित जजपा कार्यालय में हलका जोन प्रभारियों के साथ बैठक की। बैठक के उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा की 10 की 10 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले बीरेंद्र सिंह के बयान पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि एक साल हो गया। उन्होंने पहले धमकी दी थी। गठबंधन नहीं तोड़ेगे तो पार्टी छोड़ दूंगा। एक साल से तो उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ी। मुझे नहीं लगता देश-प्रदेश में ऐसा कोई राजनेता है जो सन्नी देओल के फिल्म में तारीख पे तारीख दिया करते थे। उस तरीके से सिर्फ अल्टीमेटम पर अल्टीमेटम दे रहे हैं। उन्हें निर्णय करना है तो निर्णय अपने राजनीतिक तौर पर करें। जजपा की चिंता छोड़ दें। हमारा गठबंधन रहेगा तो मजबूती के साथ रहेगा। साढ़े चार साल में मुझे नहीं लगता हरियाणा की तरक्की में हमने कोई कसर छोड़ी

है। उन्होंने कहा कि उचाना के अंदर विकास क्यों हुआ। उनके समय में उचाना कितना पिछड़ा था। आज कितना आगे बढ़ गया। हलके के विकास की भड़ास को गठबंधन पर निकालते हैं। गठबंधन सरकार ने बड़े अच्छे तरीके से हरियाणा प्रदेश का हर क्षेत्र में विकास किया।

हिसार में नव संकल्प रैली 13 को

रजबाहा रोड स्थित जजपा कार्यालय में आयोजित हलका जोन प्रभारियों के साथ बैठक में दुष्यंत ने संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ संगठन की नीतियों के साथ-साथ जो-जो काम जजपा घोषणा पत्र के अब तक हुए हैं, उन कामों को जन-जन तक पहुंचाने के दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने जोन प्रभारियों से सुझाव भी मांगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि लोकसभा क्षेत्रों में जजपा नव संकल्प रैली कर रही है। अब तक 6 रैलियां की जा चुकी है। हिसार में पार्टी सुप्रीमो डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्म दिन पर 13 मार्च को रैली आयोजित की जा रही है। हिसार लोकसभा के सभी हलकों से लोग इस रैली का हिस्सा बनेंगे।

ब्राह्मणों को दी जाए लोकसभा टिकटों में हिस्सेदारी- अशोक शर्मा

चंडीगढ़ (चन्द्र शेखर धरणी). देश में लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है और हर पार्टियां अपने अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने वाली है अब ब्राह्मण खाप हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा ने सभी अग्रणी राजनीतिक पार्टियों से आग्रह किया है कि ब्राह्मण समाज को टिकटों की हिस्सेदारी में पूरा पूरा सम्मान दें जो भी पार्टी ब्राह्मण समाज को लोक सभा चुनाव के अंदर ज़्यादा टिकट देगी ब्राह्मण समाज भी उस पार्टी को सत्ता में लाने का प्रयास भरसक प्रयास करेगा और उस पार्टी को तन मन धन से समर्थन देगा हरियाणा के अंदर ब्राह्मण समाज की तीन सीटें परम्परागत बनती है जिनमें करनाल सोनीपत रोहतक आदि इन सीटों पर ब्राह्मण समाज की उम्मीदवारी बनती

है और यही तीन सीटें लोक सभा में ब्राह्मण समाज अपने उम्मीदवार चाहता है ताकि हमारे समाज का भी मान सम्मान बढ़ सके ब्राह्मण समाज को भी इस देश और प्रदेश की सेवा करने का मौक़ा मिल सके ब्राह्मणों की राजनीतिक हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के लिए ब्राह्मण समाज एकजुट हो रहा है।

अब की बार सारा ब्राह्मण समाज एक मंच पर बैठकर फ़ैसला करने वाला है कि हम किस पार्टी को अपना आशीर्वाद देंगे ब्राह्मण खाप के प्रदेशाध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा कि अपना कौन जो हमारी बात करें और इसी फ़ॉर्मूले पर हम बैठकर के ब्राह्मण खाप के तत्वावधान 17 मार्च 2024 को करनाल मंगल सैनऑडिटोरियम में ब्राह्मण समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर पूरे हरियाणा प्रदेश से समाज के अग्रणी लॉग बैठकर चर्चा करेंगे।

ब्राह्मण कभी किसी का विरोध नहीं करता। लेकिन अब की बार ब्राह्मण भी एकजुट होकर अपनी हिस्सेदारी को सुनिश्चित करना चाहता है। अब की बार ब्राह्मण पुरी तरह से जागरूक है। ब्राह्मणों की राजनीतिक सोच भी बदली है।

भाजपा को प्रचंड बहुमत से जिताने में अग्रणी भूमिका निभाएगा हरियाणा

कुरुक्षेत्र. भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हरियाणा की जनता को भाजपा को प्रचंड बहुमत से जिताने की आदत हो गई है। लोगों का जोश और उत्साह बता रहा है कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर पूरा विश्वास है और 10 की 10 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर केंद्र में मोदी की बहुमत से सरकार बनाने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाएगा। डबल इंजन की सरकार ने हरियाणा में जिस तरह से विकास किया है उसी के दम पर केंद्र में मोदी और राज्य में मनोहर सरकार बननी तय है। वे शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में कुरुक्षेत्र, करनाल, अम्बाला, सोनीपत लोकसभा कलस्टर की बैठक को संबोधित कर रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर लगातार चुनाव जीतती आ रही है। भाजपा का कार्यकर्ता सरकार के साथ मिलकर देश और प्रदेश को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम रहा है।कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि

कांग्रेस ने देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम किया है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जब देश में यूपीए की सरकार थी तब देश की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर पर थी। कांग्रेस के समय भ्रष्टाचार चरम पर था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की अर्थव्यवस्था 5वें नंबर पर है और जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने वाला देश होगा।बैठक में कलस्टर प्रभारी राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार, कुरुक्षेत्र लोकसभा प्रभारी कंवर पाल गुर्जर व कुरुक्षेत्र लोकसभा संयोजक सुभाष सुधा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, मंत्री संदीप सिंह, कमलेश ढांडा, महिपाल ढांडा, विधायक लीलाराम गुर्जर, घनश्याम अरोड़ा, जिला अध्यक्ष रवि बतान, जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर, सुशील राणा, रविन्द्र सांगवान, धर्मवीर मिर्जापुर, कृष्ण बेदी के अलावा कुरुक्षेत्र, करनाल, अंबाला, धूम्मन सिंह किरमिच, दीपक चैहान, सोनीपत लोकसभा के संयोजक व सह-संयोजक उपस्थित रहे।

'राष्ट्रहित में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही जरूरी'

पानीपत (वाप्र) आर्य पीजी कॉलेज के सभागार में करनाल लोकसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय (केबिनेट मंत्री, मध्यप्रदेश सरकार) बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। सम्मलेन को संबोधित करते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राष्ट्रवाद में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण सबसे बड़ी बुराई है। यदि देश को इन बुराइयों से बचाना है तो मोदी को ही राष्ट्रहित में 400 पार करके पुनः प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए अन्त्योदय के मार्ग पर चलते हुए भाजपा केंद्र व प्रदेश सरकारें समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े हर व्यक्ति का उत्थान करने का प्रयास का रही है। सरकार के इन्ही प्रयासों के कारण 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में राम मंदिर, धारा 370 व देश की अर्थव्यवस्था व सरहदों को मजबूत करने का वादा मोदी सरकार ने निभाया है।कार्यक्रम में पानीपत शहर विधायक प्रमोद विज और पानीपत ग्रामीण विधायक महिपाल ढांडा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण और भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, गुरुद्वारा इसराना साहिब के प्रधान संत राजिन्द्र सिंह, करनाल भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा और करनाल की पूर्व मेयर रेनू गुप्ता और चाँद भाटिया, विजय जैन उपस्थित रहे।

नई शुरूआतः अब दाखिलों के लिए डोर-टू-डोर जाएंगे मास्टर जी, चलाई जाएगी ये विशेष मुहिम

चंडीगढ़: हरियाणा के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के एडमिशन बढ़ाने और ड्राप-आउट रेट कम करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा विशेष मुहिम चलाई जाएगी। अप्रैल में शुरू होने वाले नये शैक्षणिक सत्र के दौरान स्कूल स्टाफ प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर डोर-टू-डोर जाकर अभिभावकों को जागरूक करेगा ताकि वे अपने बच्चों का स्कूलों में एडमिशन करवाएं। 23 मार्च से प्रवेश उत्सव अभियान की शुरुआत होगी। नया शैक्षणिक सत्र पहली अप्रैल से शुरू होगा।

शिक्षा विभाग ने नये सत्र के दौरान दाखिला ग्राफ बढ़ाने वाले स्कूलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पत्र से सम्मानित करने फैसला लिया है।पहली से पांचवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं खत्म होते ही स्कूल मुखिया के साथ शिक्षक और अन्य स्टाफ घर-घर दस्तक देगा। शिक्षा विभाग की ओर से जीरो ड्राप-आउट लक्ष्य रखा है। इसमें 100 फीसदी नामांकन वाले स्कूल के साथ 30 मई तक ठहराव सुनिश्चित किया है। 30 फीसदी दाखिला ग्राफ बढ़ाने वाले स्कूलों को विभाग की ओर से स्वर्ण पत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। 20 फीसदी नामांकन करने वालों को रजत और 15 फीसदी नामांकन बढ़ाने वाले स्कूलों को कांस्य पदक से नवाजा जाएगा। शिक्षा विभाग ने परिवार पहचान पत्र के आधार पर ड्राप आउट बच्चों का डाटा तैयार किया है।

भाजपा के लिए जनता करेगी चुनाव प्रचार : वेद फुलां

फतेहाबाद. जनता नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से देश का प्रधानमंत्री देखना चाहती है और इस बार भाजपा का चुनाव प्रचार खुद देश की जनता संभालेगी। ये बात भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं सिरसा जिला प्रभारी वेद फुलां शक्ति केंद्रों पर प्रवास के दौरान फतेहाबाद विधानसभा के गांव कुम्हारिया, खजूरी, मोची, गोरखपुर एवं गांव नहला में आयोजित नुक्कड़ सभाओं में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। वेद फुलां ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार ने जनता के साथ किए गए एक-एक वादे को पूरा किया है। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनाकर, कश्मीर से धारा 370 को हटाकर इसके अलावा सालों से लोगों के दिलों में बसे मुद्दों को भी प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया है।इस मौके रमेश मेहता विधानसभा प्रभारी, सुमित गोदारा मंडल अध्यक्ष ग्रामीण, सुभाष सिवाच भुना मंडल अध्यक्ष, राकेश भाम्भू युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष, कवल चौधरी लोकसभा आई टी प्रमुख, अनिल सिहाग भी मौजूद थे।

दिल्ली में 14 को होगी किसान महापंचायत, 11 मार्च को गिरफ्तारियां देने का ऐलान

करनाल. भारतीय किसान यूनियन टिकैत ग्रुप की मीटिंग नीलोखेड़ी के पखाना गांव में हुई। मीटिंग में बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे और 14 मार्च को बड़ी संख्या में दिल्ली महापंचायत में पहुंचने का एलान किया। सरकार के प्रति किसानों में भारी गुस्सा देखने को मिला। यूनियन के प्रदेश महासचिव भूपिंद्र सिंह लाडी ने कहा कि किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में किसान संगठनों की ओर से 11 मार्च को गिरफ्तारियां देने का ऐलान किया गया था।जींद जिला प्रशासन से बातचीत होने के बाद इस प्रदर्शन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। प्रशासन ने दो से तीन दिन में गिरफ्तार किसानों को रिहा करने की बात कही है। अगर प्रशासन ने वादा पूरा नहीं किया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। भूपिंद्र सिंह लाडी ने कहा कि 14 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत होगी, करनाल जिला के किसानों में महापंचायत को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। वह स्वयं गांव-गांव जाकर किसानों को महापंचायत का न्योता दे रहे हैं।उन्होंने किसानों से आह्वान किया है कि दिल्ली महापंचायत में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। मीटिंग के दौरान शेर सिंह मल्ली को नीलोखेड़ी ब्लाक प्रधान नियुक्त किया गया। लखविंद्र सिंह सौंकड़ा को जिला उपप्रधान बनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रतनमान, जिला प्रधान सुरेंद्र घुम्मन, करनाल ब्लाक प्रधान अरुण लाठर, असंध ब्लाक प्रधान जोगिंद्र सिंह झिंडा, जिला प्रवक्ता सुरेंद्र सांगवान, मेहताब कादियान, कृष्ण जगलान, प्रेम शाहपुर, रंजीत सिंह विर्क, मंजीत सिंह सिद्धू, नीटू शर्मा, पूर्व सरपंच कमल नैन, गुरमुख सिंह विर्क व सुखदेव सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार कर रही युवाओं से विश्वासघात: कैथल में रणदीप सुरेजवाला ने ग्रुप D भर्ती परिणाम पर उठाए सवाल

कैथल (जयपाल रसूलपुर). भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, कुरुक्षेत्र लोकसभा से गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी व युवा कांग्रेस नेत्री श्वेता दुल ने किसान भवन पर प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा सरकार 10 साल से सत्ता में है। आखिरी बार ग्रुप-ष्ठ की भर्ती साल 2018 में जींद उपचुनाव से ठीक पहले कर खूब वाहवाही लूटने का प्रयास हुआ। पहले सभी 18,000 बच्चों को नौकरी ज्वाईन करवा ली और बाद में ''सोशो-इकॉनॉमिक मार्क्स'', ''डॉक्युमेंट वैरिफिकेशन'', ''स्पोर्ट्स कैटेगरी सर्टिफिकेट्स'' व अन्य त्रुटियाँ बताकर आधे बच्चों को नौकरी से निकाल दिया गया। लगभग 4000 बच्चों ने नौकरी ज्वाईन ही नहीं की, क्योंकि पीएचडी, एमए और इंजीनियर्स को सीवरेज मैन, कुक, वॉशरमैन इत्यादि पदों पर लगा दिया गया था।सुरजेवाला ने कहा कि 2018 के बाद फिर पांच साल तक ग्रुप ष्ठ की एक भर्ती भी नहीं की गई। युवा धक्के खाते रहे, बिलखते रहे, ''डंकी रूट'' से विदेश जाने को मजबूर होते रहे, पर भाजपा-जजपा ने एक नहीं सुनी। एक बार फिर संसद और विधानसभा के आम चुनाव से ठीक पहले हरियाणा के युवाओं को बहकाने और भटकाने का आजमाया हुआ तरीका भाजपा-जजपा सरकार ने ''शकुनि की चौपड़'' की तरह फैलाया है।

13 और 14 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव की घोषणा व कोड ऑफ कंडक्ट संभावित है। सितंबर-अक्टूबर 2024 में विधानसभा के चुनाव दस्तक दे रहे हैं। चुनाव की आहट सुनते ही पांच साल बाद भाजपा-जजपा सरकार फिर जाग गई। युवाओं को एक बार फिर रोजगार देने का धोखा देना है। इसीलिए चुनाव की घोषणा से पांच दिन पहले 07 मार्च, 2024 को रात के 1220 पर ग्रुप ष्ठ के 10,997 पदों का रिजल्ट जारी कर दिया, जबकि ग्रुप D की कुल एडवरटाईज्ड पोस्टें 13,536 थीं।

ग्रुप ष्ठ का यह पूरा रिज़ल्ट भ्रामक, त्रुटिपूर्ण व दोषपूर्ण है। एक बार फिर आनन-फानन में बच्चों को ज्वाईन करवा लिया जाएगा, पूरा मामला कोर्ट-कचहरी के चक्कर में उलझवा दिया जाएगा, व धीरे-धीरे 'डॉक्युमेंट वैरिफिकेशन' व अन्य कमियाँ बताकर बच्चों को नौकरी से निकलवा दिया जाएगा। जो लोग भर्ती हो गए, वह भी कोर्ट में उलझते रहेंगे, और जो दस लाख के करीब बच्चे गलत रिज़ल्ट निकालने के कारण रह गए, वह भी कोर्ट के चक्कर में उलझते रहेंगे। भाजपा-जजपा सरकार इस पूरे मामले में नौकरियों को लगाने की झूठी वाहवाही लूटती रहेगी तथा युवाओं की आँखों पर पर्दा डालती रहेगी।

सुरजेवाला ने कहा कि ग्रुप D भर्ती में भाजपा-जजपा सरकार के छलपूर्ण DNA का सत्य यह है:-

1. भाजपा-जजपा सरकार व CET- 'हरियाणा सर्विस सेल काउंटर' ने 10,997 ग्रुप ष्ठ पोस्टों का परिणाम ''दो आधार'' पर निकाला- एक ' CET' मार्क्स के साथ व दूसरा ' CET स्कोर के साथ। इसकी प्रति संलग्नक-1 संलग्न है। CET मार्क्स' का मतलब है कि 21-22 अक्टूबर, 2023 को हुए CET के 95 नंबर के पेपर में से किसी अभ्यर्थी को कितने नंबर प्राप्त हुए हैं। ' CET स्कोर' का मतलब है कि CET एग्ज़ाम के 95 नंबर के पेपर में से प्राप्त नंबर में पाँच अंक 'सोशो इकॉनॉमिक क्राईटेरिया' के जोड़ दिए गए हैं। यह ब्रहमांड की पहली सरकार है, जो एक ही पेपर के दो नतीजे निकाल रही है - एक 95 नंबर के आधार पर और एक 100 नंबर के आधार पर। तो दो कटऑफ में से सही कटऑफ क्या होगी?

2. पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 19 जनवरी, 2023 को 'सोशो-इकॉनॉमिक क्राईटेरिया' पर स्टे दे दिया, यानि पाबंदी लगा दी। हाई कोर्ट के ऑर्डर की प्रतिलिपि संलग्नक-2 संलग्न है। अब खट्टर जी यह बताएं कि अगर 'सोशो-इकॉनॉमिक क्राईटेरिया' के नंबर स्टे कर दिए गए हैं, तो फिर उन सब सलेक्टेड अभ्यर्थियों को, जिनका परिणाम आप सोशो-इकॉनॉमिक क्राईटेरिया के नंबर के साथ निकाल रहे हैं, उनका क्या होगा? मतलब साफ है कि आप उन्हें कोर्ट-कचहरी के चक्कर में फिर उलझा रहे हैं, तथा इल्ज़ाम विपक्ष पर लगाएंगे। 3. मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सार्वजनिक तौर से हरियाणा के युवाओं से वादा किया था कि पहले ग्रुप सी की भर्ती का परिणाम निकालेंगे, और उसके बाद ग्रुप ष्ठ की भर्ती का परिणाम निकालेंगे। खट्टर जी के बयान की कॉपी संलग्नक-3 संलग्न है।

दिल्ली-आगरा हाईवे का सफर होगा जाम फ्री, यहां 150 करोड़ की लागत से बनेगा 7 लेन फ्लाईओवर

फरीदाबाद. दिल्ली-आगरा हाईवे को जाम मुक्त करने के लिए बल्लभगढ़ रेलवे फ्लाईओवर सात लेन का बनेगा। इसके बनने से सब्जी मंडी कट से लेकर जेसीबी चौक तक जाम खत्म हो जाएगा। इससे दिल्ली और आगरा की ओर आवागमन और आसान होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने शनिवार को इस परियोजना का शिलान्यास किया।फ्लाईओवर को बनाने में करीब 150 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसका निर्माण कार्य डेढ़ साल के अंदर पूरा हो जाएगा। अभी निर्माण कार्य शुरू होने में करीब 3 माह का समय लग सकता है। यह रेलवे फ्लाईओवर बल्लभगढ़ अनाज मंडी कट से शुरू होगा।इसे पिलर पर बनाया जाएगा। यह रेलवे फ्लाईओवर एल्सन चौक से आगे जाकर खत्म होगा। इसके दोनों सिरों पर यूटर्न बनाए जाएंगे। इससे वाहन चालकों को फ्लाईओवर से नीचे और ऊपर जाने में आसानी रहेगी। यदि किसी को इस फ्लाईओवर से सेक्टर-25 की ओर जाना है तो नीचे से जा सकते हैं। यदि किसी को सब्जी मंडी से दिल्ली की ओर जाना है तो इस पर चढ़कर हाईवे पर जा सकेंगे।केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि शहर के विकास को लेकर लगातार काम किए जा रहे हैं। 10 साल पहले फरीदाबाद की तस्वीर जाम वाली थी। हाईवे भी संकरा था। इस हाईवे को छह लेन का करने के साथ-साथ दो और एक्सप्रेसवे बन रहे हैं।

ग्रिल फांदकर हाईवे पार करते हैं लोग

फ्लाईओवर के बनने के बाद दिल्ली जाने वाले वाहन चालक जाम में नहीं फंसेंगे। फिलहाल जेसीबी चौक पर ट्रैफिक लाइट बनी हुई है। इस वजह से वाहन चालकों को यहां जाम में फंसना पड़ता है। एल्सन चौक पर पैदल राहगीर हाईवे की ग्रिल को फांदते हैं। इस वजह से ट्रैफिक की रफ्तार थमी रहती है। वहीं मौजूदा रेलवे फ्लाईओवर चार लेन का है। इस कारण वाहन रेंगते रहते हैं। सात लेन का रेलवे फ्लाईओवर बनने के बाद दिल्ली और आगरा जाने वाले वाहन चालकों को जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सोहना फ्लाईओवर को चौड़ा किया जा रहा - मूलचंद शर्मा

इस मौके पर परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ विधानसभा को जाम मुक्त करने के लिए लगातार एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। बल्लभगढ़-मोहना सड़क पर एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाने के साथ-साथ बल्लभगढ़-सोहना रेलवे फ्लाईओवर को चौड़ा किया जा रहा है।

एक साल में निवेशकों का पैसा दोगुना कर चुका है इस सरकारी कंपनी का शेयर, क्या आपके पास है?

नई दिल्ली. कई सरकारी कंपनियों के शेयरों में पिछले कुछ महीनों से काफी तेजी देखी जा रही है। इनमें एनटीपीसी (**NTPC**) भी शामिल है। पिछले एक साल में इस पावर कंपनी के शेयरों में 99 फीसदी तेजी आई है जबकि पिछले छह महीने में यह 50 फीसदी से ज्यादा चढ़ चुका है। हाल में यह स्टॉक 360.35 रुपये के ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा था।

जानकारों का कहना है कि निकट भविष्य में यह 425 रुपये तक पहुंच सकता है। गुरुवार को यह बीएसई पर 0.03त्न की तेजी के साथ 351.95 रुपये पर बंद हुआ था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 166.65 रुपये है जो इसने पिछले साल 20 अप्रैल को छुआ था।इस सरकारी कंपनी का शेयर छह मार्च को 360.35 रुपये के ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंचा था। इस स्टॉक का पीई रेश्यो 17.51 है जबकि सेक्टर का पीई 25.25 है। इस सेक्टर की दूसरी कंपनियों की बात करें तो पावरग्रिड का पीई रेश्यो 17.31, टाटा पावर का 37.7, अडानी पावर 9.37 और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का 102.35 है। एनटीपीसी का प्राइस टु बुक रेश्यो 2.45 है। इसकी तुलना में पावरग्रिड का पीबी रेश्यो 2.92, टाटा पावर का 5.22, अडानी पावर का 11.69 और अडानी एनर्जी का सॉल्यूशन का 10.82 है। टेक्निकल टर्म में देखें तो एनटीपीसी का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 63.1 है। यह शेयर अपने पांच दिन, 20 दिन, 50 दिन, 100 दिन और 200 दिन के मूविंग एवरेज से ऊपर ट्रेड कर रहा है।ब्रोकरेज फर्म शेयरखान ने एनटीपीसी के शेयर को Buy रेटिंग देते 425 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। पांच मार्च को एनटीपीसी को बीएचईएल से 9500 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला था।

इस छोटे देश में बहती हैं शहद की नदियां, हर साल एक्सपोर्ट से कमाता है 275 करोड़ रुपये

नई दिल्ली. क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा शहद का एक्सपोर्ट कौन देश करता है? इसका जवाब है न्यूजीलैंड। इस छोटे से देश ने 2022 में 333.34 मिलियन डॉलर यानी करीब 275 करोड़ रुपये का शहद एक्सपोर्ट किया। #ठ्ठद्द4 स्थ्ह्वह्म्द्ध के मुताबिक दुनिया के नेचुरल हनी एक्सपोर्ट में न्यूजीलैंड की हिस्सेदारी करीब 12 फीसदी है। न्यूजीलैंड मनुका शहद एक्सपोर्ट करने वाला दुनिया का एकमात्र देश है। मधुमक्खी यह शहद एक खास किस्म के फूल से बनाती हैं। इसमें कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। इस कारण दुनियाभर के कई देशों में इसकी काफी मांग है। यह काफी महंगा बिकता है। भारत में इसका 350 ग्राम का पैक करीब 4,000 रुपये का है। न्यूजीलैंड की हनी एक्सपोर्ट से होने वाली कुल कमाई में मनुका शहद की हिस्सेदारी 82 फीसदी है।

शहद एक्सपोर्ट करने के मामले में न्यूजीलैंड के बाद दूसरा नंबर चीन का है। चीन सालाना करीब 22.96 करोड़ डॉलर का हनी एक्सपोर्ट करता है। चीन में सालाना 500,000 टन शहद का उत्पादन होता है। दुनिया में शहद के कुल उत्पादन का एक चौथाई चीन में ही बनता है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर अर्जेंटीना है। इस देश ने 2020 में 17.95 करोड़ डॉलर का शहद एक्सपोर्ट किया। यह देश सालाना करीब 75,000 शहद का एक्सपोर्ट करता है। अर्जेंटीना शहद हाई क्वालिटी का माना जाता है। यूरोपीय देश जर्मनी और यूक्रेन भी शहद एक्सपोर्ट करने वाले टॉप पांच देशों में शामिल हैं। इसके बाद स्पेन, ब्राजील और हंगरी का नंबर है।इस लिस्ट में भारत नौवें नंबर पर है। भारत ने 2020 में 8.756 करोड़ डॉलर का हनी एक्सपोर्ट किया था। National Bee Board के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2021-22 में भारत ने 1,55,000 टन से अधिक शहद का उत्पादन हुआ। भारत में सबसे ज्यादा शहद उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, बिहार और मध्य प्रदेश में होता है। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी, बहराइच, सिद्धार्थ नगर और बस्ती में शहद का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है। गुजरात में खेड़ा, आणंद और वडोदरा, पंजाब में लुधियाना, जालंधर और अमृतसर, बिहार में वैशाली, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर तथा मध्य प्रदेश में उज्जैन, इंदौर और देवास में शहद का उत्पादन होता है।

भारत और EFTA ने फ्री ट्रेड डील साइन किया, जानें क्या होंगे फायदे

नई दिल्ली.भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए ने निवेश और वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रविवार को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों में आइसलैंड, लीशटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

क्या है इस डील में

समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें माल में व्यापार, उत्पत्ति के नियम, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं में व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल है।ईएफटीए सदस्यों की ओर से संघीय काउंसलर गाई पार्मेलिन ने कहा, ''ईएफटीए देशों को वृद्धि के एक प्रमुख बाजार तक पहुंच मिली है। हमारी कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक जुझारू बनाते हुए उनमें विविधता लाने का प्रयास करेंगी। इसके एवज में भारत को ईएफटीए से अधिक विदेशी निवेश मिलेगा। इससे अंततः अच्छी नौकरियों में वृद्धि होगी। ..कुल मिलाकर टीईपीए से हमें अपनी आर्थिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करने और भारत और ईएफटीए दोनों के लिए अतिरिक्त अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।''मुक्त व्यापार समझौते के तहत, दो व्यापारिक साझेदार सेवाओं और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को आसान बनाने के अलावा, उनके बीच व्यापार की वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी कम या समाप्त कर देते हैं।भारत और ईएफटीए आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए जनवरी, 2008 से आधिकारिक तौर पर व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) समझौते पर बातचीत कर रहे थे।

दोनों पक्षों ने अक्टूबर, 2023 में वार्ता फिर शुरू की और इसे तेजी से पूरा किया।

ईएफटीए देश यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा नहीं हैं। यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने और तेज करने के लिए एक अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना उन देशों के लिए एक विकल्प के रूप में की गई थी जो यूरोपीय समुदाय में शामिल नहीं होना चाहते थे।

भारत 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ अलग से एक वृहद मुक्त व्यापार करार के लिए बातचीत कर रहा है। भारत-ईफएटीए का द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 18.65 अरब डॉलर रहा था। यह 2021-22 में 27.23 अरब डॉलर था। पिछले वित्त वर्ष में व्यापार घाटा 14.8 अरब डॉलर था। इन देशों में स्विट्जरलैंड, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। इसके बाद नॉर्वे का स्थान है।

IPO का ग्रे मार्केट में धूम, 12 मार्च से दांव लगा पाएंगे निवेशक, 130 रुपये का फायदा!

नई दिल्ली. शेयर बाजार में Signoria Creation IPO इस हफ्ते ओपन होने जा रहा है। कंपनी के आईपीओ का साइज 9.28 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 14.28 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। बता दें, ग्रे मार्केट में कंपनी प्रदर्शन शानदार है। जीएमपी देखकर लग रहा है कि पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल हो सकता है।

क्या है प्राइस बैंड

Signoria Creation IPO का प्राइस बैंड 61 रुपये से 65 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 2000 शेयरों का एक लॉट बना है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,30,000 रुपये का दांव लगाना होगा। वहीं, एचएनआई को कम से कम 2 लॉट पर एक साथ दांव लगाना पड़ेगा। यह एसएमई आईपीओ निवेशकों के लिए 12 मार्च को ओपन होगा। वहीं, इंवेस्टर्स के लिए 14 मार्च तक यह खुला रहेगा। Signoria Creation IPO पर दांव लगाने वाले निवेशकों को 15 मार्च को शेयर अलॉट किए जाएंगे। वहीं, शेयर बाजार में कंपनी की लिस्टिंग 19 मार्च को संभव है।

1 पर 2 बोनस शेयर देगी यह कंपनी, होली से पहले रिकॉर्ड डेट, 45 का है शेयर

नई दिल्ली. खाद्य तेल बनाने वाली कंपनी एमके प्रोटीन्स ने शेयरधारकों के लिए बोनस इक्विटी शेयर की घोषणा की है। कंपनी ने 2:1 के रेशियो में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि प्रत्येक 2 इक्विटी के लिए इलिजिबल निवेशकों को 1 इक्विटी आवंटित की जाएगी। प्रत्येक शेयर का फेस वैल्यू 1 रुपये है। बता दें कि कोई भी कंपनी अपने शेयरधारकों को एक निश्चित रेशियो में अतिरिक्त बोनस शेयर देती है, ताकि बाजार में लिक्विडिटी बढ़े और कंपनी द्वारा अर्जित लाभ का एक हिस्सा शेयरधारकों के बीच विभाजित किया जा सके। कंपनी के बोनस इक्विटी शेयरों के हकदार शेयरधारकों की पात्रता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड तिथि 15 मार्च, 2024 तय की है।

कंपनी के शेयरों के हाल

बीएसई पर एमके प्रोटीन्स के शेयर की मौजूदा कीमत 45.02 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 563.21 करोड़ रुपये है। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम और निचला स्तर क्रमशः 100 रुपये और 35.07 रुपये है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी के शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा है। बीएसई एनालिटिक्स के मुताबिक इस साल अब तक एमके प्रोटीन्स का स्टॉक 37.27 फीसदी नीचे आ चुका है। 6 महीने की गिरावट 43.07 फीसदी रही। आपको बता दें कि पिछले साल एमके प्रोटीन्स ने 10:1 के रेशियो में स्टॉक विभाजन का ऐलान किया था।

कंपनी के बारे में

एम.के. प्रोटीन्स लिमिटेड वर्तमान में वनस्पति प्यूरिफाइड तेलों का निर्माण करती है। इसकी रिफाइनिंग कैपासिटी 250 टन प्रति दिन है।

अमिताभ बच्चन के पास हैं इस कंपनी के 298545 शेयर, रॉकेट की तरह बढ़ रहा भाव, आपका भी दांव?

नई दिल्ली.बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई ऐसे सुपरस्टार हैं जिनकी दिलचस्पी शेयर बाजार में है। कुछ एक्टर्स तो शेयर बाजार में निवेश कर कमाई भी कर रहे हैं। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी शेयर बाजार में दांव लगाकर कमाई करते हैं। अमिताभ बच्चन के पोर्टफोलियो में चर्चित शेयर-डीपी वायर्स का है। इस कंपनी में अमिताभ बच्चन की हिस्सेदारी एक फीसदी से ज्यादा की है।

क्या है शेयर का हाल

बीते शनिवार को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के दौरान डीपी वायर्स के शेयर पर निवेशक टूट पड़े थे। सप्ताह के इस आखिरी कारोबारी दिन शेयर की कीमत 538.10 रुपये थी।

एक दिन पहले की क्लोजिंग के मुकाबले शेयर में 2.09त्न की तेजी थी। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 548 रुपये तक गई थी। बता दें कि 17 नवंबर 2023 को शेयर की कीमत 677.80 रुपये तक गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी था। हालांकि, इसके बाद मुनाफावसूली आई और फरवरी 2024 में शेयर 452 रुपये तक लुढ़का। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है।

अमिताभ के पास कितने शेयर

बिग बी के नाम से मशहूर अमिताभ बच्चन के पास डीपी वायर्स के 2,98,545 शेयर हैं। यह 1.93 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। हालांकि सितंबर तिमाही के मुकाबले देखें तो अमिताभ बच्चन ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। सितंबर 2023 तिमाही में डीपी वायर्स के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार अमिताभ बच्चन के पास कंपनी के 1,99,310 शेयर थे जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 1.47 प्रतिशत था।

इससे पहले अप्रैल से जून 2023 तिमाही में अमिताभ बच्चन के पास डीपी वायर्स के 2,81,112 शेयर थे, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 2.07 प्रतिशत था। कहने का मतलब है कि अमिताभ बच्चन समय-समय पर इस शेयर में मुनाफावसूली भी करते रहे हैं।

प्रमोटर की कितनी हिस्सेदारी अगर शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 74.78 फीसदी और पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 25.22 फीसदी की हिस्सेदारी है। प्रमोटर्स में आशा देवी कटारिया के पास सबसे ज्यादा 67,78,893 शेयर हैं। यह 43.73 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है।

मुकेश अंबानी ने नीता अंबानी को सौंपी इस बिजनस की कमान, जानिए क्या है रिलायंस का प्लान

नई दिल्ली. भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी टेलिकॉम और रिटेल के बाद मीडिया, एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में भी तहलका मचाने की तैयारी में हैं। रिलायंस की कंपनी वायकॉम18 और डिज्नी के स्टार इंडिया के मर्जर के बाद 8.5 अरब डॉलर की कंपनी बनी है। यह देश में सबसे बड़ी मीडिया एंड एंटरटेनमेंट कंपनी है। इसके पास 75 करोड़ से अधिक व्यूअर्स, 200,000 घंटे से अधिक का कंटेंट और क्रिकेट के मीडिया राइट्स हैं। यह भारत ही नहीं दुनियाभर में गेमचेंजर साबित हो सकती है। जानिए क्या है मुकेश अंबानी का प्लान...

मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी को वायकॉम18-डिज्नी का चेयरपर्सन बनाया गया है। पिछले साल उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज का बोर्ड छोड़ दिया था और उसके बाद उन्हें पहली बार किसी बिजनस की कमान दी गई है। नीता अंबानी स्पोर्ट्स से जुड़ी रही हैं लेकिन मीडिया की दुनिया में पहली बार उनकी एंट्री हो रही है। यहां उनका मुकाबला सोनी, नेटफ्लिक्स और ऐमजॉन के प्राइम वीडियो से है। यह सेक्टर मुकेश अंबानी के दिल के बेहद करीब है। वायकॉम18 के जरिए उन्होंने इसमें 22,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अब इसे आगे ले जाने की जिम्मेदारी नीता अंबानी के कंधों पर है।

डिज्नी ने 2019 में स्टार इंडिया को खरीदा था। लेकिन 2022 में आईपीएल के डिजिटल राइट्स खरीदने में वायकॉम18 से पिछड़ने के बाद उसकी मुश्किलें बढ़ गई। एक समय स्टार इंडिया की वैल्यूएशन 15 अरब डॉलर थी जो घटकर तीन अरब डॉलर रह गई। इससे डिज्नी को स्टार के भविष्य पर नए सिरे से विचार करना पड़ा।

185 तक जा सकता यह शेयर, झुनझुनवाला के पास हैं 4 करोड़ शेयर, एक्सपर्ट बोले- लगाओ दांव, होगा मुनाफा

फेडरल बैंक के शेयर इन दिनों फोकस में हैं। 93 साल पुरानी इस बैंक शेयरों में आने वाले दिनों में भी तेजी देखने को मिल सकती है।

नई दिल्ली. फेडरल बैंक के शेयर इन दिनों फोकस में हैं। 93 साल पुरानी इस बैंक शेयरों में आने वाले दिनों में भी तेजी देखने को मिल सकती है। फेडरल बैंक के शेयरों की लास्ट ट्रेडिंग प्राइस 156 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज फेडरल बैंक के स्टॉक को लेकर उत्साहित है। ब्रोकरेज ने फेडरल बैंक के स्टॉक को बाय रेटिंग दी है। ट्रेंडलाइन की दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के आंकड़ों के अनुसार, उनके पास कंपनी के 48,213,440 इक्विटी शेयर हैं, जिनकी कीमत लगभग 753.8 करोड़ रुपये है।

क्या है टारगेट प्राइस

गुरुवार को बाजार खुलने पर प्राइवेट सेक्टर के बैंक का शेयर 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 156.30 रुपये पर बंद हुआ था। ब्रोकरेज ने मौजूदा बाजार प्राइस से 15 फीसदी अधिक कीमत पर स्टॉक खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने फेडरल बैंक को बाय की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने स्टॉक के लिए लगभग 15 फीसदी की तेजी के साथ 185 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। फेडरल बैंक स्टॉक एसएंडपी बीएसई 100 इंडेक्स का एक कंपोनेंट है। बीएसई एनालिटिक्स के मुताबिक, फेडरल बैंक के शेयरों में ड्ड्ड्ष्ठ आधार पर 0.13 फीसदी की गिरावट आई है। तीन महीनों में स्टॉक में 1.03 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। छह महीने में कंपनी के शेयरों में 7.79 फीसदी की तेजी आई है। एक साल में यह शेयर 16.55 फीसदी चढ़ा है। बीएसई पर कंपनी के शेयर की 52-सप्ताह की रेंज 166.65-120.90 रुपये है। बीएसई की वेबसाइट के अनुसार, 9 मार्च को कंपनी का मार्केट कैप 38,041.65 करोड़ रुपये था।

डिविडेंड भी दे चुकी है कंपनी

2023 में कंपनी ने अगस्त महीने में 1 रुपये का डिविडेंड घोषित किया था। साल 2022 में बैंक ने जुलाई महीने में 1.8 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया। साल 2021 में कंपनी ने जुलाई महीने में 0.7 रुपये का डिविडेंड घोषित किया था। 2019 में, बैंक ने जुलाई महीने में 1.4 रुपये का लाभांश घोषित किया था। 2018 में कंपनी ने अगस्त महीने में 1 रुपये का डिविडेंड घोषित किया था।

कितनी पुरानी है बैंक

फेडरल बैंक की वेबसाइट के अनुसार प्राइवेट बैंक स्वतंत्रता-पूर्व से चल रहा है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, बैंक को 23 अप्रैल, 1931 को त्रावणकोर कंपनी विनियमन, 1916 के तहत त्रावणकोर फेडरल बैंक लिमिटेड, नेदुमपुरम के रूप में शामिल किया गया था।

दिसंबर 1949 में स्वर्गीय के.पी. के नेतृत्व में बैंक का नाम बदलकर द फेडरल बैंक लिमिटेड कर दिया गया। होर्मिस, जिन्होंने 1945 में इसका शासन संभाला था। बैंक की वेबसाइट का दावा है कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत, 11 जुलाई, 1959 को, बैंक 20 जुलाई, 1970 को एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक बन गया।

स्टॉक मार्केट इस हफ्ते कैसा करेगा प्रदर्शन, ये बातें तय करेंगी दिशा

नई दिल्ली.स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। सप्ताह के दौरान घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और मुद्रास्फीति के आंकड़े आने हैं। विश्लेषको ने यह राय जताई है।विश्लेषकों का कहना है कि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बृहस्पतिवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुए थे।

इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होगा।स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार का ध्यान मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगा।

सप्ताह के दौरान मंगलवार को भारत और अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आएंगे। बृहस्पतिवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूआईपी) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे।''मीणा ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी गतिविधियां जारी रह सकती हैं। ऐसे में बड़ी कंपनियों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

जनवरी के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और फरवरी के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े मंगलवार को आएंगे। थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े बृहस्पतिवार को जारी किए जाएंगे।जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका, चीन और भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़ों से निवेशकों को वैश्विक व्यापक आर्थिक परिदृश्य के बारे में जानकारी मिलेगी। हमारा अनुमान है कि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव कायम रहेगा।''पिछले सप्ताह रिकॉर्ड-तोड़ तेजी के बीच सेंसेक्स 374.04 अंक या 0.50 प्रतिशत के लाभ में रहा। शुक्रवार को 'महाशिवरात्रि' के अवसर पर शेयर बाजार बंद थे।

विश्लेषकों का कहना है कि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बृहस्पतिवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुए थे।

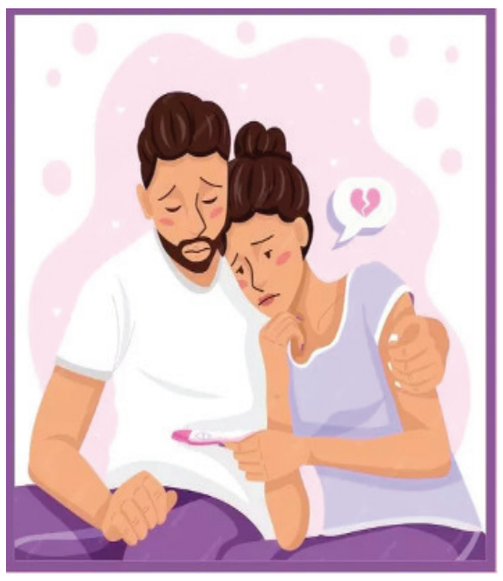

क्या मोटापा बढ़ा सकता है महिलाओं में इनफर्टिलिटी का खतरा, एक्सपर्ट्स से जानें जवाब

हाल ही में मोटापे को लेकर कुछ परेशान करने वाले आंकड़े सामने आए हैं। भारत में मोटापे के बढ़ते मामले चिंता का विषय बन गए हैं। द लांसेट द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में लगभग 4.4 करोड़ महिलाएं मोटापे से जूझ रही हैं। मोटापे की समस्या पुरुषों की तुलना महिलाओं में ज्यादा देखी जा रही है। महिलाओं में मोटापा कई गंभीर समस्याओं की वजह बन जाता है, जिसमें रिप्रोडक्शन यानी प्रजनन से जुड़ी जटिलताएं भी शामिल हैं।

मोटापे की वजह से दिल की बीमारी और डायबिटीज जैसी बीमारियां तो होती ही हैं, लेकिन प्रजनन क्षमता यानी फर्टिलिटी को भी प्रभावित करता है। इस बारे में ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए हमने बात की एक्सपर्ट्स से। आइए जानते हैं, इस बारे में उनका क्या कहना है।

मोटापे और महिलाओं की फर्टिलिटी के बारे में बताते हुए मैक्स अस्पताल, वैशाली के बैरियाट्रिक और रोबोटिक सर्जरी के निदेशक और प्रमुख, डॉ. विवेक बिंदल ने बताया कि ओबेसिटी का महिलाओं की रिप्रोडक्टिव हेल्थ पर काफी गहरा प्रभाव पड़ता है। मोटापे की वजह से महिलाओं में फर्टिलिटी से जुड़ी कई दिक्कतें हो सकती हैं।

क्या है इनफर्टिलिटी?

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, इनफर्टिलिटी रिप्रोडक्टिव सिस्टम की एक बीमारी है, जो 12 महीने या उससे ज्यादा समय से असुरक्षित शारीरिक संबंध बनाने के बाद भी प्रेग्नेंट न हो पाना इनफर्टिलिटी कहलाता है।

हार्मोनल समस्याएं हो सकती हैं

इस बारे में सी.के. बिरला अस्पताल, गुरुग्राम के मेडिकल ऑन्कोलॉजी में कंसल्टेंट, डॉ. पूजा बब्बर ने बताया कि मोटापे की वजह से महिलाओं में हार्मोनल इंबैलेंस हो सकता है, जिसके कारण फर्टिलिटी की समस्याएं हो सकती हैं। हार्मोन में बदलाव की वजह से अनियमित माहवारी, पीसीओएस (PCOS), ओवेरी डिस्फंक्शन, जैसी परेशानियां हो सकती हैं, जिसके कारण कंसीव करने में दिक्कत हो सकती है और कई बार इनफर्टिलिटी की समस्या भी हो सकती है।

पीसीओएस की समस्या उन महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है, जो मोटापे का शिकार होती हैं। पीसीओएस की वजह से भी अनियमित पीरियड्स, हार्मोनल इंबैलेस, ओवेरियन सिस्ट की समस्याएं भी हो सकती हैं। पीसीओएस की वजह से, इनफर्टिलिटी की समस्या और गंभीर हो जाती है। हार्मोनल इंबैलेंस न केवल रिप्रोडक्शन से जुड़ी समस्याएं बल्कि थायरॉइड और डायबिटीज जैसी बीमारियों की वजह भी बन सकता है।

ऋ्ञ ट्रीटमेंट हो सकते हैं बेअसर

मोटापे की वजह से होने वाली परेशानियों के बारे में बताते हुए डॉ. बब्बर ने बताया कि मोटापे की वजह से कई महिलाओं में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (ART) ट्रीटमेंट, जैसे- इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) के सफल होने की संभावना काफी कम हो जाती है। इतना ही नहीं, रिप्रोडक्टिव हेल्थ से जुड़ी समस्याओं के अलावा, गायनेकोलॉजिकल कैंसर, जैसे- ब्रेस्ट कैंसर, ओवेरियन कैंसर और एंडोमेट्रियल कैंसर का जोखिम काफी अधिक बढ़ जाता है।

इतना ही नहीं इससे पहले एक स्टडी में भी यह बात सामने आई थी कि महिलाओं की कमर का साइज उनकी फर्टिलिटी को प्रभावित करता है। इस स्टडी में पता चला था कि महिलाओं की कमर का एक इंच साइज बढ़ना फर्टिलिटी को 3 प्रतिशत तक कम करता है।

इसलिए जरूरी है कि मोटापे की समस्या से बचाव किया जाए और अगर आप प्रेग्नेंसी प्लान कर रही हैं और आपका वजन अधिक है, तो डॉक्टर से संपर्क करके वजन कम करने की कोशिश करें। इससे न केवल फर्टिलिटी से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद मिल सकती हैं, बल्कि सेहत संबंधी दूसरी परेशानियों से भी बचाव हो सकता है।

चुनावी बांड विवरण पर समय सीमा बढ़ाने की एसबीआई की याचिका अनुचित

सरकार ने फैसले के कार्यान्वयन को कमजोर करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि अप्रैल 2019 से खरीदे गये चुनावी बांड के सभी विवरण सार्वजनिक किये जाने चाहिए, जिसमें खरीद की तारीख, खरीदार का नाम और बांड का मूल्य शामिल है।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक और स्पष्ट रूप से मनमाना बताते हुए रद्द कर दिया था। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि मोदी सरकार को यह फैसला अरुचिकर लगा, इस तथ्य की पृष्ठभूमि में कि चुनावी बांड योजना राजनीतिक भ्रष्टाचार को वैध बनाने के लिए बनाई गई थीसरकार ने फैसले के कार्यान्वयन को कमजोर करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि अप्रैल 2019 से खरीदे गये चुनावी बांड के सभी विवरण सार्वजनिक किये जाने चाहिए, जिसमें खरीद की तारीख, खरीदार का नाम और बांड का मूल्य शामिल है। इसके लिए, भारतीय स्टेट बैंक, जो चुनावी बांड के लेनदेन के लिए एकमात्र एजेंसी थी, को 6 मार्च तक बांड के सभी प्रासंगिक विवरण भारत के चुनाव आयोग को प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था और उसके बाद चुनाव आयोग को 13 मार्च तक इस सम्बंध में सारी जानकारी सार्वजनिक करनी थी।एसबीआई ने 4 मार्च को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और चुनावी बांड लेनदेन का विवरण प्रस्तुत करने के लिए अधिक समय मांगा है। इसमें 30 जून तक का समय बढ़ाने के लिए कहा गया है। इसका मतलब यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसबीआई को दिये गये 21 दिनों के बजाय, बैंक अब काम पूरा करने के लिए 116 दिन और चाहता है। दरअसल, इसका अर्थ होगा लोकसभा चुनाव खत्म होने और नयी सरकार बनने के बाद ही जनता को चुनावी बांड के विवरण के बारे में सूचित किया जायेगा।

एसबीआई के अनुरोध को व्यापक आलोचना और उपहास का सामना करना पड़ा है। एसबीआई के सभी बैंकिंग परिचालन डिजिटल हो गये हैं। एसबीआई द्वारा दिये गये एक आरटीआई जवाब के अनुसार, चुनावी बांड जारी करने के लिए आईटी प्रणाली के विकास पर कुल 1,50,15,338 रुपये की लागत में से 60,43,005 रुपये खर्च किये गये। यदि चुनावी बांड योजना के लिए एक आईटी प्रणाली विकसित करने के लिए 60 लाख रुपये से अधिक खर्च किये गये थे, तो यह कैसे हो सकता है कि एसबीआई अब यह दावा करता है कि चुनावी बांड के कुछ रिकॉर्ड एसबीआई के मुंबई मुख्यालय में मैन्युअल रूप से और सीलबंद कवर में रखे गये हैं?

जब किसी व्यक्ति या इकाई द्वारा एसबीआई की निर्दिष्ट शाखा में बांड खरीदा जाता है, तो उसे डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किया जायेगा। जब धारक बांड किसी अन्य निर्दिष्ट एसबीआई शाखा में जमा किया जायेगा, तो उसका भी एक डिजिटल रिकॉर्ड होगा। 2019 की शुरुआत में, हफ़पोस्ट इंडिया में नितिन सेठी ने लिखा था कि कैसे एसबीआई द्वारा जारी किये गये बांड में एक गुप्त अल्फ़ान्यूमेरिक कोड होता है, जिसका उपयोग यह ट्रैक करने के लिए किया जा सकता है कि बांड किसने खरीदा और किस पार्टी को इसे दान किया गया है।

भले ही कुछ रिकॉर्ड मैन्युअल रूप से रखे गये हों, फिर भी यह मानने का कोई कारण नहीं है कि 22,217 चुनावी बांड का हिसाब-किताब 21 दिनों के अंतराल में नहीं किया जा सकता है। एसबीआई को बस इतना करना था कि इस काम के लिए अतिरिक्त कर्मियों को नियुक्त करता।

इसलिए, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि एसबीआई एक घटिया बहाना और गलत कारण लेकर सामने आया है, जो सुप्रीम कोर्ट की बुद्धिमत्ता का अपमान करने जैसा है।

गलत मंशा इस बात से भी स्पष्ट होती है कि एसबीआई ने 6 मार्च से ठीक एक दिन पहले अदालत में अपनी याचिका दायर की, ताकि समय सीमा चूकना एक नियति बन जाये।

मोदी सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा के पास अब तक जारी किये गये और भुनाये गये चुनावी बांड के विवरण के प्रकाशन को रोकने की कोशिश करने का हर कारण है। जैसा कि अदालत ने स्वयं बताया था, यह योजना इस प्रकार तैयार की गयी थी कि प्रतिदान की सुविधा प्रदान की जा सके। एक बार जब भाजपा को प्राप्त 6,565 करोड़ रुपये के बांड का ब्यौरा पता चल जाये, तो इसका संबंध इस बात से लगाया जा सकता है कि किस कंपनी या व्यक्तिगत पूंजीपति ने उसे कितना बांड राशि दान किया था और बदले में कौन सी नीति या लाभ उसे दिया गया था।

एक और पहलू है जो भाजपा को मिले चुनावी बांड का ब्यौरा प्रकाशित होने से उजागर होगा। न्यूज़ लॉन्ड्री और द न्यूज़ मिनट द्वारा हाल ही में भाजपा को प्राप्त कॉर्पोरेट दान (चुनावी बांड के माध्यम से नहीं) के एक अध्ययन से पता चलता है कि कम से कम 30 कंपनियां हैं, जिन्होंने पिछले पांच वित्तीय वर्षों में भाजपा को लगभग 335 करोड़ रुपये का दान दिया था। वर्षों तक इसी अवधि के दौरान उन्हें केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। इनमें से 23 कंपनियों ने 2014 और ईडी या आईटी विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसी द्वारा की गई कार्रवाई के वर्ष के बीच कभी भी भाजपा को दान नहीं दिया था; केंद्रीय एजेंसी की कर्रवाई के चार महीनों के भीतर चार कंपनियों ने कुल 9.05 करोड़ रुपये का दान दिया; छह कंपनियां जो पहले से ही भाजपा को दान दे रही थीं, उन्होंने तलाशी के बाद के महीनों में बड़ी रकम सौंपी।यह इस बात का ज़बरदस्त सुबूत है कि कैसे केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल भाजपा के लिए धन उगाही करने के लिए किया जाता है। एक बार जब भाजपा के संबंध में चुनावी बांड विवरण प्रकाशित हो जाते हैं, तो न केवल रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के बीच संबंध स्थापित किया जा सकता है, बल्कि यह भी स्थापित किया जा सकता है कि केंद्रीय एजेंसियों की जबरदस्त कार्रवाइयों द्वारा ब्लैकमेल के माध्यम से धन कैसे निकाला गया था।सुप्रीम कोर्ट 6 मार्च तक एसबीआई की याचिका पर विचार नहीं कर सका। कोर्ट को छल-कपट को पारित नहीं होने देना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय को एसबीआई के अनुरोध पर शीघ्र सुनवाई कर समुचित निर्णय का उसके अनुपालन के लिए तत्काल अल्प समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए, ताकि चुनावों के सम्पन्न हो जाने तक जनता को अंधेरे में न रखा जा सके।

संपादकीय

छल से युद्ध में बलि

निश्चित रूप से यह तंत्र की विफलता व मानवीय मूल्यों का पराभव है कि कुछ एजेंट बेरोजगार भारतीय युवाओं को सब्जबाग दिखाकर यूक्रेन युद्ध के लिये रूसी सेना में व युद्धरत इस्राइल में तोपों का चारा बना रहे हैं। यूक्रेन युद्ध में कुछ भारतीयों के फंसने व इस्राइल में हिजबुल्लाह के हमले में केरल के एक युवक के मरने की खबर भी आई है। यह कैसी विडंबना है कि भारतीय एजेंट नौकरी के बहाने और अंधेरे में रखकर बेरोजगारों को रूसी सेना के लिये युद्ध में धकेल दें और हमारे नीति-नियंताओं को उसकी भनक भी न लगे। मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा देखिए, भारत के ही चंद एजेंट विदेशों में बैठे एजेंटों की मदद से चंद रुपयों के लिये भारतीय युवाओं को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। पिछले दिनों हैदराबाद के मोहम्मद असफान के यूक्रेन युद्ध में मरने की खबर आई। कुछ दिन पूर्व भारतीय अधिकारियों ने भी स्वीकार किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे बीस भारतीय युवाओं को बचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। कहा गया कि इस बाबत विदेश मंत्रालय उन्हें भारत लाने का प्रयास कर रहा है। फंसे युवकों ने मास्को स्थित भारतीय दूतावास से बचाने की गुहार लगाई है। इन युवाओं में कुछ युवक पंजाब व हरियाणा के भी हैं। बताया जाता है कि रूस भेजे युवकों को एजेंटों द्वारा अच्छी नौकरी का प्रलोभन दिया गया। लेकिन उन्हें नहीं बताया गया था कि वे सेना में भर्ती होने जा रहे हैं। बताया जाता है कि एक यूट्यूबर द्वारा लगातार दावा किया जा रहा था कि नौकरी में मोटी तनख्वाह दी जाएगी और एक साल बाद उन्हें रूस की नागरिकता दे दी जाएगी। कहा यह भी जा रहा है कि दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध में सैनिकों के संकटों से जूझ रहे रूस द्वारा कुछ भारतीय व विदेशी एजेंटों के मार्फत बेरोजगारों को झांसा देकर रूस ले जाने की योजना बनायी गई।

बताया जा रहा है कि बाबा ब्लॉग्स यूट्यूब चैनल ने तमाम ऐसे वीडियो डाले, जिनमें रूसी सेना में सहायक की नौकरी आकर्षक सुविधाओं के साथ देने की बात कही गई थी। यह भी कि एक खाड़ी देश के रास्ते रूस ले जाए गए इन युवाओं से रूसी भाषा में एक एग्रीमेंट पर साइन कराए गए जिसके बाद उन्हें यूक्रेन की सरहद पर भेज दिया गया। उसके बाद उनके घर वालों से भी उनका कोई संपर्क नहीं हो सका। बताते हैं कि पंजाब व हरियाणा के कई युवाओं ने वीडियो अपने रिश्तेदारों को भेजकर मदद की गुहार लगाई है। दरअसल, भारत, दुबई व रूस में बैठे एजेंटों के बीच मिलीभगत से युवा इस जाल में फंसे। खबरें ये भी हैं कि एजेंटों ने युवाओं से नौकरी देने के लिये कई लाख भी वसूले हैं।

कुछ युवाओं का कहना था कि टूरिस्ट वीजा पर रूस जाने पर पुलिस ने बिना वीजा के प्रवेश के आरोप में पकड़ लिया और रूसी सेना को सौंप दिया। बताया जाता है कि आकर्षक नौकरी देने के बहाने रूस ले जाए गए युवकों को जब हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी गई तो उन्होंने इसकी वजह पूछी। उन्हें बताया गया कि यह उनकी नौकरी का हिस्सा है। कुछ युवकों को सेना में सहायक की नौकरी बताकर गुमराह किया गया। बीच-बीच में ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि युवकों को भारत लाने के लिये रूस सरकार से बातचीत की जा रही है। दरअसल, रूसी सेना में भाड़े के सैनिक भर्ती करने का पुराना इतिहास रहा है।

बल्कि भाड़े के सैनिकों की एक प्रशिक्षित सेना वागनर ग्रुप पिछले दिनों खूब चर्चा में रहा। सवाल यह है कि हमारा तंत्र इस बात की निगरानी क्यों नहीं कर पाया कि बेरोजगार भारतीय युवाओं को बलि का बकरा बनाकर युद्धग्रस्त इलाकों में भेजा जा रहा है। क्यों सरकार बेईमान ट्रेवल एजेंटों पर नकेल नहीं कस पाती। दरअसल, आज जरूरत ऐसी फुलप्रूफ नीति बनाने की है जिसके उपरांत दुनिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल करने के लिये युवाओं को बरगलाया न जा सके। ऐसे ही वीजा की नीति को भी पारदर्शी व सख्त बनाया जाए।

नरेंद्र मोदी के परिवार में हैं कौन

देश का किसान जो धरती का सीना चीरकर और अपना खून पसीना बहाकर फसल को पैदा करता है, वह अन्नदाता ही नहीं सर्जक भी है। पहले वह बीज बोता है, सृजन करता है, तब फसल काटता है। सर्जक कभी अन्यायी नहीं हो सकता। वह विद्रोही तो हो सकता है लेकिन विश्वासघाती नहीं। वह बेआवाज तो हो सकता है लेकिन बेईमान नहीं हो सकता। इसीलिए किसान नरेंद्र मोदी सरकार के आश्वासन और वादे लेकर लौट गए।पटना के जिस ऐतिहासिक गांधी मैदान में 5 जून 1975 को जयप्रकाश नारायण ने सम्पूर्ण क्रांति का आह्वान करते हुए दिनकर की पंक्तियों को दोहराया था कि %सिंहासन खाली करो कि जनता आती है%, उसी मैदान पर 3 मार्च को राजद और विपक्ष की जनविश्वास रैली संपन्न हुई। अनुमान है कि इस रैली में 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। इस मैदान पर अब तक के इतिहास की संभवतया यह सबसे बड़ी भीड़ थी। लेकिन भीड़ से ज्यादा महत्वपूर्ण था, लोगों का उत्साह और मंच पर मौजूद नेताओं के प्रति उनका विश्वास। लोगों में मौजूदा सत्ता के प्रति रोष इतना था कि जैसे ही नरेंद्र मोदी का नाम आता था लोग हिकारत से हुंकार उठते थे।मंच पर इंडिया गठबंधन के तमाम नेता मौजूद थे। एक तरफ वामपंथी पार्टियों के नेता डी राजा, सीताराम येचुरी और दीपांकर भट्टाचार्य मौजूद थे तो दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी के दोनों दिग्गज %जननायक% राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे थे। यूपी से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी उपस्थित थे।

तीनों नौजवानों राहुल गांधी, अखिलेश और तेजस्वी यादव ने मोदी सरकार को ललकारते हुए उसे उखाड़ फेंकने का संकल्प किया। तेजस्वी यादव पिछले तीन-चार महीने के भीतर बेहद मंझे हुए वक्ता के तौर पर उभरे हैं। 28 जनवरी को जब एक बार फिर नीतीश कुमार ने पलटी मारी और नौंवी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद तेजस्वी यादव ने विधानसभा में जो भाषण दिया था उस पर समूचे उत्तर भारत में चर्चा हुई। तेजस्वी यादव एक ऐसे नौजवान नेता के रूप में उभरे हैं जिनमें जोश और जज्बा ही नहीं बल्कि होश और हवास भी है। पटना के गांधी मैदान के मंच पर दहाड़ते हुए उन्होंने नरेंद्र मोदी के औरंगाबाद के भाषण पर जमकर पलटवार किया।नरेंद्र मोदी इंडिया गठबंधन के नेताओं पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार का बार-बार आरोप लगाते हैं। औरंगाबाद, बिहार में 2 मार्च को नरेंद्र मोदी ने पूछा था कि तेजस्वी यादव अपने पिता लालू प्रसाद यादव की बात क्यों नहीं करते? तेजस्वी यादव ने ताल ठोकते हुए नरेंद्र मोदी को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि %लालू प्रसाद यादव वह हैं जिन्होंने बिहार में सामाजिक न्याय किया। जिन्होंने गरीबों- वंचितों के भीतर चेतना और स्वाभिमान पैदा किया। जो लोग गलियों से अपना चप्पल पहनकर नहीं निकल सकते थे, उन्हें सिर उठाकर चलने की ताकत लालू यादव ने दी। जिन्हें कुएं से पानी नहीं भरने दिया जाता था, उन्हें कुआं खोदने लायक बनाया और इस लायक भी बनाया कि उनको भी पानी पिला सकें, जो उन्हें पानी नहीं पीने देते थे।% लालू प्रसाद यादव ने अपने पुराने ठेठ बिहारी अंदाज में नरेंद्र मोदी को जमकर लताड़ा।परिवारवाद पर नरेंद्र मोदी के बार-बार हमले पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वह अपना परिवार नहीं बना सके तो मैं क्या करूं? जाहिर तौर पर लालू यादव का इशारा नरेंद्र मोदी और उनकी पत्नी की तरफ था। लंबे समय तक नरेंद्र मोदी इस बात को छुपाए रहे कि उनकी शादी भी हुई है। लोकसभा चुनाव (2014) के समय उन्होंने दाखिल हलफनामे में पहली बार विवाहित होने और पत्नी के रूप में जसोदा बेन के नाम का जिक्र किया था। ट्रिपल तलाक के मुद्दे पर कथित रूप से %मुस्लिम बहनों को न्याय% दिलाने वाले नरेंद्र मोदी से लोग पूछते हैं कि उन्होंने बिना तलाक दिए जसोदा बेन को क्यों छोड़ दिया? लालू प्रसाद यादव ने तो नरेंद्र मोदी के हिंदुत्व पर भी प्रहार किया।उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी तो हिंदू भी नहीं है क्योंकि अपने माता-पिता के मृत्यु के बाद हिन्दू अपने सिर का मुंडन करवाता है। लेकिन मां की मौत के बाद नरेंद्र मोदी ने अपने बाल नहीं कटवाए।

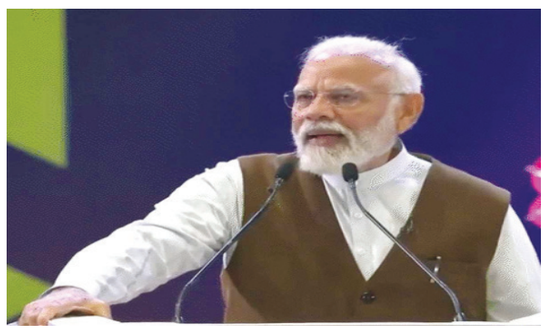

लालू यादव के %नरेंद्र मोदी ने तो परिवार ही नहीं बनाया% वाले बयान को काउंटर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने एक नई कैंपेन लांच की। भारतीय जनता पार्टी के तमाम नेताओं, पदाधिकारियों, मंत्रियों और समर्थकों ने अपने नाम के साथ ट्विटर पर बायो में %मोदी का परिवार% लिखकर ट्वीट किए। 4 मार्च को नरेंद्र मोदी तेलंगाना में थे। वहां पर भाषण देते हुए नरेंद्र मोदी ने पार्टी की इसी कैंपेन को ही आगे रखा। उन्होंने कहा कि इस देश के सारे लोग उनका परिवार हैं। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी इस कैंपेन को 2019 के लोकसभा चुनाव के समय %मैं भी चौकीदार% जैसे कैंपेन की तरह आगे बढ़ना चाहती है। राफेल सौदे में घोटाले का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी को घेरते हुए कहा था कि %चौकीदार ही चोर है%। इसको काउंटर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी और उसके अनुषांगिक संगठनों और आईटी सेल ने %मैं भी चौकीदार% जैसा कैंपेन चलाया था। पुलवामा आतंकवादी हमला और फिर बालाकोट एयर स्ट्राइक के राष्ट्रवादी शोर में राहुल गांधी के आरोप पर %मैं भी चौकीदार% कैम्पेन सफल हो गया। बेमन से लोकसभा चुनाव में उतरे विपक्ष ने जैसे पहले ही हार मान ली थी। नतीजे

में 2014 की 282 सीटों के मुकाबले 2019 में नरेंद्र मोदी को 303 सीटें मिलीं।2024 के लोकसभा चुनाव के लिए नरेंद्र मोदी ने अबकी बार 370 पार का नारा दिया है। लेकिन इस बार जमीनी हकीकत कुछ और है। इसीलिए लालू प्रसाद यादव की बात को पकड़कर एक नई कैंपेन लॉन्च की जा रही है। जो नरेंद्र मोदी पहले अपने भाषणों में %मित्रों% संबोधन का इस्तेमाल करते थे, वे आजकल %मेरे परिवार वालों% तक पहुंच गए हैं। दरअसल, राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी और उनके मित्रों अडानी-अम्बानी के बीच गठजोड़ को इतना एक्सपोज़ कर दिया है कि मोदी मित्रों शब्द बोलना ही भूल गए हैं। या यूं कहें कि बड़ी चतुराई से इस शब्द को छोड़कर नरेंद्र मोदी मेरे परिवार शब्द से लोगों को संबोधित करने लगे हैं। अब इसका एक्सटेंशन करते हुए मोदी कह रहे हैं कि %यह देश मेरा परिवार है और हम इस देश के हैं।% इस तरह के शब्दजाल से नरेंद्र मोदी पूरी कैंपेन को अपने पक्ष में करना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि 10 साल की एन्टी इनकंबेंसी और लगभग हर मोर्चे पर असफल नरेंद्र मोदी क्या इस कैंपेन के सहारे चुनाव जीत पाएंगे? और असली सवाल तो यह है कि नरेंद्र मोदी जिसे अपना परिवार कह रहे हैं; उस परिवार में क्या वे किसान नहीं आते, जो दिल्ली की सरहदों पर इस बिगड़ते-बदलते मौसम में बैठे हुए हैं। वे दिल्ली पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं।वे नरेंद्र मोदी सरकार को 2021 में किए गए वादे याद दिलाना चाहते हैं। तीन काले कानून वापस लेते हुए नरेंद्र मोदी ने किसानों से उनकी फसलों पर एमएसपी की गारन्टी का कानून बनाने का वादा किया था। ये वादा भी नरेंद्र मोदी ने आसानी से नहीं किया था। लगातार 13 महीने तक यूपी, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के किसान तीन काले कानूनों के खिलाफ और एमएसपी की मांग के लिए जूझते रहे। 750 से अधिक किसानों की शहादत के बाद नरेंद्र मोदी की नींद खुली। ये भी तब हुआ जब उत्तर प्रदेश का चुनाव नजदीक आ गया। जाट किसानों की नाराजगी झेलने की हिम्मत नरेंद्र मोदी में नहीं थी। इसीलिए उन्होंने किसानों से छलपूर्वक समझौता किया। जो नरेंद्र मोदी धृतराष्ट्र की तरह अपना सिंहासन पकड़े हुए बैठे थे, वही नरेंद्र मोदी %मेरी तपस्या में ही कोई कमी रह गई होगी% कहते हुए तीन काले कानून वापस लेते हैं।देश का किसान जो धरती का सीना चीरकर और अपना खून पसीना बहाकर फसल को पैदा करता है, वह अन्नदाता ही नहीं सर्जक भी है। पहले वह बीज बोता है, सृजन करता है, तब फसल काटता है। सर्जक कभी अन्यायी नहीं हो सकता। वह विद्रोही तो हो सकता है लेकिन विश्वासघाती नहीं। वह बेआवाज तो हो सकता है लेकिन बेईमान नहीं हो सकता। इसीलिए किसान नरेंद्र मोदी सरकार के आश्वासन और वादे लेकर लौट गए। लेकिन अपनी फितरत के अनुसार नरेंद्र मोदी ने एमएसपी की %गारंटी% को पूरा नहीं किया।सरकार को चेतावनी देते हुए पंजाब और हरियाणा के किसानों को फिर से दिल्ली की ओर कूच करना पड़ा। नरेंद्र मोदी की सरकार ने जिस क्रूर तरीके से उनका स्वागत किया, वह इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज होगा। बड़ी-बड़ी कीलें सड़कों पर गाड़ी गईं। क्रांकीट की दीवारें खड़ी की गईं। पुलिस की लाठियां और बंदूकें उनका इस्तकबाल कर रही थीं।

आंसू गैस के गोले बरसाए गए।पुलिस की गोली से दो किसानों की मौत हो चुकी है। लेकिन नरेंद्र मोदी के देश और परिवार में ये किसान नहीं आते। क्या देश कागज पर उकेरा गया नक्शा है? क्या नरेंद्र मोदी के देश में मणिपुर आता है? वहां पिछले 8-10 महीने से लगातार जातीय हिंसा हो रही है। मणिपुर में महिलाओं और बच्चों पर जघन्य अत्याचार हुए। पागल भीड़ ने महिलाओं का सामूहिक बलात्कार करके उनकी हत्या कर दी। वहां पर हिंसा, आगजनी और हत्याओं का सिलसिला जारी है। लेकिन मणिपुर उनके परिवार में नहीं आता।इसीलिए वे आजतक मणिपुर नहीं गए। उस परिवार में उजड़ गए गांव, घर, खेत की चिंता कभी नरेंद्र मोदी ने नहीं की लेकिन यह ढोंग चुनावी राजनीति के लिए किया जा रहा है कि मेरा देश ही मेरा परिवार है! फिल्मी डायलॉग की तरह नरेंद्र मोदी इस ढोंग को बार-बार दोहराते रहेंगे, लेकिन उन्हें महिला पहलवानों की आंखों के आंसू कभी नहीं याद आएंगे जो उनके ही सांसद के उत्पीड़न के कारण उपजे थे। मोदी के परिवार में महिला खिलाड़ी नहीं आते। हाथरस और कानपुर की दलित बेटियां भी नहीं आती।

जिंदगी का खेल सिखाते हैं बच्चे

हमने अपने बच्चों को खेलते हुए देखना लगभग भुला दिया है। हम सब कुछ देखते हैं, बच्चों का खेल नहीं। आखिर ऐसा क्या हैए इसे खेलने में जो हमें देखना चाहिए।

बच्चे अपनी इस दुनिया को पूरी तरह भुलाकर खेलते हैं। अपनी एक अलग ही सुंदर दुनिया की रचना कर लेते हैं। वे जब खेलते हैं, उन्हें अपनी भूख-प्यास की कतई चिंता नहीं रहती। वे लगभग अपनी भूख.प्यास को भुलाकर खेलते हैं। यह मगन रहना हैए अपनी दुनिया में। वे अपनी आड़ी-तिरछी लाइनों को बनाएँगे तो इतना मगन होकर कि वह उनके आनंद में बदल जाती है। उनमें कोई आकांक्षा नहीं, महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि बनाने का आनंद है। क्या हम मगन रहते हुए यह आनंद हासिल कर पा रहे हैं। आप उन्हें देखिए। उनका खेल देखिए। वे एक-दूसरे का हाथ थामे खेलते हैं। कई ऐसे खेल हैं बच्चों के जो वे एक-दूसरे का हाथ थामकर खेलते हैं। उनमें सहज विश्वास होता है कि वे एक-दूसरे का हाथ थामे पकड़े रहेंगे। कभी छोड़ेंगे नहीं। क्या हम एक-दूसरे का सहज ही हाथ थामे हैं

वे खेलते हैं तो सिर्फखेलते हैं। आगे और पीछे का सब भुलाकर। वे सिर्फ उसी क्षण में होते हैं। वर्तमान के क्षण में। वही उनका हैए उसी में वे होते हैं। पूरी तरह। सब कुछ भुलाकर। वे न पीछे का सोचते हैं और न ही आगे का। वे सिर्फअभी और अभी के घर में रहते हैं। वे अभी को जीते हैं। वे वर्तमान में रहते हैं। हम हैं कि या तो अतीत में जीते-मरते हैं या फिर भविष्य में जीते-मरते हैं।

क्या हम वर्तमान में जीते हैं।

बच्चों को खेलते देखिए। वे उछलते हैं, कूदते हैं, गिरते हैं, पड़ते हैं, अपनी धूल पोंछकर उठ खड़े होते हैं। कोई रगड़, कोई खरोंच उनके उत्साह और उमंग की लहर को उठने से नहीं रोकती। हम अपने एक ही जख्म को जिंदगीभर पाले रहते उदास बने रहते हैं। हम सचमुच बच्चों का खेल देखना भूल गए हैं। इस बाल दिवस पर क्या हमें बच्चों का खेल फिर से देखना शुरू नहीं करना चाहिए। वे हमें जिंदगी का असल खेल खेलना सिखाते हैं।

कहानी

पिशाच और तीन दोस्त

एक बार बलदेव, वासुदेव और सात्यिक किसी घने जंगल में भटक गए। उन तीनों मित्रों को भटकते-भटकते शाम हो गई। अंधेरा बढ़ता जा रहा था। अब रास्ता तो दिखता नहीं, सो तीनों ने रात एक बड़े से वृक्ष के नीचे बिताने का निश्चय किया। साथ ही यह भी तय हुआ कि तीनों में से दो सोएंगे और एक पहरा देगा। वन के खतरों से बचने के लिए यह उपाय किया गया था। सबसे पहले जागने की बारी सात्यकि की थी। वह पहरा देने के लिए बैठ गया। रात का पहला पहर शुरू हो चुका था। बलदेव और वासुदेव गहरी नींद सो चुके थे। तभी उस सघन वृक्ष से एक पिशाच प्रकट हुआ। उसने सात्यिक से कहा - मुझे बहुत ज़ोर से भूख लगी है। मैं तुम्हें छोड़कर इन दोनों को खाकर अपनी भूख मिटाना चाहता हूं।

'तुझे अपने प्राण बचाने हैं, तो तुरंत यहां से भाग जा वरना मारते-मारते तेरा भुर्ता बना दूंगा', पिशाच की बात सुनकर गुस्से में उबलते हुए सात्यिक ने कहा।

पिशाच ने बड़े सामान्य लहज़े में कहा - तू नहीं जानता कि क्या कह रहा है। चल लड़ना है न, तो आ जा। इतना कहते ही पिशाच सात्यिक से भिड़ गया। सात्यिक को पिशाच की इस चुनौती पर बेहद क्रोध आ रहा था। वह गुस्से से लाल-पीला होते हुए उस पर हमला कर रहा था पर पिशाच का पलड़ा भारी था। सत्याकि को उसने उठा-उठाकर खूब पटका और मारा जैसे ही रात का पहला पहर खत्म होने का हुआ, पिशाच खुद ब खुद गायब हो गया। मार के कारण कमज़ोरी में सात्यिक बेहोशी में सो गया। अब जैसा कि निश्चय किया गया था, उठने की बारी बलदेव की थी। वह उठा, तो सात्यिक को सोता देखकर हैरान हुआ और उसकी बदहाली पर आश्चर्यचकित भी। फिर उसने सोचा कि उसके उठने पर पूरा माजरा जानेगा। जैसे ही रात्रि का दूसरा पहर शुरू हुआ, पिशाच फिर प्रकट हो गया। उसने बलदेव से भी वही कहा, जो सात्यिक से कहा था। बलदेव ने पिशाच को कसकर डांट पिलाई - अपनी खैरियत चाहता है, तो भाग जा। मारते-मारते तेरा कचूमर बना दूंगा।' सुनकर पिशाच ने हंसते हुए कहा - अभी तेरे एक मित्र को सबक सिखाया था। वो भी तेरी तरह ही अकड़ रहा था। देख उसकी क्या हालत बनाई है। लगता है, तू भी उसकी तरह पिटे बिना नहीं मानेगा। अब बलदेव की समझ में आया कि सात्यिक की ऐसी हालत कैसे हुई। सारी बात समझ में आते ही उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। वह पिशाच को ललकारते हुए उससे भिड़ गया। जैसे-जैसे उसका क्रोध बढ़ता गया, पिशाच का आकार भी बढ़ता गया। वह उसको उठा-उठाकर पटकने लगा। दूसरा पहर खत्म होने तक लड़ाई खत्म नहीं हुई और पिशाच गायब हो गया। जमकर हुई लड़ाई के कारण घायल और थके हुए बलदेव ने अब वासुदेव को जगाया। वासुदेव बलदेव की यह हालत देखकर पूछने लगा - 'क्या हुआ तुम्हें? किसने घायल किया? बलदेव कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं था। वह लेटा और आधी मूर्छा और आधी नींद में चला गया। वासुदेव को ज्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं पड़ी। तीसरे पहर के आरंभ में पिशाच फिर प्रकट हुआ और उसने वही बात दोहराकर सब साफ कर दिया। जैसे ही उसने वासुदेव के मित्रों को खाने की बात कही, वह हंस पड़ा। बोला- भाई तुम भी खूब हो। ठीक वक्त पर आए हो। एक तो मेरी नींद पूरी हो चुकी है, सो व्यायाम करने का मन था और दूसरे तुम्हारे साथ कुश्ती लड़ने में वक्त भी अच्छा कट जाएगा, आलस्य भी नहीं रहेगा। चलो शुरूकरें फिर।

इतना सुनना था कि पिशाच के क्रोध में पागल हो गया। वह दांत पीसता वासुदेव की ओर बढ़ा, तो वासुदेव ने हंसकर कहा - वाह, तुम तो वार करने में निपुण मालूम होते हो, पर तुम्हारा कद क्यों घट रहा है? पिशाच को भी गुस्सा आ रहा था कि उसका कद घट रहा है। वह गुस्से में हमला करता, वासुदेव गुलाटी खाकर खुद को बचा जाता और मुस्कुरा देता। धीरे-धीरे पिशाच का कद बेहद कम हो गया। अब वह कीड़े जितना छोटा हो चुका था। वासुदेव ने उसे उठाकर अपने रुमाल के किनारे पर बांध लिया। सुबह दोनों मित्र उठे और उन्होंने वासुदेव को अपने रात के अनुभव के बारे में बताया। वासुदेव ने अपने रुमाल के सिरे को खोलकर उन्हें दिखाते हुए पूछा - 'क्या यही है वो पिशाच?' वो दोनों आश्चर्यचकित हो गए। 'तुमने कैसे किया यह?' वासुदेव ने कहा - 'यह संकट है। इसका सामना जितना हंसकर और सहज रहकर करोगे, यह उतना ही छोटा होता जाएगा और तुम आसानी से उस पर काबू पा लोगे। क्रोध हमारा शत्रु है। क्रोध करोगे तो संकट बढ़ता जाएगा। तुम्हारी शक्ति क्षीण होती जाएगी। अब समझे, कि यह कैसे इतना छोटा हो गया? दोनों मित्रों ने मुस्कुराकर सिर हिलाया।

सीख गुरुनानक देव की

एक डाकू गुरु नानकदेवजी के पास आया और चरणों में माथा टेकते हुए बोला- मैं डाकू हूँ, अपने जीवन से तंग हूँ। मैं सुधरना चाहता हूँ, मेरा मार्गदर्शन कीजिए, मुझे अंधकार से उजाले की ओर ले चलिए। नानकदेवजी ने कहा- तुम आज से चोरी करना और झूठ बोलना छोड़ दो, सब ठीक हो जाएगा। डाकू प्रणाम करके चला गया। कुछ दिनों बाद वह फिर आया और कहने लगा- मैंने झूठ बोलने और चोरी से मुक्त होने का भरसक प्रयत्न किया, किंतु मुझसे ऐसा न हो सका। मैं चाहकर बदल नहीं सका। आप मुझे उपाय अवश्य बताइए। गुरु नानक सोचने लगे कि इस डाकू को सुधरने का क्या उपाय बताया जाए। उन्होंने अंत में कहा- जो तुम्हारे मन में जो आए करो, लेकिन दिन भर झूठ बोलने, चोरी करने और डाका डालने के बाद शाम को लोगों के सामने किए हुए कामों का बखान कर दो। डाकू को यह उपाय सरल जान पड़ा। इस बार डाकू पलटकर नानकदेवजी के पास नहीं आया क्योंकि जब वह दिनभर चोरी आदि करता और शाम को जिसके घर से चोरी की है उसकी चौखट पर यह सोचकर पहुँचता कि नानकदेवजी ने जो कहा था कि तुम अपने दिन भर के कर्म का बखान करके आना लेकिन वह अपने बुरे कामों के बारे में बताते में बहुत संकोच करता और आत्मग्लानि से पानी-पानी हो जाता। वह बहुत हिम्मत करता कि मैं सारे काम बता दूँ लेकिन वह नहीं बता पाता। हताश-निराश मुँह लटकाए वह डाकू एक दिन अचानक नानकदेवजी के सामने आया। अब तक न आने का कारण बताते हुए उसने कहा-ष्मैंने तो उस उपाय को बहुत सरल समझा था, लेकिन वह तो बहुत कठिन निकला। लोगों के सामने अपनी बुराइयाँ कहने में लज्जा आती है, अतः मैंने बुरे काम करना ही छोड़ दिया। इस तरह नानकदेव जी ने उसे अपराधी से अच्छा इंसान बना दिया।

जाने 'बार्बी' को

क्या आप जानते हैं कि आपकी प्यारी बार्बी डॉल का नाम इसके आविष्कारक की बेटी 'बारबरा' के नाम से आया है।

- सबसे पहली बार्बी डॉल जापान में बनी थी।
- हर सेकेंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक बार्बी डॉल बिकती है।
- बार्बी डॉल 40 से अधिक नेशनेल्टी में उपलब्ध हैं।
- बार्बी 80 से ज्यादा रूपों में उपलब्ध हैं।
- पहली बार्बी एक टीनएज फैशन मॉडल थी।
- बार्बी डॉल की लंबाई 115 इंच है।

कहानी

नेकी का फल

एक पेड़ पर एक बंदरिया रहती थी। वह बड़ी नेक और उदार थी। पेड़ के पास एक कुटिया थी। वहीं एक बुढ़िया रहती थी। वह बुढ़िया बहुत गरीब थी। एक दिन उसके पास चूल्हे के लिए लकड़ी नहीं थी, तो वह कागज जलाकर रोटियां बनाने लगी। कागज बार-बार बुझ जाते और बुढ़िया की रोटी कच्ची ही रह जाती। पेड़ पर बैठी बंदरिया यह देख रही थी। वह भागकर टाल पर गई और कुछ लकड़ियां उठा लाई। उसने लकड़ियां बुढ़िया को दे दीं। जब बुढ़िया की रोटियां खूब फूलने लगीं, तो बंदरिया रोटियों के चारों तरफ नाचने लगी। बूढ़ी ने पूछा- 'ए बंदरिया, तू मेरी रोटी पर क्यों नाच रही है? बंदरिया बोली - 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने तुझको दी, तूने उसकी रोटी बनाई, अब तू मुझे रोटी नहीं देगी?' बूढ़ी ने बंदरिया को हंसकर दो रोटी दे दी। रोटी लेकर बंदरिया आगे चल पड़ी। आगे उसे एक कुम्हार मिला। उसका बच्चा रोटी के लिए रो रहा था, क्योंकि कुम्हार का एक भी मटका नहीं बिका था, तो रोटी कहां से आतीं? बंदरिया ने कुम्हार से बच्चे के रोने का कारण पूछा और उसे दो रोटियां दे दीं। अब बंदरिया कुम्हार के मटके पर नाचने लगी। कुम्हार ने पूछा, 'ऐ बंदरिया, तू मेरे मटके पर क्यों नाच रही है? बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने तुझे दी, अब तू मुझे एक मटका नहीं देगा?'

कुम्हार ने हंसकर बंदरिया को एक मटका दे दिया। मटका लेकर वह आगे चल पड़ी। आगे एक दूधवाला सिर पर हाथ टिकाए बैठा था। उसकी भैंसें पास खड़ी थीं। बंदरिया ने उसकी उदासी का कारण पूछा, तो वह बोला, 'क्या बताऊं, मैं भैंसों को तो ले आया हूं मगर दूध निकालने का बर्तन तो घर पर ही भूल आया हूं। अब कैसे दूध निकालूं और कैसे बेचूं?

बंदरिया बोली, बस इतनी सी बात? लो मेरा मटका ले लो।

दूधवाले ने खुशी से मटका ले लिया। वह अभी दूध निकाल ही रहा था कि बंदरिया उसकी भैंस पर नाचने लगी। दूधवाला बोला, 'ए बंदरिया, तू मेरी भैंस पर क्यों नाच रही है रे?'

बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने तुझको दिया, तू मुझे अपनी भैंस न देगा। दूध वाला सोच में पड़ गया। बंदरिया बोली, 'नहीं तो मेरा मटका वापस कर। दूधवाले ने उसे एक भैंस की रस्सी थमा दी। बंदरिया भैंस पर बैठकर आगे चल पड़ी। आगे उसे एक ब्राह्मण का परिवार मिला। उसके बहुत बच्चे थे और वे दूध के लिए रो रहे थे। बंदरिया ने उसे अपनी भैंस दे दी। दूध पीकर बच्चे चुप हो गए। अब बंदरिया बच्चों के चारों ओर नाचने लगी। ब्राह्मण बोला, 'ए बंदरिया, मेरे बच्चों पे क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने तुझको दी, अब तू मुझे अपना बच्चा दे दे। ब्राह्मण वैसे ही अपनी गरीबी से परेशान था, उसने अपने सबसे छोटे बच्चे को उसे देदिया। बच्चे को कंधे पर लिए बंदरिया चलते-चलते राजा के बगीचे में पहुंची। वहां राजा-रानी चिंता में डूबे हुए बैठे थे। बंदरिया ने उनसे चिंता का कारण पूछा, तो वे बोले, 'हमारी कोई संतान नहीं है। इसलिए हम दुखी हैं।' अरे, इसमें दुखी होने वाली क्या बात है? मेरे पास एक बच्चा है। तुम इसे रख लो। रानी ने बच्चा ले लिया। अब बंदरिया एक आम के पेड़ के चारों ओर नाचने लगी। राजा ने पूछा, 'ए बंदरिया, तू मेरे पेड़ पे क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने ब्राह्मण को दी, उसने मुझे अपना बच्चा दिया, बच्चा मैंने तुझको दिया, अब ये पेड़ मेरा होगा, बोल? राजा ने हंसकर कहा, 'तुम एक नेक और अच्छी बंदरिया हो। आज से ये सारा बगीचा तुम्हारा है। खूब खाओ-पिओ और मौज करो। और बंदरिया राजा के बगीचे में ठाठ से रहने लगी।

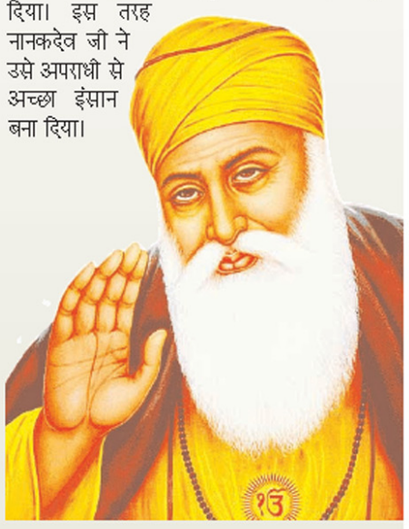

धूप में निकला ना करो..

चटकती-तमतमाती धूप ने आपके सर पर डेरा डाल दिया है। सूरज के तेवर तीखे हो चुके हैं और पूरी कोशिश है आपकी रंगत को स्याह करने की। तो आप भी कस लीजिए कमर और बना लीजिए मूड सूरज को ठेंगा दिखाने का। रोकिए झुर्रियों को असमय आने से और लीजिए लुत्फगर्मियों का।

जी हाँ, गर्मियों में तेज धूप आपकी रंगत को फीका बना डालती है। यदि आप पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ घर के बाहर और घर के अंदर भी न रहें तो आपकी त्वचा झुलसने के साथ-साथ कई अन्य परेशानियों का भी शिकार भी बन सकती हैं। इसलिए गर्मियों में कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें।

सबसे पहली जरूरत है, शरीर की नमी को बनाए रखने की। बढ़ते तापमान से आपके शरीर की स्वेद ग्रंथियाँ अधिक सक्रिय हो जाती हैं अर्थात पसीना निकलने की प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। इसलिए आवश्यक है कि आप पानी तथा लिक्विड इंटेक का पर्याप्त सेवन करती रहें। एक दिन में कम से कम10-12 गिलास पानी पिएँ। इसके अलावा नींबू पानी, संतरे तथा अन्य पानी वाले फलों का सेवन भी समय-समय पर करते रहें। इससे शरीर को ऊर्जा भी मिलेगी, नमी का स्तर भी पर्याप्त बना रहेगा तथा समय से पहले चेहरे पर झुर्रियाँ भी नहीं पड़ेंगी। याद रखें कि कोल्ड ड्रिंक या इस तरह के पेय फायदेमंद नहीं होंगे।

दिनभर में कम से कम दो-तीन बार चेहरे पर भी ठंडे पानी के छींटे मारें। इससे आपकी त्वचा में बाहर से भी नमी बरकरार रहेगी।

गर्म पानी से नहाने की बजाय ठंडे पानी से नहाएँ। ठंडे से मतलब है रूम टेम्परेचर वाला पानी...। हाँ, आप चाहें तो थोड़े गुनगुने पानी का उपयोग कर सकती हैं।

किसी माइल्ड सोप या सोप-फ्री फेस वॉश का उपयोग करें।

हफ्ते में एक बार क्लीनअप का प्रयोग कर सकते हैं। अगर स्क्रब का प्रयोग कर रहे हैं तो हर्बल या किसी माइल्ड स्क्रब का ही प्रयोग करें।

पसीना, प्रदूषण तथा धूप- ये सब मिलकर आपकी त्वचा को नुकसान पहुँचाने में लग जाते हैं।

अगर आपकी त्वचा ड्राय है तो दिन में मेकअप के पहले मॉइश्चराइजर लगाएँ अथवा मॉइश्चराइजर का प्रयोग रात में ही करें और बहुत कम।

सूरज के तमतमाते तेवर आपके लिए खतरा लाते हैं लेकिन धूप का सेवन भी आपके लिए जरूरी है। खासतौर पर सुबह सूर्योदय के समय निकलने वाली हल्की किरणों का सेवन अवश्य करें। पैदल घूमने या खुली जगह पर योग करने से कई लाभ हो सकते हैं।

गर्मियों में सूती वस्त्र सबसे ज्यादा आरामदायक साबित होते हैं। लंबी बाँहों तथा हल्के रंग वाले कपड़ों को भी आप अपनी लिस्ट में स्थान दे सकते हैं। इसके अलावा धूप के चश्मे, हैट, स्कॉर्फ, समरकोट आदि का उपयोग भी घर से बाहर निकलने के समय किया जा सकता है।

चाहे घर के अंदर रहें या बाहर, सनस्क्रीन लोशन का उपयोग जरूर करें। यह तेज धूप से तो आपकी त्वचा की रक्षा करता ही है। सूर्य की हानिकारक किरणों से भी आपको बचाता है। इससे कैंसर सहित त्वचा के कई रोगों से आप बच सकते हैं। सनस्क्रीन लोशन को गंभीरता से लें। ऐसा लोशन खरीदें जिसमें एसपीएफ (सन प्रोटेक्शन फैक्टर) 15 या उससे अधिक हो।

घर से निकलने के 20-25 मिनट पहले इसकी मोटी-सी लेयर शरीर पर लगा लें। खासकर उन भागों पर जो धूप के सीधे संपर्क में आते हों। यदि आप ज्यादा समय बाहर रहते हैं तो हर 3-4 घंटे में सनस्क्रीन लोशन लगाते रहें। स्वीमिंग के समय वाटर रजिस्टेंट सनस्क्रीन लोशन लगाएँ।

चाहे हम लोग आज भी गोरी स्कीन के प्रति प्रिजुडाइस हों, लेकिन यह बात भी उतनी ही सच है कि साँवली स्कीन सूर्य की खतरनाक किरणों से बचने में ज्यादा सक्षम है। तो यहाँ वे लोग फायदे में हुए, जो डार्क कॉम्प्लेक्शन वाले हैं। गोरे लोगों पर सूरज की यूवी किरणों का प्रकोप होने के ज्यादा चांसेस होते हैं।

स्प्रिंग सीजन में स्किन केयर

गर्मियों के समय में त्वचा से संबंधित समस्याओं में सामान्यतः घमोरियाँ, सनबर्न, एलर्जी, टैनिंग आदि समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसे सामान्य भाषा में घमोरी या प्रिकलीहीट भी कहते हैं। यह स्वेद ग्रंथि की नलिका की सामान्य बीमारी है। इसमें ग्रंथि द्वारा उत्पन्न पसीना त्वचा की ऊपरी सतह पर आकर वाष्पीकृत हो जाता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है।

कभी-कभी अत्यधिक गर्मी की वजह से पसीना ज्यादा बनने लगता है और किसी कारण से स्वेद नलिका में रुकावट होने की वजह से पसीना त्वचा की ऊपरी सतह पर नहीं आ पाता है और वह त्वचा की निचली सतह पर फैलने लगता है। इससे त्वचा में लालिमा उत्पन्न होने लगती है और उसमें छोटे-छोटे लाल दाने बन जाते हैं जिसमें काफी खुजली व जलन होती है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है। इसका सामान्य कारण उष्णता व अत्यधिक गर्मी है। ये दाने धूप में जाने पर बढ़ जाते हैं। यह स्वेदवाही नलियों में रुकावट के आधार पर तीन प्रकार का होता है-

क्रिस्टिलीना : यह त्वचा की ऊपरी सतह पर ही रुकावट होने से होता है। इसमें जो दाने बनते हैं वे सामान्यतः 2 सप्ताह तक के बच्चों में व बड़ों में बुखार आदि होने पर हो सकते हैं। इसमें ज्यादा जलन व खुजली नहीं होती है। ये एकाध दिन में अपने आप ठीक हो जाते हैं। यह बच्चों में सिर, गले व छाती आदि पर ज्यादा होते हैं।

रुब्रा : यह सामान्यतः अत्यधिक गर्मी की वजह से होता है और इसमें त्वचा की गहराई तक रुकावट होने से होता है। इसमें दानों में जलन व खुजली ज्यादा होती है।

सनबर्न : गर्मियों के मौसम में सनबर्न होना आम समस्या है। त्वचा के धूप के संपर्क में आने पर त्वचा में लालिमा, सूजन व कभी-कभी फफोले भी हो जाते हैं। सनबर्न होने पर ठंडे पानी की पट्टियाँ रखना चाहिए।

चटपटा आलू-पुदीना

सामग्री : 250 ग्राम आलू, पुदीना आधा कटोरी, 3-4 हरी मिर्च, अदरक 1 छोटी गांठ जीरा 1/4 चम्मच, नमक स्वादानुसार, घी आधा बड़ा चम्मच।

विधिः सबसे पहले आलुओं को उबाल कर, छीलकर आधे इंच के टुकड़ों में काट लें। पुदीने को साफ करके हरी मिर्च और अदरक के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। गर्म घी में जीरा तड़काएं तथा पुदीना, अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट डालें। जब पेस्ट भुन जाए तो आलू और नमक डालकर 3 मिनट तक धीमी आंच पर ढंक कर पकाएं। गर्म-गर्म पराठों के साथ तैयार चटपटा आलू-पुदीना पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2015

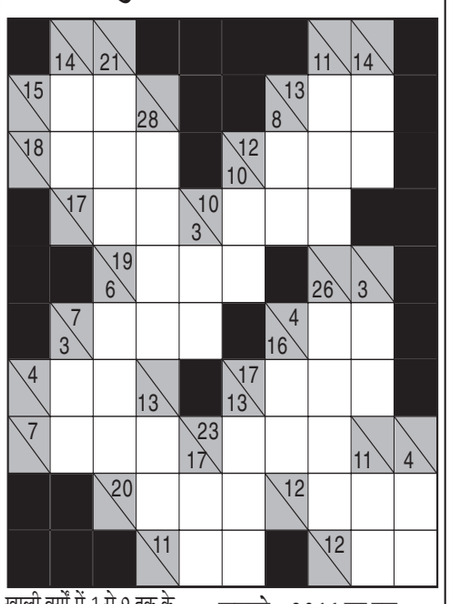

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ी हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

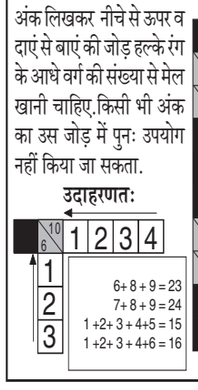

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2014 का हल

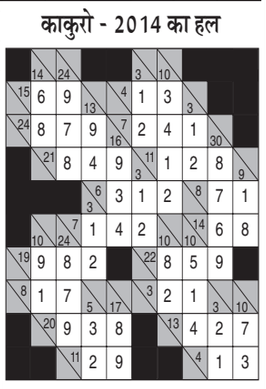

लॉफिंग जोक्स

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

फिल्म वर्ग पहेली - 2015

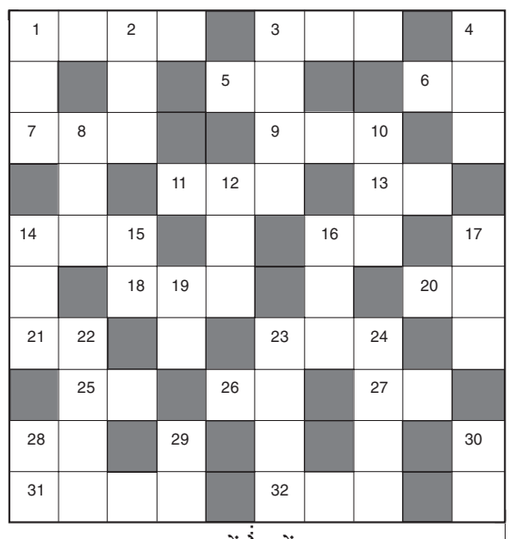

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2014

खु	दा	र		रे	मां	स		आ	शा
शी		त	ला	श		प	ड़ो	स	न
	ध	न	वा	न		ने		रा	
ध	र्मा		रि		जू		झु		सु
	त्मा		स	हे	ली		म	सी	हा
फा		श		मा		गु	रू		ग
गु	म	रा	ह		मे	ला		डॉ	
न		बी		आ		म	हा	न	ता
	काँ		आ	शि	की		द		ल
वां	टे	ड		क		इं	सा	फ	

सूडोकु -2015

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2014 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 2015

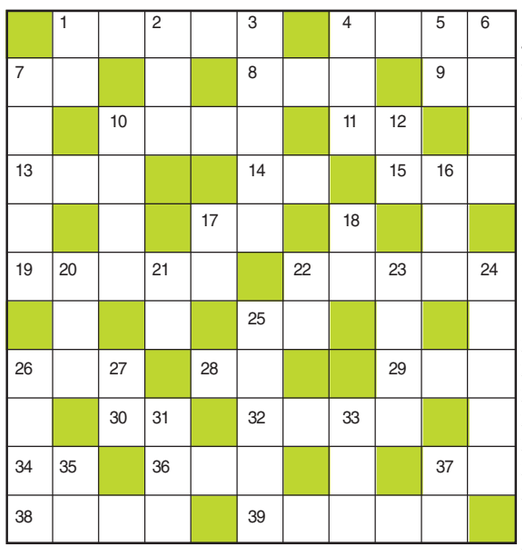

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -2014 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	म्बा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
धि	क्का	र	ना			अ		च	प	ल
का		क्ष		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ग्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
श		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	चा	ल	न

बिजली बकाए पर कटे कनेक्शन पर भी हर महीने देने होंगे बिल, आदेश जारी

लखनऊ. यूपी में बिजली बकाये पर अस्थायी रूप से कटे कनेक्शन भी हर माह बिल बनेगा। मीटर रीडर मोबाइल ऐप के माध्यम से ऐसे उपभोक्ताओं को फिक्स चार्ज का बिल थमाएगा। पावर कॉरपोरेशन ने सभी डिस्कॉम के एमडी को आदेश जारी कर दिया है।

बिजली विभाग रोजाना बकाये पर बिजली के खंभे से अस्थायी रूप से कनेक्शन काट देता है। इस दौरान परिसर पर मीटर लगा रहता है, लेकिन मीटर रीडर ऐसे उपभोक्ताओं की रीडिंग नहीं कर पाता है। समस्या के समाधान के लिए पावर कॉरपोरेशन ने इस माह बिलिंग सॉफ्टवेयर में बदलाव किया है।अब मीटर रीडर ऐसे उपभोक्ताओं की हर माह फिक्स चार्ज का बिल बनाएगा। अगर परिसर पर अस्थायी रूप से कनेक्शन कटा है, लेकिन सिस्टम पर फीड नहीं है। ऐसे उपभोक्ताओं का प्रोविजनल बिल बनेगा। परिसर पर कनेक्शन कटा है, लेकिन मीटर खराब है तो आईडीएफ बिल बनेगा। बिल में मीटर रीडर का नाम, मोबाइल नंबर, मीटर का सीरियल नंबर भी होगा। मीटर रीडर द्वारा बिलिंग ऐप में फीड किया गया मीटर निर्माता का नाम भी दर्ज करना होगा। यूपीपीसीएल के अधीक्षण अभियंता (आईटी) ने नई व्यवस्था का आदेश जारी किया है। यह व्यवस्था मार्च से ही लागू कर दी गई है।

तीन साल में सबसे कम 3.24 लाख ने छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं सफलता पूर्वक अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न हो गईं। 12 दिन में पूरी हुई परीक्षा के द

प्रयागराज. यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शनिवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। खास बात यह कि बोर्ड के इतिहास में रिकॉर्ड सबसे कम समय 12 कार्यदिवसों में परीक्षा कराई गई है। इससे पहले पिछले साल मात्र 14 कार्यदिवसों में परीक्षा हुई थी। परीक्षा में 324008 परीक्षार्थी (हाईस्कूल 184986 व इंटर 139022) गैरहाजिर रहे। परीक्षा छोड़ने वालों की संख्या तीन सालों में सबसे कम है। 2023 में 450011 (हाईस्कूल 252833 व इंटर 197178) व 2022 में 434404 (हाईस्कूल 261011 व इंटर 173393) अनुपस्थित थे। इसका मुख्य कारण फर्जी परीक्षार्थियों के पंजीकरण पर प्रभावी लगाम और छात्र-छात्राओं का बोर्ड परीक्षा के प्रति बढ़ा विश्वास है।नकल विहीन परीक्षा संपन्न होने पर यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने शनिवार को बोर्ड मुख्यालय में मीडिया को बताया कि विभिन्न जिलों में परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वाले कुल 56 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस वर्ष मात्र 48 परीक्षार्थियों को नकल करते

पकड़ा गया जबकि 2023 और 2022 में क्रमश 127 व 190 परीक्षार्थी नकल करते पकड़े गए थे। दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते इस साल 37 सॉल्वर पकड़े गए जबकि 2023 और 2022 में क्रमश 133 व 47 सॉल्वर पकड़े गए थे।पहली बार कॉपी के अंदर के पन्नों पर लोगोउत्तर पुस्तिकाओं एवं उनके आंतरिक पृष्ठों की अदला-बदली को समाप्त करने के लिए कॉपियों पर सुरक्षात्मक क्यूआर कोड, क्रमांक संख्या के मुद्रण के साथ पहली बार उसके आंतरिक पृष्ठ पर बोर्ड का लोगो तथा प्रत्येक पृष्ठ पर पृष्ठ संख्या का मुद्रण कराया गया। इसके साथ ही सिलाईयुक्त उत्तर पुस्तिकाओं को गतवर्ष से भिन्न चार अलग-अलग रंगों में तैयार कराया गया। अराजक तत्व सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की भ्रामक खबर प्रसारित न कर सके इसके लिए बोर्ड मुख्यालय में एक क्यूआरटी का गठन किया गया जिसके जरिए भ्रामक खबरों पर नजर रखते हुए निराकरण किया गया।

11 से 15 मार्च तक प्रशिक्षण

बोर्ड परीक्षा का मूल्यांकन 16 से 31 मार्च तक चलेगा। उससे पहले 11 से 15 मार्च तक पांचों क्षेत्रीय कार्यालय में उपनियंत्रकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बोर्ड सचिव ने कहा कि मूल्यांकन केंद्रों की निगरानी भी कमांड सेंटर से होगी।सभी 8265 परीक्षा केन्द्रों एवं स्ट्रांग रूम की 24 घंटे सातों दिन ऑनलाइन सतत निगरानी के लिए 1.35 लाख परीक्षा कक्षों और स्कूल परिसर में 2.90 लाख से अधिक वायस रिकार्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। स्ट्रांग रूम में प्रश्नपत्रों के रखने से पूर्व कमांड सेन्टर से स्ट्रांग रूम की कनेक्टीविटी की गहन जांच की गयी। इसमें 455 परीक्षा केन्द्रों के सीसीटीवी कैमरे लाइव नहीं थे, उन्हें तत्काल लाइव कराया गया।

लखीमपुर खीरी में हादसा, ईंटों भरी ट्राली से टकराई कार, उत्तराखंड के 3 युवकों की मौत

लखीमपुर खीरी. यूपी के लखीमपुर खीरी में सड़क हादसा हो गया। गोला-खुटार रोड पर रविवार की सुबह उत्तराखंड से आ रही एक एक्सयूवी कर ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली से जा टकराई। इसके बाद अनियंत्रित हुई एक्सयूवी सामने से आ रही वैगन आर कर से भी टकरा गई। इस हादसे में एक्सयूवी सवार उत्तराखंड निवासी तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि दो युवक जख्मी हो गए।हादसा सुबह

8 बजे के करीब मैलानी थाना क्षेत्र में नौवां खेड़ा गांव के पास हुआ। खुटार की ओर से आ रही एक उत्तराखंड नंबर की एक्सयूवी कार (यूके 05 डी 5885) सामने से जा रही ईंटों भरी ट्राली में जा टकराई। ट्राली से टकराने के बाद अनियंत्रित हुई एक्यूवी सामने से आ रही दूसरी कार से भी भिड़ गई। हादसे में एक्सयूवी कर के परखच्चे उड़ गए और वैगन आर कार खाई में जा गिरी। इस सड़क हादसे में उत्तराखंड के पिथौरागढ़ निवासी तीन युवकों की मौत हो गई और दो को जख्मी हालत में गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस के मुताबिक मरने वालों की पहचान जचल सिंह (30), कुन्दन सिंह (35) व प्रतीक शर्मा (30) निवासी पिथौरागढ उत्तराखंड के रूप में हुई है। जबकि पिथौरागढ़ के ही नरेन्द्र सिंह (30) व अनिकेत (30) को गोला सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

विदेशी लड़की के झांसे में आ गया मेरठ का लड़का, लैपटॉप मिला न डॉलर; गंवा दिए पौने आठ लाख

मेरठ. मेरठ के रेलवे रोड निवासी एक युवक से विदेशी महिला ने फेसबुक पर दोस्ती की और बच्चों की मदद के नाम पर मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य सामान के साथ 30 हजार यूएस डॉलर भेजने का झांसा देकर 7.65 लाख रुपये हड़प लिए। मुकदमा दर्ज कराया गया है और आरोपियों के बैंक खातों को बंद कराया जा रहा है। किंत गोयल निवासी साबुन गोदाम एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करते हैं। अंकित ने बताया कि उनके पास कुछ समय पूर्व एलिना बेन नाम से अमेरिकी महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। अंकित और महिला फेसबुक पर दोस्त बन गए और बातचीत होती रही। महिला ने इच्छा जताई कि वह इस 30 हजार डॉलर और कुछ सामान को बच्चों को दान देना चाहती है। एलिना ने अंकित को बताया कि वह पार्सल में कुछ सामान और रकम भेज रही है। 6

फरवरी 2024 को मुंबई एयरपोर्ट से कॉल अंकित के पास आई कि विदेश से पार्सल उसके नाम पर आया है, जिस पर पेनलटी लगी है। पार्सल पर 26 हजार 500 रुपये का जुर्माना बताया गया, जिसका भुगतान अंकित ने ऑनलाइन कर दिया। जो बिना किसी बिल और अनुमति के भेजा गया है। अंकित के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की धमकी देकर करीब तीन लाख रुपये हड़प लिए गए।

एलिना ने कॉल किया, दिल्ली आ रही है

अंकित ने बताया कि सामान पकड़े जाने की जानकारी उसने एलिना को व्हाट्सएप पर दी थी। एलिना ने बताया कि वह दिल्ली आ रही है। उसने फ्लाइट के फोटो भी भेजे।

बाद में एलिना का कॉल आया कि उसे भी दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया है और दोबारा से अंकित से काफी रकम ट्रांसफर करा ली गई। अंकित से कुल 7.65 लाख रुपये हड़प लिए गए। अंकित ने दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों से संपर्क किया तो पूरे खेल का खुलासा हुआ।

मेरठ साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज

अंकित ने बताया उनकी शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिन मोबाइल नंबर से उसे कॉल किया गया और ब्लैकमेल किया गया, वे सभी मोबाइल नंबर चल रहे हैं, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। पुलिस और साइबर क्राइम टीम आरोपियों के बैंक खातों को सीज कराने में लगी है।

क्या बोली पुलिस

एसपी क्राइम अनित कुमार ने बताया कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान और धरपकड़ के लिए निर्देश दिए हैं। लोगों से अपील है कि वह अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट पर ध्यान न दें और साइबर क्राइम से बचें।

एक-दूसरे को दिल दे बैठीं 2 लड़कियां, थाने में शादी के लिए ऐसी जिद, पुलिस भी चकराई

रामपुर. यूपी के रामपुर में 2 लड़कियां एक-दूसरे को दिल दे बैठीं। दो युवतियों का प्यार परवान चढ़ा तो शादी के लिए दोनों थाने पहुंच गईं। दोनों युवतियों को शादी की जिद करता देख पहले तो थाना पुलिस भी चकरा गई। पुलिस ने दोनों को समझाते हुए उनके परिजनों को मौके पर बुला लिया। दोनों युवतियों को उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती का उत्तरांचल की युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। दोनों रुद्रपुर में कमरा लेकर एक साथ रह रही थी।बताते हैं चार दिन पहले दोनों कोर्ट मैरिज के लिए जा रही थी तो उनके परिजनों ने पकड़ लिया। रुद्रपुर पुलिस ने पंचायत के बाद दोनों युवतियों को उनके घरों को भेज दिया।

शनिवार दोपहर रुद्रपुर निवासी युवती अपने घर से भाग कर अजीमनगर के करनपुर गांव आ गई। इस दौरान लोगों ने दोनों को समझाना चाहा लेकिन नहीं मानी।

आनंद फानन में दोनों युवतियां अजीमनगर थाने पहुंच गई और शादी की जिद करने लगी। दोनों युवतियों की जिद देख पहले तो पुलिस भी चकरा गई। पुलिस ने दोनों युवतियों को समझकर महिला डेक्स में बैठा दिया। इस दौरान पुलिस ने दोनों के परिजनों को थाने में बुला लिया। थाने पहुंचे दोनों के परिजनों को पुलिस ने दोनों युवतियां को उनके हवाले कर दी। प्रभारी निरीक्षक पवनवीर सिंह राणा ने बताया दोनों युवतियों को उनके परिजन अपने साथ ले गए हैं।

भाई को IPS, फूफा को सचिव बता महिला सिपाही को दिया झांसा, किस्तों में की वसूली

भाई को IPS और फूफा को अल्पसंख्यक विभाग का सचिव बताकर ठग ने एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स की महिला सिपाही से ठगी कर ली। उसने महिला सिपाही को उसके भाई की नौकरी लगवाने का झांसा दिया था।

बरेली. अपने भाई को आईपीएस और फूफा को अल्पसंख्यक विभाग का सचिव बताकर ठग ने एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स (एएनटीएफ) की महिला सिपाही से ठगी कर ली। आरोपी ने महिला सिपाही को उसके भाई की नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। इस मामले में सीबीगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।एएनटीएफ यूनिट तैनात महिला सिपाही रिजवाना ने पुलिस को बताया कि यूपीएससी की पढ़ाई के दौरान करीब साल भर पहले प्रतापगढ़ में थाना कुंडा के मुनेरही वसियारा निवासी हर्ष शुक्ला से उनकी बातचीत होती थी। उस दौरान हर्ष ने बताया कि उसका एक घर छत्तीसगढ़ में भी है। वहां उसके भाई आकाश शुक्ला रहते हैं, जो 2020 बैच के आईपीएस हैं। इसके अलावा उसने अपने फूफा सरस्वती त्रिपाठी को अल्पसंख्यक विभाग में सचिव बताया। हर्ष ने बताया कि वे लोग सरकारी मदरसों में संविदा पर क्लर्क की नौकरी लगवाते हैं। कहा कि कुछ समय बाद सरकारी पदों पर भर्ती निकालेगी तो इन्हीं स्थाई कर दिया जाएगा।इस पर वह हर्ष के झांसे में आ गई और अपने भाई के लिए नौकरी की बात की। इस पर आरोपी ने दो लाख रुपये का खर्च बताया। उन्होंने पूरी रकम एक बार में देने में असमर्थता जताई तो उसने किस्तों में भुगतान करने को कहा और धीरे-धीरे उनसे 1.95 लाख रुपये लिए। फरवरी 2024 में उनके भाई की नौकरी लगवाने का झांसा दिया और फिर मंत्रालय से पत्र जारी कराने के नाम तीस हजार रुपये फिर मांगने लगा। इस पर उन्हें ठगी का अहसास हुआ।

कॉलेज संबद्धता और छात्र संख्या में राज्य का दूसरा सबसे बड़ा विश्वविद्यालय बना PRSU

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा संख्या में कॉलेजों को संबद्धता देने में राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय राज्य में पहले नंबर पर है। वहीं इसके बाद दूसरे स्थान पर प्रयागराज के रज्यू भैया विश्वविद्यालय

कॉलेजों की संबद्धता और छात्र संख्या के मामले में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय (पीआरएसयू) सूबे का दूसरा शीर्ष विश्वविद्यालय बन गया है। मंडल के चार जिलों के 702 कॉलेज इससे संबद्ध हैं। इनमें 25 राजकीय एवं एडेड कॉलेज भी शामिल हैं। वर्तमान में पौने छह लाख विद्यार्थी अलग-अलग पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे हैं।इस विश्वविद्यालय की स्थापना आठ साल पहले 17 जून 2016 को हुई थी। वर्तमान में प्रयागराज के 373, प्रतापगढ़ के 171, फतेहपुर के 79 और कौशाम्बी के 79 कॉलेज इससे संबद्ध हैं। प्रदेश का यह दूसरा विश्वविद्यालय है, जिससे इतनी ज्यादा संख्या में कॉलेज संबद्ध हैं, वह भी तब जबकि इसके अधिकार क्षेत्र में प्रयागराज मंडल के केवल चार जिले ही आते हैं। इस मामले में पहले स्थान पर डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या है, जिससे दो राजकीय सहित 797 कॉलेज संबद्ध हैं। इस विश्वविद्यालय से आठ जिलों अंबेडकर नगर, अमेठी, बहराइच, बाराबंकी, अयोध्या, गोंडा, लखनऊ, सुल्तानपुर के कॉलेज संबद्ध हैं।

मेरठ से 692 व काशी विद्यापीठ से 415 कॉलेज संबद्ध

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से छह जनपदों के (मेरठ, बागपत, हापुर, गाजियाबाद, नोएडा, और बुलंद शहर) के 692 कॉलेज संबद्ध है। वहीं महत्मा गांधी काशी विद्यापीठ वराणसी से पांच जिलों (वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, संत रविदास नगर भदोही, चंदौली) के 415 कॉलेजों की संबंद्धता है। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली से 587 कॉलेज संबद्ध हैं।

कभी पहले पायदान पर होता था कानपुर विश्वविद्यालय

छात्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर कभी इस मामले में पहले पायदान पर होता था। तब इससे सर्वाधिक 950 कॉलेज संबद्ध थे। लेकिन हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर के डिग्री कॉलेजों को कानपुर विश्वविद्यालय से हटाकर लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कर दिया गया। इसके चलते तकरीबन 400 कॉलेज कम हो गए। वर्तमान में कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, फर्रुखाबाद, कन्नौज, उन्नाव और इटावा के तकरीबन पांच सौ कॉलेज ही इससे जुड़े हैं।

3 डिग्री तक बढ़ने वाला है तापमान, कई राज्यों में बारिश का भी अलर्ट; जानें मौसम का हाल

नई दिल्ली. दो पश्चिमी विक्षोभ भारत के मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। 10 मार्च से इनके द्वारा असर उत्तर पश्चिम भारत और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को को प्रभावित करने की संभावना है। निम्न दबाव की रेखा तेलंगाना से लेकर रायलसीमा और तमिलनाडु से गुजरते हुए कोमोरिन क्षेत्र तक जाती दिख रही है। वहीं, दूसरी ट्रफ रेखा ओडिशा से आंध्र प्रदेश तक फैली हुई है।

आईएमडी ने कहा है कि अगले 2 दिनों के दौरान रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के साथ-साथ केरल और माहे में गर्मी बढ़ सकती है। पूर्वानुमान के मुताबिक, दिन का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है।मौसम विभाग ने जो रिपोर्ट जारी की है उसके मुताबिक, 10 मार्च को जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पहाड़ी इलाकों में इस दौरान बर्फ पड़ने की भी संभावना है।इसके अलावा, 11 से 14 मार्च के बीच जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी संभव है। 11 से 14 मार्च के बीच उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी संभव है।12 से 14 मार्च

के बीच पंजाब के कुछ हिस्सों में बारिश के आसार बन रहे हैं। वहीं, 13 और 14 मार्च को हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश संभव है। आईमडी ने कहा है कि ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी हल्की बारिश संभव है।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तक कि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होता है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

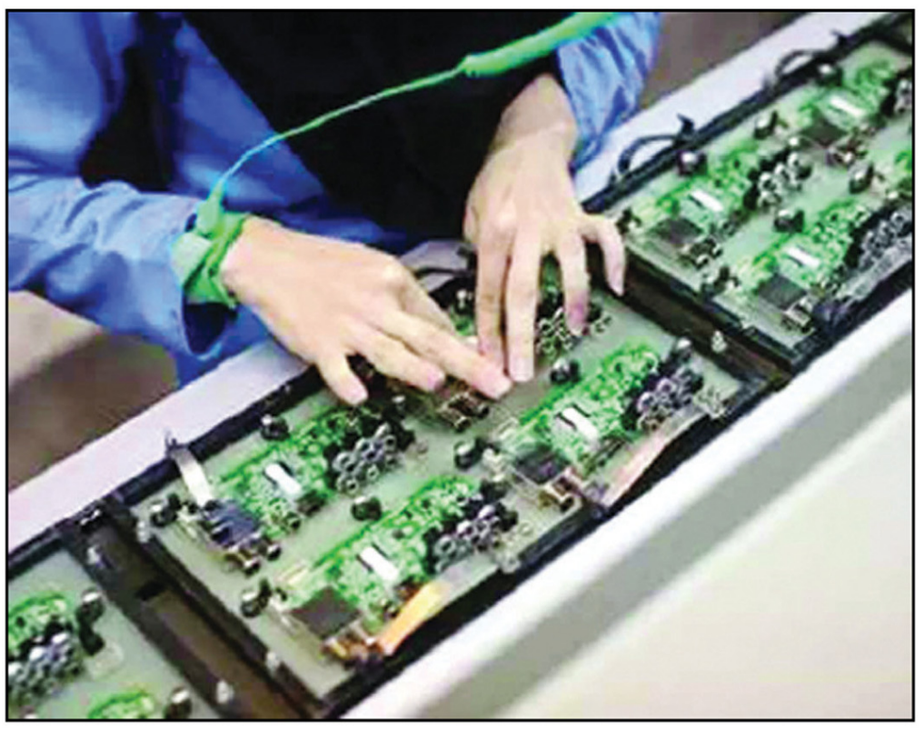

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

92 साल में पहली बार...टेस्ट क्रिकेट में भारत का जीत-हार का रिकॉर्ड बराबरी पर पहुंचाय

नई दिल्ली.भारत ने इंग्लैंड को धर्मशाला में खेले गए सीरीज के 5वें और आखिरी टेस्ट में पारी और 64 रनों से रौंदकर कई बड़े रिकॉर्ड्स बनाए। इनमें से एक रिकॉर्ड ऐसा है जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया के नाम पहली बार जुड़ा है। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ है जब टीम इंडिया का विन/लॉस रिकॉर्ड 1 का हुआ है। इसका मतलब है कि टीम इंडिया ने टेस्ट क्रिकेट में जीतने मैच हारे हैं उतने ही जीते भी हैं। 92 साल के भारत के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।

टीम इंडिया ने 1932 में अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। पिछले 92 सालों में भारत ने कुल 579 मैच खेले हैं जिसमें 178 मैच उन्होंने जीतने हैं वहीं इतने ही मैच उन्होंने हारे हैं। इस दौरान टीम इंडिया ने 222 मैच ड्रॉ खेले हैं वहीं एक मैच टाई भई रहा है।बात टीम इंडिया के हर दशक के विन/लॉस रिकॉर्ड की करें तो, 1930 के दशक में भारत ने 7 में से 5 मुकाबले गंवाए थे, वहीं इस दौरान दो मैच ड्रॉ रहे थे। वहीं 1940 के दशक में ये रिकॉर्ड 0-11 का हुआ। भारत को टेस्ट क्रिकेट में पहली जीत 1950 के दशक में मिली थी। भारत ने 1952 में अपने 24वें टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर पहला टेस्ट जीता था। इस दशक में भारत के हाथ कुल 6 जीत लगी थी।

1960 के दशक में जीत और हार का रिकॉर्ड 116 मैचों में 15-49 का रहा, वहीं 1970 में 180 मैचों में 32-68 का, 1980 के दशक में 261 मैचों में 43-89 का, 1990 के दशक में 330 मैचों में 61-109 का, 2000 के दशक में 433 मैचों में 101-136 का, 2010 के दशक में 540 मैचों में 157-165 का और अब 2020 के दश में पहली बार जीत हार का रिकॉर्ड बराबरी पर पहुंचा है।

प्रत्येक दशक में टेस्ट में भारत का जीत-हार का रिकॉर्ड

1930 - 0-5 (7 मैच)
1940 - 0-11 (20)
1950 - 6-28 (64)
1960 - 15-49 (116)
1970 - 32-68 (180)
1980 - 43-89 (261)
1990 - 61-109 (330)
2000 - 101-136 (433)
2010 - 157-165 (540)
2024 - 178-178 (579)

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत के अलावा 4 टीमें ऐसी है जिनका विन/लॉस रिकॉर्ड 1 या उससे अधिक है। ऑस्ट्रेलिया इस मामले में 1.780 के रिकॉर्ड के साथ टॉप पर है, वहीं इंग्लैंड (1.209) दूसरे, साउथ अफ्रीका (1.105) तीसरे और पाकिस्तान (1.042) चौथे पायदान पर है।

बात इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज की करें तो, हैदराबाद टेस्ट जीतकर जरूर मेहमानों ने सीरीज का आगाज जोरदार अंदाज में किया था, मगर इसके बाद भारतीय टीम ने सीरीज में इंग्लैंड की एक ना चलने दी।

टीम ने बैक टू बैक चार मुकाबले जीतकर सीरीज पर 4-1 से कब्जा जमाया। हैदराबाद टेस्ट हारने के बाद भारत ने इंग्लिश टीम को विखाशापट्टनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला में धूल चटाई। इस जीत के साथ भारत डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में भी पहले पायदान पर बना हुआ है।

NZ vs AUS : फील्डिंग के दौरान जोश हेजलवुड के हाथ में दिखा सैंडपेपर, क्रिकेट फैंस ने यूं लिए मजे

नई दिल्ली. न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हेगले ओवल में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हाथ में सैंडपेपर लिए नजर आए। हालांकि हेजलवुड ने ऐसा जानबूझकर नहीं किया बल्कि एक स्टैंड में मौजूद एक दर्शक ने उन्हें उस सैंडपेपर पर साइन करने के लिए कहा था। दरअसल मैच के दूसरे दिन बाउंड्री लाइन के करीब फील्डिंग कर रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड फैंस द्वारा दी गई चीजों पर अपना साइन कर रहे थे। इस दौरान एक फैन ने उन्हें सैंडपेपर थमाया, जिसे देखने के बाद वहां मौजूद अन्य दर्शकों ने शोर मचाया। सोशल मीडिया पर मौजूद एक वीडियो में जोश हेजलवुड ने बैट और एक कैप पर अपने साइन किए। इस बीच स्टैंड में मौजूद एक व्यक्ति ने उन्हें सैंडपेपर का टुकड़ा दिया। सैंडपेपर के पीछे का संदर्भ लोगों को बखूबी पता होगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 2018 में हुई टेस्ट सीरीज देखी होगी। उस सीरीज के दौरान विकेट लेने की कोशिश में ऑस्ट्रेलिया ने गेंद से छेड़छाड़ की थी और सैंडपेपर का इस्तेमाल किया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बैनक्राफ्ट फंसे थे।

उस घटना के बाद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को कई बार सैंडपेपर को लेकर ताना मारा गया है। खासकर डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। हालांकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी मैच के दौरान जब हेजलवुड को सैंडपेपर दिया गया, तो वह शांत रहे और उस पर साइन किया। जिसका वीडियो स्टैंड में मौजूद दर्शक ने रिकॉर्ड किया। दूसरे मैच में न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 279 रनों का लक्ष्य रखा है, इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर 77 रन बनाए हैं।

शेन वॉटसन पाकिस्तान टीम के हेड कोच बनेंगे या नहीं, जानिए कहां फंसा पेच? PCB के पास एक और प्लान

नई दिल्ली.एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को पुरुष टीम के लिए हेड कोच की तलाश है। पीसीबी ने हाल ही में इस पद के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन से संपर्क किया है। वह 59 टेस्ट, 190 वनडे और 58 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का फिलहाल कोई हेड कोच नहीं है। अप्रैल में न्यूजीलैंड को पाकिस्तान दौरे पर सीमित ओवर सीरीज खेलनी है। बोर्ड इस सीरीज से पहले हेड कोच की तलाश पूरी करना चाहता है। पीसीबी अस्थायी के बजाय स्थायी तौर पर यह जिम्मेदारी सौंपने के मूड में है। बोर्ड ने मोहम्मद हफीज को दिसंबर और जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे के लिए अस्थायी हेड कोच नियुक्त किया था।42 वर्षीय वॉटसन मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग

(पीएसएल) 2024 में क्वेटा ग्लैडिएटर्स के हेड कोच है। पीसीबी को ग्लैडिएटर्स के कोच के रूप में वॉटसन का काम पसंद आया है। पीसीबी भले ही वॉटसन को पाकिस्तान का हेड कोच बनाने के लिए उत्सुक हो लेकिन पूर्व ऑलराउंडर द्वारा इस ऑफर को ठुकराने की संभावना है। दरअसल, वॉटसन के कई कमिटमेंट्स है, जिससे पेच फंस सकता है। वह अपने परिवार के साथ सिडनी में रहते हैं और उनका पूरे साल का बिजी शेड्यूल है। वह मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के कोच हैं। वह आईसीसी इवेंट्स के साथ-साथ आईपीएल में स्टार स्पोर्ट्स के कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं।वॉटसन अगर ऑफर ठुकारते हैं तो पीसीबी के पास एक और प्लान है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी बोर्ड ने वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी को कोच पद के लिए अप्रोच किया है। सैमी वेस्टइंडीज के सीमित ओवरों के कोच हैं। वह पेशावर जाल्मी के भी मुख्य कोच हैं, जिसने इस सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

बैजबॉल शब्द में खोया इंग्लैंड...नासिर हुसैन ने लगाई बेन स्टोक्स की टीम की क्लास

नई दिल्ली.एजेंसी

नासिर हुसैन ने इंग्लैंड को 1-4 से भारत में सीरीज हारने के बाद जमकर लताड़ लगाई है। पूर्व कप्तान का मानना है कि इंग्लैंड बैजबॉल के शब्द में इतना खो गया कि वह पूरी सीरीज के दौरान आत्म-सुधार ही नहीं कर पाया। इंग्लिश टीम ने हैदराबाद टेस्ट जीतकर जरूर सीरीज का आगाज जोरदार अंदाज में किया था, मगर इसके बाद मेहमानों को लगातार चार मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। चारों मुकाबलों में इंग्लैंड की गलतियां लगभग एक जैसी थी। ओपनर्स टीम को अच्छी शुरुआत देते, मगर मिडिल ऑर्डर का साथ ना मिलने की वजह से टीम ताश के पत्तों की तरह ढह जाती। वहीं स्पिनर्स विकेट तो चटकाते, मगर रन वह जरूरत से ज्यादा खर्च करते। इन सभी मुद्दों पर नासिर हुसैन ने अपनी टीम को लताड़ लगाई है।

नासिर हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स के अपने कॉलम में लिखा, बैजबॉल के बारे में बहुत कुछ कहा और लिखा गया है। हम उस शब्द में खो गए हैं और टीम को यह पसंद नहीं आता। यह उन परिस्थितियों में व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में है।उन्होंने आगे लिखा, जेम्स एंडरसन, जिन्होंने टेस्ट में अपना 700वां विकेट लिया था, और रविचंद्रन अश्विन, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में नौ विकेट लिए, वह इस खेल के महान खिलाड़ी इसलिए हैं क्योंकि वे लगातार सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। एशेज में खराब प्रदर्शन के बाद, जिमी क्रीज में जाकर अपनी रन-अप गति बढ़ाना चाहते थे, उन्हें लगा कि 41 साल की उम्र में उन्हें थोड़ी और तेजी की जरूरत है।पूर्व कप्तान आगे लिखते हैं, हर समय सीम पोजीशन और गेंद को कैसे डिलीवर करना है इसके बारे में सीख रहे हैं। सीरीज में भारत के स्पिनर कुलदीप यादव का वर्जन 2 देखने को मिला। यह संस्करण वन से बहुत बेहतर है क्योंकि उसने इसमें सुधार करने की कोशिश की है।हुसैन ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों की जमकर क्लास ली। अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद क्रॉली सीरीज में एक भी शतक नहीं जड़ पाए। जबकि बेन डकेट ने नई गेंद पर खराब शॉट खेले, ओली पोप ने पहले टेस्ट में 196 रनों की पारी खेलने के अलावा पूरे टेस्ट में कुछ नहीं किया।

श्रीलंका का टाइम आउट सेलिब्रेशन नजमुल हुसैन को चुभ गया, बांग्लादेशी कप्तान ने कहा- मुझे लगता है कि उन्हें...

नई दिल्ली. बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टी20 सीरीज 1-2 से गंवा दी। श्रीलंका टीम ने सीरीज जीत को टाइम आउट के अंदाज में सेलिब्रेट किया। श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने अपनी उंगली से घड़ी जैसा इशारा किया, जो बांग्लादेशी कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को चुभ गया है। नजमुल का कहना है कि श्रीलंका को टाइम आउट की घटना को अब पीछे छोड़ देना चाहिए। बता दें कि वनडे वर्ल्ड कप 2023 में बांग्लादेश बनाम श्रीलंका मैच में एंजलो मैथ्यूज को टाइम आउट करार दिया गया था। क्रिकेट के इतिहास में पहली बार कोई इस तरह आउट हुआ था। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के अपील करने पर अंपायर ने यह फैसला दिया था।बांग्लादेश को तीसरे टी20 में 28 रन से हार का सामना करना पड़ा। नजमुल ने मैच के बाद कहा, ÷यह एग्रेसिव तरीके से हैंडल करना या ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होंने टाइम आउट इशारा किया। वे टाइम आउट इंसीडेंट से आगे नहीं बढ़े हैं। मुझे लगता है कि उन्हें इसे पीछे छोड़ देना चाहिए। उन्हें वर्तमान में रहना चाहिए। वो नियमों के अनुसार लिया गया फैसला था (मैथ्यूज को एंजलो मैथ्यूज को टाइम आउट देना)। वे इसे लेकर बौखलाए हुए हैं। मैं इसके बारे में बहुत चिंतित नहीं हूं। वहीं, श्रीलंका के असिस्टेंट कोच नवीद नवाज ने शांतो के कमेंट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश उनके जेस्चर को गलत समझा है।नवाज ने कहा, मुझे लगता है कि हम उस (टाइम आउट घटना) से आगे बढ़ गए हैं। मुझे लगता है कि यह सेलिब्रेशन था, जिसे उस समय गलत समझा गया। यह गेम की हीट के दौरान था। दोनों टीमों को इसके बारे में भूल जाना चाहिए। मुझे लगता है कि दोनों टीमें वाकई कड़ी मेहनत करती हैं।

IPL 2024 से पहले 'लुट पुट गए' आंद्रे रसेल, शाहरुख खान के 'नाइट राइडर' का वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली. वेस्टइंडीज के धाकड़ ऑलराउंडर आंद्रे रसेल जल्द ही आईपीएल 2024 में धमाल मचाते हुए नजर आएंगे। वह 17वें सीजन से पहले लुट पुट गए हैं। दरअसल, रसेल बॉलीवुड सॉन्ग लुट पुट गया गाने पर झूमते दिखे। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह गाना शाहरुख खान की फिल्म डंकी का है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। रसेल आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) फ्रेंचाइजी का हिस्सा

हैं, जिसके मालिक सुपरस्टार शाहरुख हैं।

35 वर्षीय रसेल का वीडियो केकेआर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। केकेआर ने कैप्शन में लिखा, मसल रसेल अगले हफ्ते अपनी भारत यात्रा के लिए तैयार हो रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि रसेल गाड़ी चलाते हुए लुट पुट गया सॉन्ग सुन रहे हैं और मस्ती में झूम रहे हैं। उनके के वीडियो पर फैंस के खूब रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, रसेल की आवाज वाकई में अच्छी है। दूसरे यूजर ने कमेंट किया, लॉयल फ्रेंचाइजी के लॉयल प्लेयर।

गौरतलब है कि आईपीएल के आगामी सीजन का आगाज 22 मार्च से होगा। केकेआर टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआती 23 मार्च को करेगी। केकेआर को पहला मैच ईडन गार्डन स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के विरुद्ध खेलना है। रसेल 2014 में पहली बार केकेआर के लिए खेले थे। वह तब से फ्रेंचाइजी के अहम खिलाड़ी हैं। वह हाल ही में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में मैदान पर उतरे, जहां उनकी टीम कोमिला विक्टोरियन को फाइनल में फॉर्च्यून बरिशाल के हाथों हार झेलनी पड़ी।

यशस्वी जायसवाल और आर अश्विन का IND vs ENG टेस्ट सीरीज में कहर, देखें सबसे ज्यादा रन और विकेट चटकाने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में यशस्वी जयसवाल 712 रनों के साथ टॉप स्कोरर रहे, वहीं अश्विन 26 विकेट के साथ सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बने।

नई दिल्ली.एजेंसी

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 4-1 से धूल चटाकर बैजबॉल की हेकड़ी निकाली। इंग्लैंड ने बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैक्कुलम की अगुवाई में अपनी आक्रमक शैली के दम पर पूरी दुनिया में धूम मचाई थी, मगर भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर बैजबॉल को आईना दिखाया और बताया कि यहां किसी की नहीं चलती। टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 4-1 से रौंदकर घर पर लगातार अपनी 17वीं सीरीज जीती। भारत की इस जीत में युवा खिलाड़ियों का काफी अहम रोल था। विराट कोहली, केएल राहुल और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी का भरपूर फायदा युवा खिलाड़ियों ने उठाया और अंग्रेजो को दांतो तले उंगली चबवाने को मजबूर किया। आइए एक नजर डालते हैं IND vs ENG टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन और विकेट चटकाने वाले खिलाड़ियों की सूची पर-

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टॉप-5 रन स्कोरर

इस लिस्ट में यशस्वी जायसवाल 712 रनों के साथ टॉप पर रहे। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने इस सीरीज में रनों का अंबार लगाते हुए कई रिकॉर्ड्स तोड़े। वह सुनील गावस्कर के बाद पहले ऐसे भारतीय बने हैं जिन्होंने एक सीरीज में 700 रनों का आंकड़ा पार किया है। यशस्वी ने यह रन 89 के बेमिसाल औसत के साथ बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम दो दोहरे शतक भी शामिल हैं।यशस्वी जायसवाल के अलावा IND vs ENG टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में दो और भारतीय हैं। दूसरे नंबर पर शुभमन गिल 452 रनों के साथ मौजूद हैं, वहीं कप्तान रोहित शर्मा भी इस सूची में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। हिटमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में दो शतक के साथ 400 रन बनाए।सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की इस सूची में दो इंग्लिश बल्लेबाज जैक क्रॉली और बेन डकेट हैं। क्रॉली 407 रनों के साथ तीसरे तो, डकेट 343 रनों के साथ 5वें पायदान पर हैं। डकेट को पूरी सीरीज के दौरान अच्छी शुरुआत तो मिली, मगर वह एक भी इसे शतक में तबदील नहीं कर पाए।भारतीय स्पिनर आर अश्विनIND vs ENGटेस्ट सीरीज में 26 विकेट के साथ इस सूची के टॉप पर रहे हैं। अपने टेस्ट करियर के 100वें टेस्ट में 9 विकेट चटकाकर इस भारतीय ने इस सूची में बाजी मारी।

हरमनप्रीत कौर का तूफान, 6 ओवर में बने 91 रन...मुंबई इंडियंस ने WPL में रचा इतिहास

हरमनप्रीत कौर ने 95वें रनों की नाबाद पारी खेल मुंबई इंडियंस को जीत दिलाई। एमआई ने इसी के साथ प्लेऑफ का टिकट भी हासिल किया। मुंबई ने गुजरात के खिलाफ डब्ल्यूपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया।

नई दिल्ली.जैसे-जैसे वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का दूसरा सीजन अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं।

शुक्रवार की शाम यूपी वॉरियर्स ने दिल्ली कैपिटल्स के मुंह से जीत छीनी तो वहीं शनिवार को एमआई ने डब्ल्यूपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट चेज करते हुए प्लेऑफ का टिकट हासिल किया। गुजरात जाएंट्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 190 रन बोर्ड पर लगाए थे। एमआई ने इस टारगेट को 1 गेंद और 7 विकेट शेष रहते हासिल कर टूर्नामेंट की 5वीं जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस की इस जीत में कप्तान हरमनप्रीत कौर चमकीं जिन्होंने 48 गेंदों पर 10 चौकों और 5 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 95 रनों की नाबाद पारी खेली। हरमनप्रीत कौर ने एमआई के लिए वहां से मैच निकाला जब टीम को अंतिम 6 ओवर में 91 रनों की दरकार थी।

191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यस्तिका भाटिया (49) और हीली मैथ्यूज (18) ने टीम को अच्छी शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े थे, मगर जैसे ही हीली का विकेट गिरा तो एमआई की रनों की रफ्तार में कमी आई। दरअसल, हीली के बाद नेट साइवर-ब्रंट (2) भी सस्ते में आउट हो गई थी।एक समय ऐसा आ गया था जब एमआई का स्कोर 14 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 100 रन था और उस समय हरमनप्रीत कौर 21 गेंदों पर 20 रन बनाकर बैटिंग कर रही थी। तब मुंबई को आखिरी 36 गेंदों पर जीत के लिए 91 रनों की दरकार थी। उस समय गुजरात का पलड़ा मैच पर भारी थी।

मगर तब हरमनप्रीत कौर का तूफान दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आया। 15वें ओवर में एमआई ने 19 रन बटोरे, इसके बाद अगले 5 ओवर में टीम ने क्रमश 7, 18, 24, 10 और 13 रन जोड़कर मैच पर एक गेंद शेष रहते कब्जा जमाया।हरमनप्रीत कौर के पास यहां अपना शतक पूरा करने का भी मौका था। 5वीं गेंद पर जब स्कोर लेवल हो गया था तो एमआई की कप्तान 94 रन पर थीं। हरमनप्रीत उस गेंद को अच्छे से कनेक्ट नहीं कर पाई जिस वजह से उन्हें मात्र एक ही रन मिला।

दिशा पाटनी

ने बदला अपना अंदाज, फोटो देख फैंस के मुंह से निकला- Oh My God

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म एम एस धोनी- द अन्टोल्ड स्टोरी से दिशा पाटनी ने बतौर एक्ट्रेस हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक से बढ़कर एक फिल्म में अपनी अदाकारी करिश्मा दिखाया। एक्टिंग के अलावा वह अपने गॉर्जियस अंदाज के लिए काफी जानी जाती हैं। इस बीच दिशा पाटनी लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिनमें अदाकारा का लुक उनके चिरप्रतिद्वंदी अंदाज से एक दम हटके लग रहा है। आइए एक नजर दिशा की इन तस्वीरों पर डालते हैं।

दिशा पाटनी की लेटेस्ट तस्वीरें आई सामने

अक्सर अपने बिकिनी लुक को लेकर दिशा पाटनी इंटरनेट पर सनसनी मचाती रहती हैं। सिर्फ इतना ही नहीं फैंस को भी उनका ये अंदाज काफी पसंद आता है। लेकिन फिलहाल उनकी जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, उनमें एक्ट्रेस बेहद अलग दिख रही हैं। महाशिवरात्रि के मौके पर दिशा पाटनी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को साझा किया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि दिशा बिकिनी छोड़ ग्रीन कलर की सरारा आउटफीट में दिखाई दे रही हैं। सिर्फ इतना ही नहीं उनके माथे पर पासा भी लुक को और अधिक निखार रहा है।दिशा पाटनी की इन फोटो देख फैंस हैरान हैं और एक न कमेंट कर लिखा है- ओह माय गॉड, बेबी गॉर्जियस। दूसरे कहा है- ये लुक बेहद कमाल है। कुल मिलाकर कहा जाए तो दिशा को ट्रेडिशनल ड्रेस में देख फैंस को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा है।

जल्द रिलीज होगी दिशा की योद्धा

आने वाले समय में दिशा पाटनी फिल्म योद्धा में नजर आएंगी। इस मूवी में वह एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। ये पहली बार है जब दिशा और सिद्धार्थ किसी फिल्म में एक साथ दिखेंगे। इनकी फिल्म योद्धा का ट्रेलर हाल ही में सामने आया है और जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। मलूम हो कि 15 मार्च को योद्धा बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी।

आलिया भट्ट

ने बेटी Raha की परवरिश पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- हमेशा चिंता और घबराहट होती है कि मैं...

आलिया भट्ट आज हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी, आरआरआर, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी सक्सेसफुल फिल्में देने वाली आलिया अभिनेत्री होने के साथ-साथ एक मां भी हैं। हाल ही में, आलिया ने खुलासा किया है कि वह कैसे काम के साथ अपनी बेटी की परवरिश कर रही हैं।

नेशनल अवॉर्ड विनर आलिया भट्ट और उनके पति व एक्टर रणबीर कपूर ने 6 नवंबर 2022 को एक बेटी का स्वागत किया था। आलिया और रणबीर की लाडली अब एक साल की हो गई है। रणबीर और आलिया अपनी बेटी के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के साथ-साथ अपने-अपने काम पर भी ध्यान दे रहे हैं। आखिर दोनों पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को कैसे मैनेज कर रहे हैं? एक्ट्रेस ने इसका खुलासा किया है।

कैसे राहा की परवरिश कर रहे आलिया और रणबीर ?

आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में बताया कि वह और उनके पति रणबीर कपूर अपनी पैरेंटिंग ड्यूटीज कैसे निभा रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि दोनों में से कोई न कोई बेटी के पास जरूर मौजूद रहता है। सीएनबीसी संग बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा, मैं माता-पिता को कोई भी सलाह देने से दूर रहती हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि हर किसी की जर्नी अलग होती है। मेरे पास प्रीवलेज है। अगर मैं बेटी के लिए उपलब्ध नहीं होती हूं तो दूसरे होते हैं।

रणबीर और आलिया ने बेटी को लेकर किया था ये फैसला

आलिया ने आगे कहा, मेरे पति (रणबीर कपूर) और मैंने बहुत पहले ही तय कर लिया था कि हम दोनों में से किसी एक को हर समय राहा के लिए उपलब्ध रहना चाहिए। इसलिए हम अपनी-अपनी ड्यूटीज पूरी कर रहे हैं। अगर मैं ट्रेवल कर रही होती हूं तो वह घर पर होते हैं। अगर वह ट्रेवल करते हैं तो मैं घर पर होती हूं।

इस दिन से शुरू होने जा रही है शाहरुख खान और सुहाना की King की शूटिंग

शाहरुख खान के लिए बीता साल धमाकेदार रहा है, चार साल के लंबे ब्रेक के बाद वो वापसी कर रहे थे, और आते ही 'पठान' से भौकाल काट दिया, इसके बाद 'जवान' और 'डंकी' ने भी बॉक्स ऑफिस पर खूब पैसे पीटे, हालांकि, इस साल उनकी कोई भी पिक्चर नहीं आने वाली है, लेकिन उनके खाते में कई फिल्में हैं, इनमें से एक में वो अपनी बेटी सुहाना खान संग काम करने वाले हैं, बीते दिनों खबरें आईं कि, फिल्म 'किंग' बंद हो गई है, लेकिन अब जो लेटेस्ट अपडेट आया है, उससे पता चल गया है कि इसकी शूटिंग कब शुरू होगी.सुहाना खान ने हाल ही में फिल्म 'द आर्चीज' से डेब्यू किया है, अब अपनी अगली पिक्चर में वो अपने पिता शाहरुख खान के साथ दिखने वाली हैं, ऐसा कहा जा रहा है कि, इसके लिए शाहरुख खान और सुहाना खान मन्नत में ही ट्रेनिंग भी ले रहे हैं,

कब शुरू होगी 'किंग' की शूटिंग ?

शाहरुख खान अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के अलावा बच्चों की फिल्मों पर भी नजर बनाए हुए हैं, सुहाना की फिल्म 'किंग' की बात करें तो इसके लिए वो काफी एक्साइटेड हैं, साथ ही इन दिनों फिल्म की तैयारियों में जुटी हुई हैं, बीते दिनों पता लगा था कि, इस पिक्चर के लिए सुहाना और शाहरुख खान मन्नत में ही ट्रेनिंग ले रहे हैं, ये एक्शन सीन्स हैं, जिसके लिए हॉलीवुड से ट्रेनिंग देने के लिए लोग बुलाए गए हैं, ऐसा भी कहा जा रहा है कि 'किंग' हॉलीवुड फिल्म पर आधारित होगी, जिसका नाम है-लियोन: द प्रोफेशनल,

हाल ही में इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट सामने आई है, इसके मुताबिक, शाहरुख खान और सुहाना की फिल्म की शूटिंग मई से शुरू हो सकती है, फिलहाल शाहरुख खान अपने बेटे आर्यन खान को वेब सीरीज 'स्टारडम' में मदद कर रहे हैं, अप्रैल में उनके कुछ कमिटमेंट्स हैं, जिसके चलते ट्रैवल करना होगा, वापसी करने के बाद वो सुहाना के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे,ऐसा पता लगा है कि, इस पिक्चर में 'किंग' का रोल शाहरुख खान करते दिखेंगे, जबकि, बच्ची के रोल में सुहाना खान होंगी, फिल्म को सुजॉय घोष डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं फिल्म के बाकी किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है, इस फिल्म को शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट सिद्धार्थ आनंद की कंपनी मारफ्लिक्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस करेगी, वहीं इसे साल 2025 में रिलीज करने की बातें सामने आ रही है,

एक्ट्रेस अमनदीप सोही का निधन, कैंसर से जूझ रहीं दूसरी बहन

एक्ट्रेस डॉली सोही की बहन अमनदीप सोही का निधन हो गया है, डॉली खुद सर्वाइकल कैंसर पीड़िता हैं और उन्हें ट्रीटमेंट के लिए अस्पताल में एडमिट किया गया है, अमन के निधन की पुष्टि करते हुए सीनियर एक्ट्रेस नीलू कोहली ने शेयर किया, कभी मैंने अपने सपने में भी नहीं सोचा था कि अमन को इस तरह से अलविदा कहना होगा, ये तो उनके हंसने-खेलने के दिन थे, लेकिन भगवान ने उनके लिए कुछ और सोचा था और इसलिए अपने पसंदीदा बच्चे को उन्होंने अपने पास बुला लिया, उनकी मां और परिवार के बारे में सोचकर मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं, भगवान उन्हें शक्ति दे,

अमनदीप से जुड़े सूत्रों की मानें तो तो पीलिया की वजह से उन्हें फरवरी में अस्पताल में भर्ती किया गया था, बीमारी की वजह से उनकी कॉम्प्लीकेशन्स और बढ़ गई, उन्हें किडनी फेलियर का सामना करना पड़ा और आखिरकार उनके शरीर ने जवाब दे दिया, हालांकि इस बारे में उनके परिवार की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, 22 फरवरी 2024 को अमन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वो अस्पाल के बेड पर लेटी हुई हैं और उनके हाथ पर सलाइन चढ़ाया गया है,

बीमारी से जूझ रही हैं बहन

अमनदीप सोनी की बहन डॉली सोही कैंसर से अपनी जंग लड़ रहीं हैं, कुछ दिन पहले सांस लेने की समस्या की वजह से उन्हें अस्पताल में दाखिल किया गया था, डॉली 'सर्वाइकल कैंसर' से पीड़ित हैं, इस बीमारी के चलते उन्हें उनके मशहूर टीवी सीरियल 'झनक' को भी अलविदा कहना पड़ा था, अमनदीप सोही की बात करें तो 'बद्तमीज दिल' से लेकर रामायण तक कई मशहूर टीवी सीरियल में उन्होंने एक्टिंग की है, ज़ी टीवी के सीरियल रामायण में उन्होंने 'मंदोदरी' का किरदार निभाया था,